जबलपुर बुधवार 30 सितंबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, चतुर्थी
वर्ष 32 अंक 93 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.1 °C
न्यूनतम तापमान 24.1 °C
सूर्योदय - 6.01 | सूर्यास्त - 5.59

सेवा संकल्प यात्रा के बाइकर्स का जारगी में ... ⏩ 5

हिमेश रेशमिया ने पहली बार रचा गरबा ... ⏩ 7

गोलबाजार रामलीला की नई कार्यकारिणी गठित ... ⏩ 9

एथलेटिक्स में भारत का पहला गोल्ड

4×400 मीटर रिले में देश की बेटियों का कमाल

नागोया (जापान)। भारत ने 2026 एशियन गेम्स में एथलेटिक्स का अपना पहला गोल्ड मेडल जीत लिया है। मंगलवार को महिला 4×400 मीटर रिले में किरण पहल, पूवम्मा माचेत्तिरा, प्राची चौधरी और विथ्या रामराज की चौकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने 3:29.69 मिनट का समय निकालकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। बहरीन ने सिल्वर और चीन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह मौजूदा एशियन गेम्स में ट्रैक एंड फील्ड से भारत का पहला गोल्ड मेडल है। भारतीय एथलीटों ने रिले फाइनल में शुरू से आखिर तक जोरदार रफ्तार बनाए रखी और पोडियम पर तिरंगा सबसे ऊपर पहुंचाया। मंगलवार 29 सितंबर को भारत ने निशानेबाजी और एथलेटिक्स में गोल्ड समेत कुल 8 मेडल अपने नाम किए जिससे अब कुल मेडल्स की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। (पेज 10 भी देखें)

मप्र में अग्निवीरों को 20%आरक्षण

वनरक्षक, पुलिस आरक्षक, एसएएफ, जेल प्रहरी और आबकारी आरक्षक भर्ती में मिलेगा लाभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश में सेना से अग्निवीर के रूप में सेवा पूरी कर चुके युवाओं को वर्दीधारी पदों की भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। मोहन कैबिनेट ने मंगलवार को 5 विभागों के वर्दीधारी पदों पर अग्निवीरों को आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके तहत वन विभाग के वनरक्षक, गृह विभाग के सामान्य आरक्षक, एसएएफ के सशस्त्र आरक्षक, जेल विभाग के जेल प्रहरी और आबकारी विभाग के आबकारी आरक्षक पद शामिल हैं। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि इन पदों पर अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। अभी वर्दीधारी पदों की भर्ती में होमगार्ड और भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण का प्रावधान है। कैबिनेट ने कक्षा 1 से 8 तक के 58 लाख विद्यार्थियों को गणवेश के

लिए 600 रुपए प्रति यूनिफॉर्म देने को मंजूरी दी है। इसके लिए 348 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के जरिए विद्यार्थियों के खातों में ट्रांसफर की जाएगी। सरकार ने इस साल विद्यार्थियों को गणवेश सिलाकर देने का फैसला किया था। टेंडर प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट की आपत्तियों और समय पर यूनिफॉर्म उपलब्ध नहीं होने के बाद सरकार ने व्यवस्था बदलने का निर्णय लिया। अब शिक्षा सत्र के छह महीने बीतने के बाद विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के बदले राशि दी जाएगी।

दमोह-कटनी मार्ग होगा फोरलेन

कैबिनेट ने दमोह-कटनी के बीच 105 किमी लंबे मार्ग को फोरलेन करने के लिए 4,470 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह स्टेट हाईवे-63 का हिस्सा है और फिलहाल टू-लेन है। सरकार के अनुसार फोरलेन बनने से दुर्घटनाओं में कमी, जाम से राहत और यात्रा समय में कमी आएगी। दमोह-कटनी का सफर करीब डेढ़ घंटे कम होने का अनुमान है। यह परियोजना विंध्य विकास पथ प्रोजेक्ट के तहत हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर बनाई जाएगी।

छात्रावासों में अब अनाज की जगह राशि

विमुक्त, घुमंतु और अर्ध घुमंतु वर्ग के छात्रावासों में अब तक 12 किलो अनाज 5 रुपए प्रति किलो की दर से दिया जाता था। एससी-एसटी वर्ग के छात्रावासों में अनाज 1 रुपए प्रति किलो मिलता था। अब इन छात्रावासों के विद्यार्थियों को अनाज के बजाय राशि देने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने अलग-अलग विभागों की 24,500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को अगले पांच साल तक जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसमें सिंचाई विभाग की चार परियोजनाएं शामिल हैं।

सरकार की 'कठपुतली' बन गए ज्ञानेश

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा सहित खड़गे ने रखी पांच डिमांड

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में चुनाव आयोग और केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। खड़गे ने कहा कि देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी एक बार फिर कांग्रेस के कंधों पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में देश की मजबूत लोकतांत्रिक नींव को योजनाबद्ध तरीके से खोखला किया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि साजिश के तहत लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त मोदी सरकार की 'कठपुतली' बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हर योग्य नागरिक का वोट सुरक्षित रखना और हर वोट की निष्पक्ष गिनती सुनिश्चित करना लोकतंत्र की बुनियादी भावना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि चुनाव आयोग के दो आयुक्तों ने खुद सीईसी की गतिविधियों को 'मनमाना और अनुचित' बताया है। खरगे ने आरोप लगाया कि सीईसी की कोशिशें सत्तापक्ष को फायदा पहुंचाने की रही हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल पद से हटाने की मांग की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी 'नैतिकता के आधार पर' इस्तीफा देने की मांग की। खड़गे ने युवाओं के मताधिकार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि दिसंबर 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने मतदान की उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की थी। इसके उलट उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को मताधिकार से वंचित करने की 'साजिश' के तहत चुपचाप फार्म-6 के नियमों में बदलाव करवाया, जो उनके मुताबिक पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने कहा, 'नौकरी तो दी नहीं, अब वोट का अधिकार भी नहीं देना चाहते हैं।' खड़गे ने कहा कि वोट का अधिकार किसी की ओर से मिली खैरात नहीं है, बल्कि इसके लिए लाखों लोगों ने कुर्बानियां दी हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को घेरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव और चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई और पहले ईवीएम में हेरफेर तथा उसके बाद वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ी के जरिए इसे और बढ़ाया गया। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने दावा किया कि 2014 और 2019 के चुनावों में भी कुछ हद तक गड़बड़ी हुई थी, लेकिन उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि 2024 का लोकसभा चुनाव पूरी तरह फर्जी था। राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं से कहा कि इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दबाव में हैं और पार्टी को अपनी मांगों को लेकर लगातार संघर्ष करना होगा। राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जिक्र करते हुए कहा कि किसने सोचा था कि वह इस्तीफा देंगे। इसी तरह लगातार मांग उठानी होगी और दबाव बनाए रखना होगा।

कांग्रेस के 5 सवाल और मांगें

खड़गे ने सवाल किया कि एसआईआर का फैसला किसने लिया और दो चुनाव आयुक्तों को इंटरनल पोर्टल से बाहर क्यों रखा गया। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को केवल चुनावी हार-जीत की लड़ाई के तौर पर नहीं देखती। उन्होंने कहा कि चुनाव और सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन लोकतंत्र और संविधान स्थायी हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए नोटबंदी की तुलना कथित वोटबंदी से की। खड़गे ने कहा कि नोटबंदी में गरीब लाइन में खड़ा था, जबकि वोटबंदी में गरीब को लाइन से ही बाहर किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सामने पांच राज्यों के चुनाव हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसी मतदाता का अधिकार न मारा जाए। उन्होंने पार्टी से इस मुद्दे पर सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस की पांच मांगें रखीं।

- मतदाता सूची में बड़े बदलावों का पूरा डेटा सार्वजनिक किया जाए।
- हटाए गए मतदाताओं को सूचना और अपील का मौका मिले।
- राजनीतिक दलों को जरूरी चुनावी डेटा सरल फॉर्मेट में समय पर दिया जाए।
- गंभीर विसंगतियों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच हो।
- चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण डेटा व फैसलों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

कैंसर दवाओं की ऊंची कीमत नरसंहार जैसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि 2700 रुपए की कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपए क्यों है। कोर्ट ने दवाओं की कीमतों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह नरसंहार है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मंगलवार को दवाओं की कीमत और जेनेरिक दवाओं से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मौजूद थे। कोर्ट ने कहा- यह नरसंहार है। यह कैसे हो रहा है? कॉर्पोरेट किसी को नहीं बख्शते, शव भी बाहर नहीं जाने देते। सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024-25 में भारत में कैंसर-रोधी दवाओं की सालाना बिक्री 5,281 करोड़ रुपए रही। 2021-22 में यह 3,382 करोड़ रुपए थी। यानी तीन साल में बिक्री करीब 56 प्रतिशत बढ़ी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगर मरीज सरकारी योजना में इलाज करा रहा है तो इतनी बढ़ी हुई कीमत का भुगतान कौन करता है। इसका बोझ सरकारी खजाने और टैक्सपेयर्स पर ही पड़ता है। प्राइवेट हॉस्पिटल इंडस्ट्री की तरह काम कर रहे हैं। वे अपनी फार्मेसी से ही दवा खरीदने को मजबूर करते हैं। सरकार की ओर से तुषार मेहता ने कहा- फार्मा कंपनियां लाभ कमाने वाली नहीं हैं। ऐसा लगता है कि लाभ कमाने वाले निजी अस्पताल हैं। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि जिन दवाओं की कीमत सरकार तय करती है, उनका बाजार में हिस्सा कम है।

एसआईआर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक आज

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की बैठक होगी। इसमें एसआईआर और चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों पर चर्चा होगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह पार्टी के दूसरे नेता पहुंचेंगे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे। पार्टी सांसद संजय राउत ने बताया कि पार्टी 2 अक्टूबर को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन की तैयारी में व्यस्त है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में डीएमके और आप का कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं होगा।

उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का जवान शहीद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है।

सीआईएसएफ जवान ने सहकर्मियों को मारी गोली

सहायक कमांडेंट समेत चार की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ के बसोहली सब डिवीजन के हट्ट माश्का में एनएचपीसी संचालित पनबिजली परियोजना में तैनात सीआईएसएफ के एक जवान ने कहासुनी के बाद अपने ही अधिकारियों पर गोलियां दाग दीं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार जवान ने एक सहायक कमांडेंट, एक सब इंस्पेक्टर और दो जवानों को गोली चलाकर बुरी तरह से घायल कर दिया। चारों की मौत हो गई है। आरोपी की पहचान सीआईएसएफ कर्मी अभिदेश सिंह के तौर पर हुई है। इस मामले में आरोपी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सीआईएसएफ के चार जवानों की मौत हो गई, जिनमें

एक असिस्टेंट कमांडेंट भी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) के ये जवान हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे बसोहली के मशका गांव में सेवा-तीन पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि किसी बात को लेकर दो जवानों के बीच बहस हुई और बाद में उनमें से एक ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे ये मौतें हुईं।

राहुल गांधी 1 अक्टूबर को बालाघाट जाएंगे

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के बालाघाट में बैगा आदिवासी बच्चों की मौतों के बीच राहुल गांधी 1 अक्टूबर को बालाघाट आएंगे। वे बैहर और बिरसा के प्रभावित आदिवासी इलाकों में जाकर मृत बच्चों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। बालाघाट में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 32 बच्चों की मौत हो चुकी है। राहुल गांधी का 13 दिन में मध्यप्रदेश में यह दूसरा दौरा होगा। इससे पहले वे 19 सितंबर को इंदौर आए थे। यहां उन्होंने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। कार्यक्रम से पहले उन्होंने लिखा था- 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की बीमारी, कुपोषण मौतें हो रही हैं, लेकिन कार्रवाई सुस्त रही।

सरकार सोती रही। राहुल गांधी ने कहा था- मुख्यमंत्री जी, दीये जलाने और उत्सव मनाने से फुर्सत मिल गई हो तो जरा राज्य की जमीनी हालत भी देखिए। बीमारी, पोषण और साफ पानी की कमी है। चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण छोटे बच्चों की जान जा रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- राहुल गांधी मृत बच्चों के परिवारों से मिलकर जमीनी हालात समझेंगे। उनसे जानेंगे कि सरकारी योजनाओं का लाभ आदिवासी परिवारों तक क्यों नहीं पहुंचा। बच्चों को पोषण, दलिया, मच्छरदानी और टीकाकरण जैसी जरूरी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। वहीं, मृत बच्चों के परिवारों को आर्थिक मदद देने पर सिंघार ने कहा कि सिर्फ सहायता देना काफी नहीं है। सरकार की जिम्मेदारी है कि उसकी योजनाएं हर जरूरतमंद तक पहुंचें। स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने चुप्पी साध ली।

मप्र में ओडिशा पुलिस की टीम पर हमला

फायरिंग के बाद एनडीपीएस के आरोपी को छुड़ाकर ले गए बदमाश

सीधी

रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छुहिया घाटी में मंगलवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब ओडिशा पुलिस की टीम पर कथित रूप से बदमाशों ने हमला कर एनडीपीएस के एक आरोपी को छुड़ा लिया। घटना सुबह 11.30 बजे की बताई जा रही है। जहां वारदात के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आसपास के थानों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया। ओडिशा राज्य पुलिस आरोपी आदित्य मिश्रा को ओडिशा से रीवा न्यायालय में पेशी के लिए ले जा रही थी। वाहन में सवार पुलिसकर्मी एके-47 समेत अन्य हथियारों से लैस थे। इसके बावजूद बदमाश आरोपी को छुड़ाकर ले गए। इस दौरान आरोपियों के द्वारा 3 बार फायरिंग और बेसबॉल से हमले की बात सामने आई है। सीधी एसपी संतोष कोरी ने बताया, ओडिशा राज्य पुलिस एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार आरोपी आदित्य मिश्रा को ओडिशा से रीवा जिला न्यायालय में पेशी के लिए लेकर आ रही थी। जब पुलिस की

टीम छुहिया घाटी से गुजर रही थी, तभी 3 गाड़ियों में सवार बदमाशों ने कथित तौर पर पुलिस वाहन को घेर लिया। दो गाड़ी आगे की तरफ से और एक गाड़ी पीछे की तरफ से। इसके बाद बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर 3 बार फायरिंग की और बेसबॉल बैट से हमला भी किया। इसके बाद आरोपी आदित्य मिश्रा को पुलिस के कब्जे से छुड़ाकर अपने साथ ले गए। यह घटना सुबह 11.30 की है। एसपी संतोष कोरी ने बताया, ओडिशा पुलिस के अनुसार उसमें से कुछ बदमाश उतरे और डंडे से पुलिस वाहन के कांच तोड़ दिए और आरोपी को छुड़ाकर अपनी गाड़ी में बैठाकर वहां से भाग गए। इस दौरान बदमाशों ने 2 से 3 राउंड गोली भी चलाई। ओडिशा के सभी पुलिस अधिकारी 8 की संख्या में थे और उनके पास एके-47 और अन्य हथियार थे। इसके बावजूद बदमाश आरोपी को लेकर मौके से फरार होने में सफल हो गए।

मैहर जिले की ओर भागे बदमाश

इस मामले की जानकारी मिलते ही सीधी पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी और कई थानों के प्रभारी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस घटना में फायरिंग और मारपीट की बात सामने आने के बावजूद फिलहाल किसी पुलिसकर्मी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद बदमाशों की गाड़ियां मैहर जिले की ओर रवाना हुई हैं।

प्रधानमंत्री की डिग्री मामले में केजरीवाल की याचिका खारिज

अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े करीब 10 साल पुराने मामले में आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की अपील खारिज कर दी। साथ ही कोर्ट ने केजरीवाल पर लगे 25 हजार रुपए के जुर्माने को भी बरकरार रखा। मार्च 2016 में केजरीवाल ने सेंट्रल इंफॉर्मेशन कमीशन (सीआईसी) को चिट्ठी लिखकर मांग की थी कि पीएम नरेंद्र मोदी की डिग्री सार्वजनिक की जानी चाहिए।

आरसीए चुनाव के रिजल्ट पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चार साल बाद चुनाव हुए। मंगलवार को वोटिंग हुई, लेकिन मतदान से पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने रिजल्ट घोषित करने पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से मामले की जल्द सुनवाई करके आदेश जारी करने को कहा है। आरसीए में अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और कार्यकारी सदस्य चुने जाने हैं। कुल 38 में 35 वोटर ने वोट दिए। जिस मत पेटी में बैलेट डाले गए, उसे सील पैक करके रख दिया है।

आज होगी नि:शुल्क पीएसए जांच, 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों से जांच कराने की अपील

प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के तहत एसवी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में विशेष पहल, समय पर जांच और विशेषज्ञ की सलाह पर दिया जोर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्रोस्टेट कैंसर के प्रति पुरुषों में जागरूकता बढ़ाने और बीमारी की समय रहते पहचान को लेकर 30 सितंबर को नि:शुल्क पीएसए जांच का आयोजन किया जाएगा। यह पहल प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के अंतर्गत एसवी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा की जा रही है। विशेषज्ञों ने विशेष रूप से बढ़ती उम्र के पुरुषों को प्रोस्टेट स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और आवश्यकतानुसार समय पर जांच कराने की सलाह दी है। प्रोस्टेट पुरुषों में मूत्राशय के नीचे स्थित एक छोटी ग्रंथि है, जो प्रजनन तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट का आकार बढ़ना आम समस्या हो सकती है, लेकिन प्रोस्टेट का सामान्य रूप से बढ़ना और प्रोस्टेट कैंसर एक ही बीमारी नहीं हैं। इसी कारण पेशाब से जुड़ी समस्या होने पर उसे केवल उम्र का सामान्य असर मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

शुरुआती अवस्था में स्पष्ट लक्षण नहीं दिख सकते

प्रोस्टेट कैंसर की शुरुआती अवस्था में कई पुरुषों में कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। बीमारी बढ़ने पर बार-बार पेशाब आना, विशेषकर रात में पेशाब के लिए उठना, पेशाब शुरू करने में कठिनाई, पेशाब की धार कमजोर होना या रुक-रुककर पेशाब आना जैसी परेशानियां सामने आ सकती हैं। कुछ मामलों में पेशाब करने के बाद भी मूत्राशय पूरी तरह खाली नहीं होने का एहसास हो सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार इनमें से कोई भी लक्षण अपने आप में प्रोस्टेट कैंसर की पुष्टि नहीं करता, क्योंकि ऐसी समस्याएं प्रोस्टेट बढ़ने या अन्य मूत्र संबंधी कारणों से भी हो सकती हैं। इसलिए लक्षण होने पर चिकित्सकीय मूल्यांकन जरूरी है।

पीएसए जांच क्यों महत्वपूर्ण है?

पीएसए यानी प्रोस्टेट-विशिष्ट एंटीजन एक रक्त जांच है, जिसका उपयोग प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याओं के मूल्यांकन में किया जाता है। चै। का स्तर बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं और केवल पीएसए रिपोर्ट के आधार पर कैंसर की अंतिम पुष्टि नहीं की जाती। जरूरत पड़ने पर चिकित्सक अन्य जांचों और परीक्षणों की सलाह दे सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक उम्र, लक्षण, पारिवारिक इतिहास और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पीएसए जांच की उपयोगिता का निर्णय किया जाता है। इसलिए जांच की रिपोर्ट मिलने के बाद विशेषज्ञ चिकित्सक से उचित परामर्श लेना महत्वपूर्ण है। जागरूकता अभियान के माध्यम से 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को अपने प्रोस्टेट स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से सजग रहने का संदेश दिया जा रहा है। जिन परिवारों में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास रहा है, उनके लिए जांच और स्क्रीनिंग की शुरुआत की उम्र तथा अंतराल को लेकर डॉक्टर से व्यक्तिगत सलाह लेना उपयोगी हो सकता है।

30 सितंबर को नि:शुल्क पीएसए जांच

प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के तहत 30 सितम्बर को नि:शुल्क चै। जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आयोजन का उद्देश्य पुरुषों को प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम, शुरुआती पहचान और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के प्रति जागरूक करना है। एसवी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, शहडोल की ओर से लोगों से अपील की गई है कि बढ़ती उम्र के साथ होने वाली पेशाब संबंधी समस्याओं को सामान्य मानकर लंबे समय तक नजरअंदाज न करें और आवश्यकता होने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 119वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई

शहडोल (स्वतंत्रमत)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसमोहनी में सोमवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 119वीं जयंती विद्यालय परिसर स्थित अमर शहीद स्मारक में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य चंद्रिका सिंह एवं जयंत कुमार मिश्रा द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। इस अवसर पर स्मारक में स्थापित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं अमर शहीद सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं पर भी पूजा-अर्चना कर पुष्प अर्पित किए गए। विद्यालय के शिक्षक ओम प्रकाश शर्मा, ललिता मिश्रा, विजय कृष्ण मिश्रा एवं राजकुमार सैनी सहित छात्र-छात्राओं ने भी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विजय कृष्ण मिश्रा ने शहीद भगत सिंह के जीवन, देश के लिए किए गए कार्यों एवं उनके महान बलिदान के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन युवाओं के लिए देशभक्ति, साहस और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा है। विद्यालय के प्राचार्य चंद्रिका सिंह ने विद्यार्थियों को देशहित में कार्य करने तथा शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में स्थापित अमर शहीद स्मारक देश का एक अद्वितीय स्मारक है, जो विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों को सदैव राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

संकुल प्राचार्यों का जिला स्तरीय सक्षम जीवन कौशल प्रशिक्षण आयोजित

जीवन कौशल कार्यक्रम की गुणवत्ता एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान डीआईईटी शहडोल में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के समस्त संकुल प्राचार्यों एवं प्रभारियों के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के संकुल प्राचार्य एवं प्रभारी शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के आगामी गतिविधियों, सत्र संरचना, सत्र संचालन की प्रक्रिया तथा विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। ब्लॉक मैनेजर आशीष कुमार गुप्ता ने सक्षम कार्यक्रम की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा करते हुए कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में संकुल प्राचार्यों की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में संकुल स्तर पर संकुल प्राचार्य की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा विद्यालयवार सक्षम कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। विद्यालय भ्रमण के दौरान एसक्यूएमएफ फोर्म के माध्यम से जीवन कौशल सत्रों के अवलोकन एवं गुणवत्ता मूल्यांकन की प्रक्रिया से भी संकुल प्राचार्यों को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में विद्यालयों में समान अवसर, समान सहभागिता एवं जेंडर-संवेदनशील वातावरण विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। ट्रेनिंग मैनेजर संजय गौतम एवं ब्लॉक मैनेजर संदीप शुक्ला ने संकुल प्राचार्यों को जीवन कौशल सत्रों की गुणवत्ता बनाए रखने, नियमित निगरानी करने तथा विद्यालय स्तर पर सक्षम कार्यक्रम के प्रभावी संचालन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के माध्यम से संकुल प्राचार्यों की जीवन कौशल सत्रों के प्रभावी संचालन, गुणवत्ता निगरानी एवं सक्षम कार्यक्रम के सुचारु क्रियान्वयन संबंधी समझ को और अधिक मजबूत किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान डीआईईटी की प्राचार्य अभिलाषा मिश्रा एवं ट्रेनिंग मैनेजर संजय गौतम का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा।

दो साल से छात्रवृत्ति का इंतजार, एससी-एसटी पैरामेडिकल छात्र-छात्राएं जनसुनवाई में पहुंचे

पहले भी लगा चुके हैं गुहार, लंबित राशि जल्द दिलाने कलेक्टर से लगाई फरियाद

उमरिया (स्वतंत्रमत)

लंबे समय से छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान नहीं होने से परेशान एससी-एसटी वर्ग के पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं ने मंगलवार 29 सितंबर को कलेक्ट्रेट पहुंचकर साप्ताहिक जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी। विद्यार्थियों का कहना है कि छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करने के साथ आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताएं पूरी की जा चुकी हैं, इसके बावजूद करीब दो साल से छात्रवृत्ति की राशि उनके खातों में नहीं पहुंची है। छात्र-छात्राओं ने इस संबंध में कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर मामले की जांच कराने तथा लंबित छात्रवृत्ति का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 की छात्रवृत्ति का मामला- छात्र-छात्राओं द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार मामला शैक्षणिक सत्र 2022-23 की छात्रवृत्ति से संबंधित है। विद्यार्थियों का कहना है कि उन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की थी तथा आवेदन भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया गया था। इसके बावजूद लंबे समय से भुगतान लंबित है। छात्र-छात्राओं के मुताबिक इस संबंध में पहले भी संबंधित स्तर पर अपनी समस्या रखी जा चुकी है, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण उन्हें एक बार फिर प्रशासन की जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी बात रखनी पड़ी। विद्यार्थियों ने बताया कि छात्रवृत्ति उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पढ़ाई से जुड़े विभिन्न खर्चों को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लंबे समय से राशि नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई विद्यार्थियों के लिए फीस, अध्ययन सामग्री, आने-जाने सहित अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो रहा है। जनसुनवाई में पहुंचे छात्र-छात्राओं ने प्रशासन के समक्ष अपनी समस्या रखते हुए कहा कि यदि छात्रवृत्ति आवेदन या दस्तावेजों में किसी प्रकार की कमी है तो उन्हें इसकी स्पष्ट जानकारी दी जाए, ताकि वे समय रहते आवश्यक सुधार कर सकें। वहीं यदि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भी विभागीय स्तर पर भुगतान लंबित है तो संबंधित विभाग से जानकारी लेकर समस्या का निराकरण कराया जाए। छात्र-छात्राओं का कहना है कि वे लंबे समय से छात्रवृत्ति की राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद स्थिति स्पष्ट नहीं होने से उनमें निराशा बनी हुई है। इसी उम्मीद के साथ उन्होंने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

कलेक्टर से जांच कर शीघ्र भुगतान की मांग- पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर से पूरे मामले की जांच कराकर पात्र विद्यार्थियों की लंबित छात्रवृत्ति राशि का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की है। विद्यार्थियों ने कहा कि यदि किसी तकनीकी अथवा विभागीय प्रक्रिया के कारण भुगतान रुका हुआ है तो उसकी जानकारी सामने लाकर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि पात्र विद्यार्थियों को उनका अधिकार मिल सके और उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। छात्र-छात्राओं को अब प्रशासन से इस मामले में जल्द समाधान की उम्मीद है। उनका कहना है कि दो साल से लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान होने से उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी और वे अपनी पढ़ाई से जुड़े खर्चों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी मिलन समारोह वार्ड नंबर 19 में संपन्न हुआ

शहडोल (स्वतंत्रमत)

वार्ड नंबर 19 में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सिल्लू रजक कल्याणी बाजपेयी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, नाजबेबी सहायिकाओं एवं उपस्थित जनों के साथ आत्मीय संवाद कर उनके सेवाभाव और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ हीं आंगनवाड़ी मे पौधरोपण किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज और बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके माध्यम से बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सराहनीय कार्य किया जा रहा है। समारोह के दौरान सभी से मिलकर उनके अनुभवों और सुझावों को सुना गया तथा जनसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया। सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना ही इस अभियान का उद्देश्य है। वार्ड नंबर 19 में आयोजित यह मिलन समारोह आपसी स्नेह, संवाद और जनसेवा की भावना को मजबूत करने वाला रहा।

किताब मांगने पहुंची छात्राएं, सीईओ बोले- पढ़ने आती हो या राजनीति करने.!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में किताबों के इंतजार में छात्राओं की पढ़ाई अटकी है। आधा सत्र गुजरने के बाद भी किताबें नहीं मिलने की शिकायत लेकर छात्राएं पहले परिसर में धरने पर बैठीं, अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी और जब समाधान नहीं हुआ तो मंगलवार 29 सितंबर को जिला मुख्यालय की जनसुनवाई तक पहुंच गईं। यहां छात्राओं के मुताबिक उनकी समस्या सुनने के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने तेज आवाज में उनसे कहा- तुम लोग पढ़ने आते हो या राजनीति करने। किताब मांग रही छात्राओं को मिले इस कथित जवाब के बाद सिस्टम पर बड़े प्रश्न चिन्ह उठ रहे हैं। छात्राओं का कहना है कि वे किसी राजनीतिक गतिविधि के लिए नहीं, बल्कि अपनी पढ़ाई के लिए किताबें मांग रही हैं। परीक्षाएं नजदीक हैं, और अब तक पाठ्यक्रम की पुस्तकें नहीं मिलने से उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है। किताबों की समस्या को लेकर छात्राएं परिसर में अनशन पर बैठीं। उन्होंने कलेक्टर को समस्या बताने की बात कही। छात्राओं के अनुसार, मौके पर ऐसी और एसडीएम पहुंचीं, जिन्हें उन्होंने किताबों से जुड़ी समस्या बताई। अधिकारियों की ओर से कलेक्टर को अवगत कराने और समस्या के जल्द निराकरण का आश्वासन मिलने की बात छात्राएं कहती हैं। लेकिन समाधान नहीं होने पर छात्राएं दूसरे दिन भी धरने पर बैठीं। छात्राओं का आरोप है, कि इस दौरान एसडीएम मैडम ने उन्हें राजनीति करने वाला बताते हुए जेल भिजवाने और टीसी देने की बात कही। छात्राओं के मुताबिक उनसे यह भी कहा गया कि वे पढ़ने के लायक नहीं हैं। मंगलवार को कुछ छात्राएं जिला मुख्यालय पहुंचीं और कलेक्टर को आवेदन देने के लिए जनसुनवाई में पहुंचीं। वहां जिला पंचायत सीईओ मौजूद थे। छात्राओं ने उन्हें किताबें नहीं मिलने की समस्या बताई। छात्राओं का आरोप है कि समस्या सुनने के दौरान सीईओ ने तेज आवाज में कहा - तुम लोग पढ़ने आते हो या राजनीति करने।

जनसुनवाई में अपनी पढ़ाई से जुड़ी शिकायत लेकर पहुंची छात्राओं के साथ इस तरह की कथित टिप्पणी ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया। छात्राओं का कहना है कि वे लगातार अधिकारियों के सामने किताब उपलब्ध कराने की मांग कर रही हैं, लेकिन उनकी मूल समस्या पर कार्रवाई के बजाय उन्हें राजनीति करने वाला बताया जा रहा है। छात्राओं के मुताबिक परिसर में सैकड़ों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उनका कहना है कि आधा सत्र निकल चुका है, लेकिन किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। वहीं विद्यालय में सिलेबस बदलने की बात भी कही जा रही है। छात्राओं ने पाली में कई दुकानों पर किताबें तलाशने की बात कही, लेकिन उनके अनुसार वहां भी संबंधित किताबें नहीं मिल रही हैं। ऐसे में छात्राओं के सामने पढ़ाई जारी रखने का संकट खड़ा है।छात्राओं का यह भी आरोप है कि विद्यालय में किताबें आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें वितरित नहीं किया जा रहा। वहीं किताबों की राशि को लेकर भी अलग-अलग बातें सामने आने की बात कही गई है। छात्राओं के मुताबिक उन्हें बताया गया कि तत्कालीन प्राचार्य सरिता जैन पैसे लेकर चली गईं, जबकि पूर्व प्राचार्य सरिता गुप्ता की ओर से कथित तौर पर कहा गया कि उनका पैसा नहीं आया है।छात्राओं ने सरिता गुप्ता और आकाश नामक व्यक्ति पर उन्हें भड़काने का आरोप भी लगाया है। पूरा मामला अब किताबों की उपलब्धता से आगे बढ़कर जिम्मेदारी और व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

अधिकारी का कहना हैं

पहले भी कुछ समस्याएं सामने आई थीं और छात्रों की शिकायत पर ही प्राचार्य को हटाया गया था। वर्तमान में छात्र पुस्तक को लेकर जनसुनवाई में आए थे। मामले को दिखवाकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पूजा द्विवेदी, सहायक आयुक्त,
जनजातीय कार्य विभाग उमरिया

वृद्ध आश्रम में गूंजी जन्मदिन की खुशियां, बुजुर्गों के बीच स्टाफ के बच्चे ने काटा केक

बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद, माला पहनाकर और उपहार भेंट कर किया सम्मान; आश्रम में दिखा पारिवारिक माहौल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। दिव्य ज्योति सोशल डेवलपमेंट सेंटर द्वारा संचालित जीवन आदर्श वृद्ध आश्रम में सोमवार को एक भावनात्मक और आत्मीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के स्टाफ के बच्चे का जन्मदिन आश्रम में निवासरत बुजुर्गों के बीच हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर आश्रम परिसर में कुछ समय के लिए ऐसा माहौल बना, मानो पूरा परिवार एक साथ खुशियां मना रहा हो। कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की मौजूदगी में केक काटकर की गई। बच्चे ने बुजुर्गों के बीच केक काटकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं और आश्रम में मौजूद सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। बुजुर्गों ने भी बच्चे को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। इस दौरान बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम में संस्था की ओर से आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों का विशेष सम्मान भी किया गया। बुजुर्गों को माला पहनाकर तथा उपहार भेंट किए गए। सम्मान पाकर बुजुर्गों में भी उत्साह नजर आया। कार्यक्रम के दौरान आपसी बातचीत, हंसी-मजाक और आत्मीयता का माहौल बना रहा। संस्था के स्टाफ और बुजुर्गों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताया और जन्मदिन की खुशियों में सहभागी बने। संस्था के संचालक ने बताया कि वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को केवल रहने और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उन्हें अपनापन, सम्मान और परिवार जैसा वातावरण देना भी संस्था की प्राथमिकता है। कई बुजुर्ग पारिवारिक परिस्थितियों अथवा अन्य कारणों से अपने परिजनों से दूर रहते हैं। ऐसे में विशेष अवसरों और त्योहारों को उनके साथ मनाने से उनमें अपनत्व की भावना बढ़ती है और अकेलेपन का एहसास कम होता है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से आश्रम में समय-समय पर जन्मदिन, त्योहार, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में बुजुर्गों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है, ताकि वे स्वयं को समाज और परिवार से जुड़ा हुआ महसूस करें। स्टाफ के बच्चे का जन्मदिन भी इसी भावना के साथ बुजुर्गों के बीच मनाया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का भी सहयोग रहा। विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने आश्रम की व्यवस्थाओं और कार्यक्रम में सहभागिता की। केंद्र अधीक्षक एवं संस्था के स्टाफ ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया। इस अवसर पर समाजसेवी सतीश चंदेल, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, केंद्र अधीक्षक, संस्था के स्टाफ तथा जीवन आदर्श वृद्ध आश्रम में निवासरत बुजुर्ग मौजूद रहे।

श्रवण एवं वाक बाधित व्यक्तियों के लिए दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत) ।मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष महोदयध्प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया श्री प्रियदर्शन शर्मा जी के मार्गदर्शन में नालसा (शिक्षा) योजना, 2026 के अंतर्गत मंगलवार 29 सितंबर को जिले के श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों को उनके विधिक अधिकारों एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ष्अनुगूंज से उद्घोषष् विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के ऑडिटोरियम हॉल से किया गया। कार्यशाला में माननीय न्यायमूर्ति एवं मुख्य संरक्षक म0प्र0 राविसेप्रा0, माननीय न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया, प्रशासनिक न्यायाधीश महोदय, म0प्र0 उच्च न्यायालय एवं कार्यवाहक अध्यक्ष म0प्र0 राविसेप्रा0 एवं माननीय न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल न्यायाधीश महोदय, म0प्र0 उच्च न्यायालय द्वारा भी संबोधित किया गया।

भारत में चुनाव और प्रतिनिधित्व: लोकतंत्र में जनता की भागीदारी

'चुनाव और प्रतिनिधित्व' अध्याय को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिकों की राजनीतिक भागीदारी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का महत्वपूर्ण माध्यम है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भाग लेती है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में सभी नागरिक स्वयं शासन के निर्णय नहीं ले सकते, इसलिए चुनाव के माध्यम से प्रतिनिधियों का चयन किया जाता है। कक्षा 11वीं राजनीति विज्ञान के 'चुनाव और प्रतिनिधित्व' अध्याय में इसी प्रक्रिया, निर्वाचन प्रणाली और प्रतिनिधित्व के विभिन्न पहलुओं को समझाया गया है। इस परीक्षापयोगी लेख में इसे आसानी से समझने का प्रयास करते हैं।

समझें, चुनाव का महत्व

चुनाव लोकतंत्र में नागरिकों को सरकार चुनने और अपनी राजनीतिक पसंद व्यक्त करने का अवसर देते हैं। नियमित चुनाव सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनाव के माध्यम से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण संभव होता है।

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की व्यवस्था है। निर्धारित आयु पूरी करने वाले प्रत्येक पात्र नागरिक को बिना जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव किए मतदान का अधिकार मिलता है। यह व्यवस्था लोकतंत्र में राजनीतिक समानता के सिद्धांत को मजबूत करती है।

निर्वाचन क्षेत्र और प्रतिनिधित्व

चुनाव के लिए देश और राज्यों को अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में बांटा जाता है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता अपने प्रतिनिधि का चुनाव करते हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनावों में सामान्यत: 'पहले स्थान पर आने वाला विजेता' (फर्स्ट पास्ट दि पोस्ट) प्रणाली अपनाई जाती है। इसमें जिस उम्मीदवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक मत मिलते हैं, वह विजयी घोषित होता है।

आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र

राजनीतिक प्रतिनिधित्व को व्यापक बनाने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में सीटें आरक्षित हैं। इन निर्वाचन क्षेत्रों में संबंधित वर्गों के उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं, जबकि मतदान क्षेत्र के सभी पात्र मतदाता करते हैं।

निर्वाचन आयोग की भूमिका

भारत में चुनावों के संचालन और निगरानी के लिए निर्वाचन आयोग महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था है। मतदाता सूची तैयार करने, चुनाव कार्यक्रम निर्धारित करने और चुनाव प्रक्रिया को संचालित करने में आयोग की प्रमुख भूमिका होती है।

प्रतिनिधित्व क्यों जरूरी?

प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल किसी व्यक्ति का चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि जनता के हितों और विचारों को शासन की निर्णय प्रक्रिया तक पहुंचाना भी है। अलग-अलग सामाजिक समूहोंभागीदारी लोकतंत्र को अधिक व्यापक बनाती है।

परीक्षा में याद रखें

1 सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार - राजनीतिक समानता

2 निर्वाचन क्षेत्र - जहां से प्रतिनिधि चुना जाता है

3 फर्स्ट पास्ट दि पोस्ट प्रणाली - सर्वाधिक मत पाने वाला उम्मीदवार विजयी

4 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र - एसटी/एससी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का प्रावधान

5 निर्वाचन आयोग - चुनाव प्रक्रिया के संचालन की प्रमुख संस्था

समझदारी से दूर करें बच्चों की जिद

3 से 6 साल की उम्र बच्चों के सीखने और व्यक्तित्व विकास की महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इस उम्र में बच्चे बहुत जिज्ञासु होते हैं, लेकिन अपनी बात मनवाने के लिए जिद भी करते हैं। नहीं करूंगा, यही चाहिए या अभी नहीं जैसे जवाब अक्सर सुनने को मिलते हैं। इसे केवल जिद न मानकर बच्चे की जरूरत, भावनाओं को समझना जरूरी है। माता-पिता. शिक्षक का लक्ष्य जिद को दबाना नहीं, बल्कि उसे सीखने की ताकत में बदलना होना चाहिए।

जिद के पीछे का कारण समझें

बच्चा जिद क्यों कर रहा है, पहले यह समझें। उसे ध्यान चाहिए, अपनी पसंद के अनुसार काम करने की आजादी चाहिए या वह थका और भूखा है? कई बार कठिन काम समझ में न आने पर भी बच्चा उससे बचने के लिए जिद करता है। कारण समझ आने पर समाधान आसान हो जाता है।

आदेश के बजाय विकल्प दें

जिद्दी बच्चे सीधे आदेश मिलने पर विरोध कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें दो विकल्प देना उपयोगी है। जैसे, पहले चित्र बनाओगे या रंग भरोगे? इससे बच्चे को अपनी पसंद बताने का अवसर मिलता है और वह काम में सहयोग करने लगता है।

खेल-खेल में पढ़ाएं

3 से 6 साल की उम्र में बच्चे खेल के माध्यम से जल्दी सीखते हैं। अक्षर कहानी के जरिए सिखाएं, गिनती के लिए फर्श पर 1 से 10 तक अंक लिखकर उन्हें क्र म से बोलने या कूदने को कहें। दुकान-दुकान जैसे खेल में पैसे गिनवाकर भाषा और गणित दोनों सिखाए जा सकते हैं। गीत और लय भी सीखने को आसान बनाते हैं।

नियम स्पष्ट, व्यवहार में लचीलापन रखें

घर और कक्षा में कुछ सरल नियम पहले से तय करें, जैसे किसी को मारना नहीं है। नियम टूटने पर चिल्लाने के बजाय शांत होकर उसका परिणाम समझाएं। साथ ही, जरूरत के अनुसार थोड़ी स्वतंत्रता भी दें। लक्ष्य बच्चे को सीखाना है, हर बात में अपनी बात मनवाना नहीं।

सही व्यवहार की तारीफकरें

सिर्फ शाबाश कहने के बजाय बच्चे के अच्छे व्यवहार की स्पष्ट तारीफकरें। तुमने गुस्सा आने पर खिलौना नहीं फेंका, यह बहुत अच्छी बात है। बच्चे को समझ आता है कि अच्छे व्यवहार पर उसे ध्यान, प्रशंसा मिलती है।

भावनाओं को पहचानना सिखाएं

बच्चा कई बार अपनी भावना शब्दों में नहीं बता पाता। उसे सिखाएं कि वह कह सके मुझे गुस्सा आ रहा है, मुझे यह काम मुश्किल लग रहा है। गहरी सांस लेना और थोड़ी देर शांत रहना भी सिखाया जा सकता है।

घर और स्कूल में तालमेल जरूरी

बच्चे के लिए घर और स्कूल के नियमों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं होना चाहिए। शिक्षक और अभिभावक नियमित रूप से बच्चे के व्यवहार और प्रगति पर चर्चा करें। इससे बच्चे को एक जैसा और सुरक्षित वातावरण मिलता है।

क्या न करें

बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से न करें। मारना, डराना या हर काम के बदले रिश्वत देना भी सही तरीका नहीं है। हर बात में अपनी जिद मनवाने के बजाय कभी-कभी बच्चे को उचित विकल्प देना भी जरूरी है।

लता डिग्रसकर

प्रधानाध्यापिका हितकारिणी प्राथमिक कन्या शाला, बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

जबलपुर की ऐतिहासिक विरासत

मध्य प्रदेश का जबलपुर प्राकृतिक सुंदरता के साथ अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। नर्मदा नदी के तट पर बसा यह शहर प्राचीन काल से ही मध्य भारत के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शामिल रहा है। यहां के किले, मंदिर, ऐतिहासिक स्थल और लोक परंपराएं शहर के गौरवशाली अतीत की कहानी कहते हैं।

मदन महल किला है प्रमुख पहचान

जबलपुर की ऐतिहासिक पहचान में मदन महल किले का विशेष स्थान है। पहाड़ी पर स्थित यह किला गोंड शासक राजा मदन सिंह से जुड़ा माना जाता है। किले की बनावट और ऊंचाई इसे ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। यहां से शहर और आसपास के क्षेत्र का सुंदर दृश्य भी दिखाई देता है।

रानी दुर्गावती की वीरगाथा

जबलपुर का इतिहास वीरांगना रानी दुर्गावती के बिना अधूरा है। वे गोंडवाना की प्रसिद्ध शासिका थीं। उन्होंने अपने शासनकाल में साहस और कुशल प्रशासन का परिचय दिया। मुगल सेना के विरुद्ध संघर्ष करते हुए उन्होंने 1564 में वीरगति प्राप्त की। रानी दुर्गावती से जुड़े अनेक स्थल आज भी जबलपुर और आसपास के क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान का हिस्सा हैं।

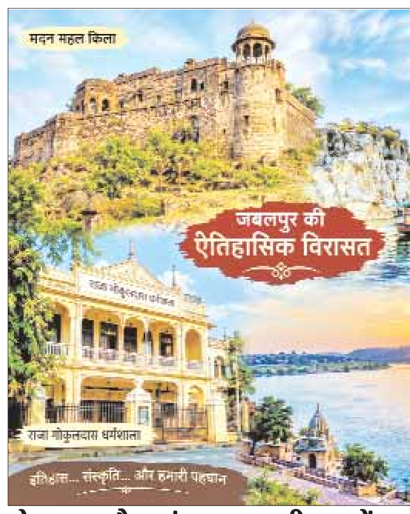

भेड़ाघाट और संगमरमर की चट्टानें

जबलपुर की विरासत में भेड़ाघाट का विशेष महत्व है। नर्मदा नदी के किनारे संगमरमर की ऊंची चट्टानें और धुआंधार जलप्रपात यहां की प्राकृतिक सुंदरता को खास बनाते हैं। यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य के साथ पर्यटन और स्थानीय संस्कृति के लिए भी महत्वपूर्ण है।

चौसठ योगिनी मंदिर की प्राचीनता

भेड़ाघाट के पास स्थित चौसठ योगिनी मंदिर जबलपुर की प्राचीन धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण उदाहरण है। पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अपनी ऐतिहासिक और स्थापत्य विशेषताओं के कारण आकर्षण का केंद्र है।

विरासत में संस्कृति भी शामिल

ब्रिटिश काल में जबलपुर प्रशासन, शिक्षा और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हुआ। आज शहर में पुराने भवन, मंदिर, स्मारक और अन्य ऐतिहासिक स्थल उसके अतीत की झलक देते हैं। राजा गोकुलदास धर्मशाला इसका प्रमाण है। जबलपुर की विरासत केवल पुरानी इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की लोक संस्कृति, परंपराओं और नर्मदा से जुड़ी जीवनशैली में भी दिखाई देती है।

अक्षरा सोनकर

कक्षा 12वीं (वाणिज्य, आई.पी.) के.सी. हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

शिक्षा: जीवन को सही दिशा देने वाली शक्ति

शिक्षा हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य केवल किताबों का ज्ञान हासिल करना या नौकरी पाना नहीं है। शिक्षा हमारी सोच, समझ और व्यक्तित्व को विकसित करती है। यह हमें सही और गलत के बीच अंतर समझने तथा जीवन में सही निर्णय लेने की क्षमता देती है।

ज्ञान के साथ सोचने की क्षमता- शिक्षा व्यक्ति की छिपी क्षमताओं को सामने लाती है। पढ़ाई के माध्यम से विद्यार्थी केवल विषयों का ज्ञान ही नहीं लेते, बल्कि सवाल पूछना, तर्क करना और समस्याओं का समाधान करना भी सीखते हैं। यही ज्ञान उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

अधिकार और कर्तव्यों की समझ- एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अधिक जागरूक होता है। शिक्षा हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने की सीख देती है। इससे जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित होती है।

सपनों को पूरा करने की सीढ़ी- विद्यार्थी जीवन में शिक्षा वह नींव है, जिसके आधार पर युवा अपने भविष्य का निर्माण करते हैं। शिक्षा उन्हें अपनी रुचि और क्षमता पहचानने में मदद करती है। इसके माध्यम से वे अपने लक्ष्य तय कर सकते हैं और उन्हें हासिल करने के लिए लगातार प्रयास कर सकते हैं।

आधुनिक समय में बढ़ा महत्व- आज विज्ञान और तकनीक तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे समय में शिक्षा हमें नई तकनीकों को समझने और बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलने में मदद करती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति नए कौशल सीखकर रोजगार और करियर के नए अवसरों के लिए तैयार हो सकता है।

समाज और देश के विकास में योगदान- शिक्षा गरीबी, अंधविश्वास और असमानता जैसी सामाजिक समस्याओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार और समाज को भी आगे बढ़ाने में योगदान देता है। इसलिए शिक्षा का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना जरूरी है।

कल्पना पटेल

कक्षा 7 वीं,वर्ग ए, बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर

ब्रिक्स सम्मेलन 2026 का विश्व पटल पर प्रभाव

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन 2026 ने विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूत करने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। 12 और 13 सितंबर 2026 को आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण' थी।

विकासशील देशों की भागीदारी पर जोर- नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उभरते और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व की जरूरत पर जोर दिया गया। ब्रिक्स देशों ने बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत करने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता भी रेखांकित की।

आर्थिक सहयोग और व्यापार- सम्मेलन में व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। विकासशील देशों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, तकनीक के आदान-प्रदान और अधिक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने पर भी जोर दिया गया। एकतरफा संरक्षणवादी व्यापार उपायों से जुड़ी चिंताओं को भी घोषणा में शामिल किया गया।

तकनीक और सतत विकास- ब्रिक्स देशों ने विज्ञान, तकनीक और नवाचार को आर्थिक एवं सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार माना। सतत विकास, पर्यावरणीय चुनौतियों, खाद्य सुरक्षा और नई तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

भारत की भूमिका- 2026 में भारत ब्रिक्स का अध्यक्ष था। भारत की अध्यक्षता के दौरान देश के 30 शहरों में 400 से अधिक बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें मंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, शिक्षाविद और अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। इससे ब्रिक्स देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

वैश्विक राजनीति पर प्रभाव-ब्रिक्स देशों के बीच सभी अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर समान राय नहीं है, फिर भी नई दिल्ली घोषणा पर सहमति बनी। इससे संवाद और सहयोग के लिए मंच के रूप में ब्रिक्स की भूमिका सामने आई। घोषणा में अधिक प्रतिनिधित्व वाली और समावेशी वैश्विक व्यवस्था की जरूरत पर भी जोर दिया गया।

ज्योत्सना दीक्षित

प्राचार्य, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

शब्द पहेली - 8990

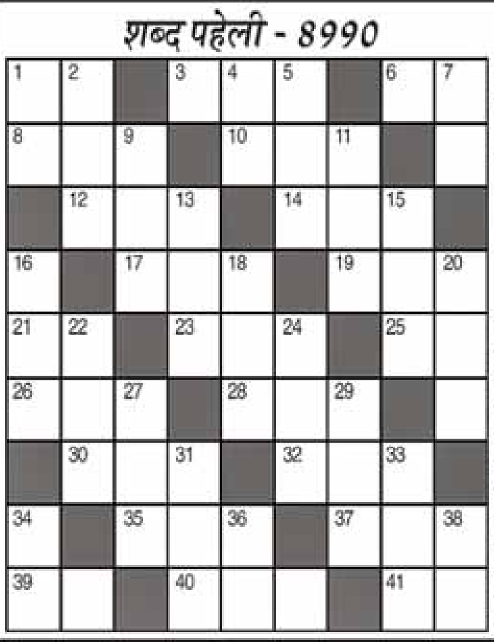

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र,दरिया-3
6. आनंद,रस-2
8. दबाना,कुचलना-3
10. गुंडा,बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन,रत-2
23. व्यक्ति,जीव-3
25. सम्राट,नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी,कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना,अध्ययन-3
35. पक्षाघात,फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा,वरदान-2
40. पक्ष,एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा,सरहद-2
2. कटि,मध्यांग-3
4. दुख,कष्ट-2
5. गमन,विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य,बेकार-3
16. तहजीब,तमीज-3
18. रत्न,बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग,परिहास-3
22. मुलायम,नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज,नीरज,जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल,दम,जोर-3
33. नेत्र,आंख-3
34. नौका-2
36. घात,प्रहार-2
38. जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -8989 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता, जल निकासी, सड़क, अतिक्रमण एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करें : कलेक्टर श्रीमती सिंह

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले के नगरीय निकायों में नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, विकास कार्यों, पर्यावरण संरक्षण एवं राजस्व वसूली सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अधिकारियों को नगरीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पूर्व से स्वीकृत आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा नवीन प्रस्तावित आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रमुख मार्गों पर चिन्हित अस्थायी कचरा स्थलों पर दोबारा कचरा न डाला जाए, इसके लिए प्रतिदिन निगरानी की जाए। ऐसे स्थानों का सौंदर्यीकरण एवं वॉल पेंटिंग कराने तथा कचरा डालने वाले नागरिकों को चिन्हित कर

नियमानुसार जुर्माना लगाने के निर्देश भी दिए। नगरीय क्षेत्रों के बड़े एवं छोटे नाला-नालियों की नियमित साफ-सफाई हो। जिन स्थानों को निकायों द्वारा कचरा डालने के लिए चिन्हित किया गया है, वहां कचरा परिवहन करने वाले वाहनों के आवागमन के लिए आवश्यक सड़क निर्माण कराने के निर्देश दिए गए।

पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को दें प्राथमिकता

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के लिए तालाब एवं नदी के किनारे, स्कूल परिसर, ट्रेंचिंग ग्राउंड, शासकीय भवन, श्मशान घाट सहित अन्य उपयुक्त स्थलों का चयन कर व्यापक पौधरोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में सड़कों के किनारे किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने तथा वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का चिन्हांकन कर उनकी आवश्यक मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नगरीय निकायों में प्लास्टिक मुक्त अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निजी स्कूलों से बकाया संपत्ति कर की वसूली की भी समीक्षा की। संबंधित निजी स्कूलों की बकाया राशि का उल्लेख करते हुए नगरपालिका अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत नोटिस जारी कर बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जलभराव एवं क्षतिग्रस्त स्थानों को तत्काल व्यवस्थित करें

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं पानी की निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। जिन स्थानों पर जलभराव के कारण गड्ढे हो गए हैं, वहां आवश्यकतानुसार मुरम अथवा उपयुक्त मटेरियल डालकर उन्हें व्यवस्थित कराने को कहा। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में अस्थायी दुकानों का चिन्हांकन कर निर्धारित शुल्क की नियमित वसूली करने के निर्देश दिए। साथ ही निकायों में पूर्व से स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने को कहा।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता, एक अक्टूबर को

पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में होंगे विभिन्न विधाओं में आयोजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत नरसिंहपुर द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत थीम पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताएं एक अक्टूबर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम हॉल में प्रात: 10 बजे से आयोजित होंगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 8 विधाओं में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इनमें लोक संगीत, समूह नृत्य, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, वाद-विवाद एवं भाषण, लघु फिल्म/रील, नारा लेखन तथा स्लैम पोएट्री शामिल हैं। लोक संगीत में नशा मुक्ति विषय पर क्षेत्रीय वाद्ययंत्रों एवं पारंपरिक शैली में समूह गायन किया जाएगा। नृत्य प्रतियोगिता में शास्त्रीय, लोक अथवा समकालीन शैली में समूह प्रस्तुति होगी। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव एवं पुनर्वास का संदेश दिया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागी नशा मुक्त भारत की कल्पना को अपनी कलाकृति के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता में नशा मुक्त भारत निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा साथी दबाव बनाम व्यक्तिगत चयन जैसे विषयों पर प्रतिभागी अपने विचार रखेंगे। लघु फिल्म/रील प्रतियोगिता में 60 सेकंड की डिजिटल प्रस्तुति, जबकि नारा लेखन में प्रभावशाली नशा मुक्ति संदेशों का सृजन किया जाएगा। स्लैम पोएट्री में 3 से 5 मिनट की मौखिक प्रस्तुति के माध्यम से युवा नशे के विरुद्ध अपनी सोच एवं संदेश व्यक्त करेंगे।

कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई साप्ताहिक जनसुनवाई

सतना स्वतंत्रमत । मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के दूर.दराज अंचलों से आए आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई सुबह से ही शुरू हो गई थी। जिले के विभिन्न तहसीलों और गांवों से बड़ी संख्या में लोग अपनी फरियाद लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे।

जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर रक्तदान शिविर का आयोजन आज

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। सेवा और समर्पण की भावना को साकार करते हुए समाजसेवी रवि शेखर जायसवाल ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर आज 30 सितंबर को स्थान शेखर व्हीकल्स स्टेशन रोड गाडरवारा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।रक्तदान न केवल एक पुनीत कार्य है, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन की डोर को थामने का सशक्त माध्यम भी है।आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन में नई आशा का संचार कर सकता है। आप सभी रक्तवीरों,समाजसेवियों एवं नगरवासियों से विनम्र आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस महादान में सहभागी बनें और मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दें। शांकरी का संकल्प: समय पर रक्त उपलब्ध कराकर बचाई जाएगी मरीजों की जान।

'अनुगूंज से उद्घोष' अंतर्गत श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों के लिए विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नालसा (शिक्षा) योजना 2026 के अंतर्गत श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियो हेतु दिनांक 29.09.2026 को वर्चुअल माध्यम से एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की गई। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अखिलेश शुक्ला के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एडीआर सेंटर में उपस्थित श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियो द्वारा वर्कशॉप के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। जिला नरसिहपुर के अधीन वर्कशॉप में 50 से अधिक श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियो एवं उनके परिजनो द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

वर्कशॉप के माध्यम से श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियो के कानूनी अधिकारो, नि:शुल्क कानूनी सेवाओ, शासकीय योजनाओ और शिकायत सुलझाने के तरीको के बारे में रिसोर्स पर्सन द्वारा जानकारी प्रदान की गई। वर्कशॉप में उपस्थिति प्रतिभागियो द्वारा अपने अनुभवो को भी साझा किया गया। वर्कषॉप ''अनुगूंज से उद्घोष'' के विषेष सत्र में मुख्य न्यायाधिपति म.प्र. उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति ए.वाई.कोगजे एवं माननीय कार्यपालक अध्यक्ष म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति विवेक रूसिया द्वारा आयोजित वर्कषॉप में प्रतिभागियो को संबोधित किया गया।वर्चुअल माध्यम से आयोजित विषेष सत्र मे मुख्य न्यायिक मजिस्टेट राकेश सनोडिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश मीणा, जिला रजिस्टार धर्मेन्द्र नागवंशी, जिला विधिक सहायता अधिकारी राजेश सक्सेना व अन्य स्टेक होल्डर्स द्वारा भी उपस्थित होकर अवलोकन किया गया।

सेवा संकल्प अभियान में स्वच्छता नशामुक्ति, योग एवं ध्यान का संदेश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में स्वच्छता, स्वास्थ्य, नशामुक्ति एवं जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड गोटेगांव के चिरचिटा जलाशय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। वहीं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नयाखेड़ा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर बचई एवं कमोद में योग एवं ध्यान की गतिविधियां आयोजित की गईं।

चिरचिटा जलाशय में श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश-चिरचिटा जलाशय परिसर में विकासखंड प्रभारी श्री ऋषि ओम तिवारी के नेतृत्व में साफ-सफाई का कार्य कराया गया। अभियान के दौरान जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की सफाई की गई। स्वच्छता अभियान में समिति के 25 सदस्यों ने सहभागिता करते हुए श्रमदान किया। अभियान का उद्देश्य जलस्रोतों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के साथ आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

नुक्कड़ नाटक से युवाओं को किया नशामुक्ति के लिए जागरूक-शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। ऋुु रंगशाला आर्ट, कल्चर एंड वेलफेयर सोसायटी, नरसिंहपुर के कलाकारों ने नशे से दूर रहें युवा विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय एवं संवादों के माध्यम से बताया कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य को प्रभावित करती है। युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, सकारात्मक एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नयाखेड़ा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर बचई एवं कमोद में योग एवं ध्यान की गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नागरिकों एवं प्रतिभागियों को नियमित योग एवं ध्यान के महत्व की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं ध्यान की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

अस्थायी आतिशबाजी अनुज्ञप्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में अस्थायी आतिशबाजी/फटाका अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के लिए आवेदकों से शासन के एमपी ई-सर्विस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अपर जिला दंडाधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि अस्थायी आतिशबाजी/फटाका अनुज्ञप्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर निर्धारित की गई है। निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले ऑनलाइन आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित आवेदकों से निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखते हुए अंतिम तिथि से पूर्व ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने श्रीमती मीना बाई को सौंपा 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक

130 आवेदन पत्रों में 11 का मौके पर निराकरण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान गाडरवारा तहसील के ग्राम चिरहखुर्द निवासी श्रीमती मीना बाई ने बताया कि 27 जून 2024 को कृषि कार्य करते समय उनके पति श्री मनीष उईके की मृत्यु हो गई थी। एसडीएम गाडरवारा की अनुशंसा के आधार पर मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत स्वीकृत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। उक्त राशि का चेक जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने श्रीमती मीना बाई को सौंपा। जनसुनवाई में कुल 130 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 11 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने शेष आवेदन पत्रों पर संबंधित अधिकारियों से प्रकरणवार जानकारी ली और जिन आवेदनों का तत्काल निराकरण संभव नहीं हो सका, उनका निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, एडीएम श्री अरविंद सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

संस्कारों की धरोहर हैं बेटियां : ब्रह्माकुमारी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। बेटी दिवस के विशेष अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गाडरवारा के तत्वावधान में संस्कारों की धरोहर बेटियां विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास गाडरवारा एवं वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय सीनियर जनजाति कन्या छात्रावास, गाडरवारा में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके जीवन में श्रेष्ठ संस्कार, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व समझाते हुए उन्हें अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी वंदना दीदी जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियां केवल परिवार की शोभा नहीं, बल्कि समाज और

राष्ट्र के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। एक बेटी अपने श्रेष्ठ संस्कारों, विचारों और कर्मों से पूरे परिवार को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने छात्राओं को स्वयं पर विश्वास रखने, जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने तथा विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वंदना दीदी जी ने कहा कि ज्ञान, संस्कार और आत्मबल से सशक्त बेटी ही सशक्त समाज एवं श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने छात्राओं को अपने जीवन में बुरी आदतों से दूर रहने, अच्छे मित्रों का चयन करने, माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करने तथा अपने व्यक्तित्व में श्रेष्ठ गुणों को विकसित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की तथा जीवन में अच्छे संस्कारों को अपनाने का संकल्प लिया। ब्रह्माकुमारीज द्वारा छात्राओं को आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग के माध्यम से मन को शांत, सकारात्मक और शक्तिशाली बनाने की प्रेरणा भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि बेटी संस्कारों की धरोहर और राष्ट्र की शक्ति है। बेटी दिवस का यह आयोजन छात्राओं के लिए प्रेरणा आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवन मूल्यों से जुड़ने का सुंदर अवसर बना।

एकात्म मानववाद एवं भारत के उत्कर्ष पर संगोष्ठी

सतना (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नागौद द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एकात्म मानववाद एवं भारत का उत्कर्ष विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि एवं पूर्व अध्यक्षए दीनदयाल अंत्योदय समिति राघवेंद्र सिंह ने कहा कि प.दीनदयाल उपाध्याय ने 1965 में एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। मनुष्य शरीर मन बुद्धि और आत्मा का एकीकृत स्वरूप है। भारत का उत्कर्ष अपनी संस्कृति और जीवन.मूल्यों से ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला समन्वयक जन

अभियान परिषद आशीष ताम्रकार ने कहा कि प. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन त्याग सादगी और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक था। महापुरुष जाति.धर्म से ऊपर होते हैं और उनके विचार राष्ट्र निर्माण के प्रेरणास्रोत हैं। विशिष्ट अतिथि एवं सिमरवारा मंडल प्रभारी ध्रुवराज सिंह ने कहा कि पं.दीनदयाल उपाध्याय गाँवों को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर देखना चाहते थे। श्रम सम्मान हर हाथ को काम, हर खेत को पानी स्वदेशी और स्वावलंबन विकास के आधार हैं विकासखंड समन्वयक अरुण प्रताप सिंह ने कहा कि जन अभियान परिषद नवांकुर संस्थाओं एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं और अंत्योदय विचार को जन.जन तक पहुंचा रही है। युवा पीढ़ी को पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन.दर्शन से परिचित कराना आवश्यक है। संचालन समीक्षा सिंह तथा आभार विवेक सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में मेंटर्स सरोज गुर्जर विवेक सिंह समीक्षा सिंह नवांकुर संस्थाओं के अध्यक्ष-सचिव धीरज सिंह कमला कपाड़िया अरुण सेन ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

रीवा आईजी गौरव राजपूत के विशेष अभियान जन चौपाल का छठवां चरण

सतना (स्वतंत्र मत)। रीवा जोन के आईजी गौरव सिंह राजपूत द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान जन चौपाल के छठवें चरण के तहत 30 सितंबर को आपकी पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत रीवा संभाग के सभी जिलों . रीवा सतना सीधी सिंगरौली और मऊगंज के समस्त थानों एवं पुलिस चौकियों में पुलिस अधिकारी सीधे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और मौके पर ही त्वरित निदान करने का प्रयास करेंगे। आईजी गौरव राजपूत के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करना और आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। जन चौपाल के

पिछले पांच चरणों में हजारों लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा चुका है जिसे जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। 30 सितंबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में जमीनी विवाद अपराध साइबर अपराध महिला सुरक्षा यातायात और अन्य पुलिस से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से सुना जाएगा। साथ ही लोगों को नशा मुक्ति साइबर जागरूकता और कानून व्यवस्था के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा।

अवैध शराब बेचने वालों की अब खैर नहीं

आबकारी पुलिस का बड़ा एक्शन, तीन महिलाओं सहित आधा दर्जन तस्कर गिरफ्तार

सतना (स्वतंत्र मत)

शहर में अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफआबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कलेक्टर सतीश कुमार एस उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता रीवा माधव सिंह भेड़िया एवं सहायक आबकारी आयुक्त सतना सुरेंद्र कुमार उरांव के कड़े निर्देशों पर आबकारी वृत्त सतना क्रमांक 1 की टीम ने कोलगवां थाना क्षेत्र के अलग.अलग ठिकानों पर दबिश देकर तीन महिलाओं सहित आधा दर्जन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई है।

यह कार्रवाई प्रभारी आशीष भाटिया के नेतृत्व में की गई। टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कोलगवां क्षेत्र में कई ठिकानों पर अवैध शराब का भंडारण कर बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने एक साथ छापामार कार्रवाई की।

इन ठिकानों पर हुई कार्रवाई-पहली कार्रवाई कृपालपुर क्षेत्र में की गई जहां आरोपी करुणा मल्लाह पति बेदू मल्लाह उम्र 30 वर्ष के कब्जे से 3 केन माउंट 6000 बीयर 3 बोतल केएफ स्ट्रॉन्ग 6 बोतल लेमाउंट 1 पाव देशी प्लेन और 15 पाव देशी मसाला मदिरा जब्त की गई। दूसरी कार्रवाई ट्रांसपोर्ट नगर जेल रोड में की गई जहां आरोपी शुभम द्विवेदी पिता लक्ष्मी द्विवेदी उम्र 21 वर्ष के कब्जे से 09 पाव देशी प्लेन और 1 पाव देशी मसाला मदिरा जब्त हुई। कृपालपुर के ही एक अन्य ठिकाने पर आरोपी हर्षित केवट पिता सोभा

केवट उम्र 18 वर्ष के यहां से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। यहां से 6 बोतल केएफ स्ट्रॉन्ग 08 बोतल लेमाउंट 1 केन माउंट बीयर के साथ 99 टेट्रा पैक देशी प्लेन और 29 टेट्रा पैक देशी मसाला मदिरा बरामद हुई।

शुक्ला बरदाडीह बस्ती में आरोपी सीमा कोल पति स्वण् मुकेश कोल उम्र 28 वर्ष एवं आकाश कोल पिता पोंडू लाल कोल उम्र 20 वर्ष को 100 पाव देशी प्लेन मदिरा का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उनके कब्जे से शराब के साथ एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। इसी क्रम में पुरैना क्षेत्र में आरोपीया अनीता साकेत पति महेश साकेत उम्र 34 वर्ष के यहां भी दबिश देकर कार्रवाई की गई। सभी आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34;1 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

62 लीटर शराब जब्त कीमत सवा लाख से अधिक- आबकारी विभाग के अनुसार आरोपियों के कब्जे से कुल लगभग 62 लीटर अवैध मदिरा और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई हैए जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 25 हजार रुपये से अधिक बताई गई है।

इस सघन कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक नीलेश गुप्ता मुख्य आरक्षक राजकरण त्रिपाठी शंकर दयाल प्रजापति की सक्रिय भूमिका रही। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सेवा संकल्प यात्रा के बाइकर्स का जारगी में हुआ स्वागत प्रभारी मंत्री और केबिनेट मंत्री ने किया कलश पूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वडनगर-वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा के अंतर्गत जिले में पहुंची बाइकर्स यात्रा का ग्राम जारगी में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। यात्रा के ग्राम में पहुंचने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान देश के विकास जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवा भावना का संदेश जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा ग्राम जारगी स्थित माता खेरमाई मंदिर में दर्शन एवं पूजन के साथ हुई। अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात सेवा संकल्प यात्रा के साथ पहुंचे पवित्र कलश का विधिवत स्वागत एवं पूजन किया गया। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक तरीके

से यात्रा का अभिनंदन किया और यात्रा से जुड़े संदेशों के प्रति अपनी सहभागिता व्यक्त की कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल एवं मंत्री संपतिया उइके सहित उपस्थित अतिथियों ने अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अतिथियों ने उनके बलिदान और देश के लिए किए गए योगदान को स्मरण करते हुए नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी दोनों वीर शहीदों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग देने के लिए शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं और लोक कला की झलक प्रस्तुत की कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री ने कहा कि वडनगर-वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा और जनकल्याणकारी योजनाओं के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा, विकास और जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंच रही है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आम लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। सिंचाई के साधनों का विस्तार होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना के साथ-साथ किसानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है जारगी में स्वागत कार्यक्रम के बाद सेवा संकल्प यात्रा के अंतर्गत मोहनटोला में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान हितग्राहियों से आवास योजना के माध्यम से मिले लाभ और उनके अनुभवों के बारे में जानकारी ली गई। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की योजनाओं से जुड़े हितग्राहियों से सीधे संवाद कर योजनाओं के प्रभाव को समझना और लोगों को अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना रहा सेवा संकल्प यात्रा के विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में रेवांचल पार्क स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया अतिथियों ने रानी दुर्गावती के साहस, शौर्य और मातृभूमि के प्रति समर्पण को स्मरण किया इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी वीरांगना के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए कार्यक्रम में नगरपालिका नैनपुर अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, वरिष्ठ समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा, एसडीएम शैलेन्द्र चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 113 आवेदन प्राप्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 113 आवेदकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान पर विशेष जोर दिया।

महिला स्वास्थ्य आहार पर जागरूकता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 11 वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेद के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में शक्ति सदन महाराजपुर में महिलाओं के स्वास्थ्य पोषण एवं संतुलित आहार विषय पर विशेष जागरूकता व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ.एकता वाल्को आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी द्वारा महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता संतुलित एवं पौष्टिक आहार मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानसिक स्वास्थ्य तथा स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। व्याख्यान में बताया गया कि महिलाओं का स्वास्थ्य परिवार एवं समाज के समग्र स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए महिलाओं के लिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना और समय-समय पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

खराब पड़ी सरकारी एम्बुलेंस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का बड़ा उदाहरण मोहगांव ब्लॉक में देखने को मिला है। ब्लॉक के बाजार चौक सिंगारपुर में स्वास्थ्य विभाग की सरकारी एम्बुलेंस दो दिनों से खराब अवस्था में खड़ी है। एम्बुलेंस खराब होने से क्षेत्र के मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आपातकाल में मरीजों को अस्पताल कैसे पहुंचाया जाए यह बड़ा सवाल बना हुआ है। स्थानीय निवासी समाजसेवी अजय बैरागी सहित क्षेत्र के लोगों ने बताया कि मरीजों को मजबूरन प्राइवेट वाहनों से अस्पताल पहुंचाना पड़ रहा है जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के अवसर पर विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन पीएम श्री रानी दुर्गावती महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी आकाश खत्री, परामर्शदाता संतोष कुमार रजक, श्रीमती रागिनी हरदहा, श्रीमती दीपा श्रीवास, आशीष नामदेव, लालाराम चक्रवर्ती सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पतंजलि ने किया माल्यार्पण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योगपीठ द्वारा क्रांतिकारी राष्ट्र के गौरव जो अपना पूरा जीवन भारत माता की आजादी में अपनी जान हंसते-हंसते देश के लिए न्योछावर कर दिए ऐसे अमर शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धा सुमन और माल्यार्पण किया गया। ऐसे महापुरुषों के विचार हमारे व्यक्तित्व को गढ़ते है समय की रेत पर जब पद चिन्ह मिट जाते हैं तब व्यक्ति का चरित्र ही उसकी अमिट छाप होता है ऐसे व्यक्तित्व के धनी शहीद भगत सिंह को सत सत नमन हैं।

महाविद्यालय में 56 वां स्थापना दिवस

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय मवई में राष्ट्रीय सेवा योजना का 56वां स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सोनवानी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोधू सिंह मरावी एवं शुभम बैरागी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-वंदन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों तथा समाज के प्रति युवाओं के दायित्वों पर प्रकाश डाला गया वक्ताओं ने विद्यार्थियों को समाजसेवा, जनजागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है कार्यक्रम के अंत में एनएसएस अधिकारी डॉ.पूनम तिवारी प्राध्यापक द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

राष्ट्रीय मंच पर गजेन्द्र ने रखे सुझाव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में आयोजित पारंपरिक उपचार पद्धतियों के अग्रणी चिकित्सकों का प्रारम्भिक राष्ट्रीय परामर्श-2026 में मंडला का प्रतिनिधित्व करते हुए परम्परागत जड़ी-बूटी एवं वैकल्पिक चिकित्सा विकास परिषद एवं अनुसंधान केन्द्र के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता ने सहभागिता की देशभर से आए परम्परागत वैद्य, जनजातीय चिकित्सक, शोधकर्ता एवं आयुष विशेषज्ञों ने भारतीय पारंपरिक उपचार ज्ञान के संरक्षण, विकास पर मंथन किया ।

आंगनबाड़ी समारोह में पौधरोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रानी अवंती बाई वार्ड में 26 सितंबर को आंगन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड की महिलाओं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं छोटे-छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती ज्योति बाजपेई ने वार्ड में पीपल का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया पौधरोपण के दौरान पार्षद ज्योति बाजपेई ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आंगनबाड़ी मिलन समारोह में कार्यकर्ता पंचेश्वरी चौरसिया, सहायिका भुनेश्वरी यादव सहित वार्ड की महिलाएं सरोज, श्वेता, सपना, सीमा, पूजा, अमित सिंधिया, उर्मिला तथा आंगनबाड़ी के छोटे-छोटे बच्चे उपस्थित रहे।

दर्जनों गांव जलभराव की चपेट में, सौंपा ज्ञापन

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। बरगी बांध जलाशय के बैकवॉटर का जलस्तर लगातार बढ़ने से नारायणगंज विकासखंड के नर्मदा किनारे बसे दर्जनों गांव जलभराव की चपेट में आ गए हैं। जलभराव से प्रभावित ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए राहत और उचित मुआवजे मांग की ग्रामीणों ने बताया कि नर्मदा नदी में अचानक बाढ़ आने के बाद भावल, चिरि, कुम्हा, पदमी, खेरी, नारायणगंज पाठा और सीहेजपुरी-पिंडरई तक के गांवों में बरगी बांध जलाशय का जलस्तर तेजी से बढ़ गया इसके चलते आसपास के गांवों में पानी लगातार बढ़ रहा है कई घरों में पानी पहुंचने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों में रखा राशन और अन्य जरूरी सामान भी पानी की वजह से खराब हो गया है वहीं समाज सेवी दुर्गेश सिंगरोरे लोधी ने बताया की जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों की खेती भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। लगानी जमीन में पानी पहुंचने से खेतों में खड़ी फसल खराब हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से किसानों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

स्ट्रीट लाइट बंद...अंधेरे में पंडरिया

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत पंडरिया क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों के बंद पड़े होने से ग्रामीणों को रात के समय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत क्षेत्र के मुख्य मार्गों अंदरूनी गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर लगी अधिकतर स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद बताई जा रही हैं। शाम ढलते ही कई हिस्सों में अंधेरा छा जाने से आवागमन में परेशानी के साथ सुरक्षा को लेकर भी ग्रामीण चिंतित हैं। ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर बने गड्ढे आवारा मवेशी और अन्य बाधाएं रात के समय दिखाई नहीं देती। इससे दोपहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वहीं पर्याप्त रोशनी नहीं होने से महिलाओं बच्चों और बुजुर्गों को रात में आने-जाने में परेशानी होती है। ग्रामीणों ने अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी सहित असामाजिक गतिविधियों की आशंका भी जताई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंद स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने के लिए पंचायत स्तर पर कई बार मौखिक रूप से शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक अधिकांश लाइटों की मरम्मत नहीं होने से समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की जांच कराकर शीघ्र मरम्मत कराने तथा नियमित रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

अधीक्षक निलंबित छात्र निष्कासित

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मंडला के नैनपुर विकासखंड स्थित राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह छात्रावास पाठासिहोरा में 21 सितंबर की रात छात्रों के बीच हुई मारपीट और प्रशासनिक लापरवाही के मामले में विभाग ने सख्त कदम उठाया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी जांच रिपोर्ट में सामने आया कि घटना की रात चौकीदार ड्यूटी से नदारद था और छात्रावास अधीक्षक अनिल कुमार उइके माध्यमिक शिक्षक बिना पूर्व सूचना के मुख्यालय से अनुपस्थित थे। इसके अलावा उन्होंने छात्रों के बीच हुई झड़प की सूचना उच्च अधिकारियों से भी छिपाई। उल्लंघन पर कड़ा संज्ञान लेते हुए अधीक्षक अनिल कुमार उइके को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

स्वच्छता अभियान से दिया संदेश

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 एवं संकल्प सेवा अभियान के अंतर्गत नगर परिषद बम्हनी बंजर द्वारा स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वच्छ भारत विकसित भारत की भावना के तहत नगर के बस स्टैंड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया नगर परिषद के अमले द्वारा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर कचरे को एकत्रित किया गया।

अभियान के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने और सार्वजनिक स्थानों पर

कचरा नहीं फेंकने का संदेश दिया गया नगर परिषद द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सभी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। नियमित रूप से साफ-सफाई रखने, कचरे का उचित निपटान करने तथा स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करने से नगर में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण कायम किया जा सकता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी आयोजित

एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचारों को आत्मसात करने का किया आह्वान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अध्ययन केंद्र, शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी आयोजित थी। कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक सुशील बर्मन के निर्देशन तथा विकासखंड समन्वयक श्रीमती सीता उइके के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं एवं परामर्शदाताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया। इसके पश्चात वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, विचारों, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सुश्री अक्षिता नामदेव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन वृत्त एवं उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके चिंतन में समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और राष्ट्र के समग्र विकास की भावना प्रमुख थी। प्रवीण छोटे ठाकुर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संघर्षमय जीवन और उनके सामाजिक एवं राष्ट्रवादी चिंतन पर विचार व्यक्त किए। वहीं अखिलेश शुक्ला ने वर्तमान केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने विशेष रूप से दीनदयाल अंत्योदय योजना के उद्देश्य और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की अवधारणा को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के प्रमुख संस्थापकों में रहे और एकात्म मानववाद तथा अंत्योदय के विचारों के लिए विशेष रूप से स्मरण किए जाते हैं। अंत्योदय की अवधारणा का मूल उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में सुधार और उसे विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब विकास का लाभ समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक पहुंचे। संगोष्ठी में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभागियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों और विचारों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र के समग्र विकास में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विकासखंड समन्वयक श्रीमती सीता उइके ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, परामर्शदाताओं एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी का समापन हुआ।

सूचना के अधिकार अधिनियम का विद्युत विभाग जेई उड़ा रहा मजाक

न्यायालीन कार्यवाही में लगने बाले दस्तावेज को देने आनाकानी

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने को लेकर विद्युत विभाग के जेई रीतेश कुमार वनवारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते आ रहे हैं। उपभोक्ताओं एवं कृषकों का आरोप है कि आरटीआई के माध्यम से दिनांक 4/9/2026 को सूचना अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई थी। जिसकी जानकारी 4/10/2026 को देने नियत की गई थी पूरे माह बीत जाने के बाद आवेदक को 29/9/2026 को पत्र क्र. /क.अ.नैनपुर /सू./अ. 2026/207 देकर अवगत कराया गया कि चाही गई जानकारी म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. मंडला से प्राप्त करें। इस प्रकार पूरे एक माह जानकारी न देकर सम्बंधित कृषक का समय बर्बाद किया गया । जिससे कृषक को न्यायालीन कार्यवाही से बंचित होना पड़ रहा है। इस तरह खुल्लमखुल्ला सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धज्जियां जे ई के द्वारा उड़ाई जा रही हैं। सूचना अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी देने से होगा विधुत विभाग की मनमानी का बड़ा खुलासा-सूचना अधिकार के तहत कृषकों के द्वारा विभाग की कुछ जरूरी जानकारी मांगी गई है जिससे जे ई रीतेश वनवारी की कार्यप्रणाली उजागर हो शक्ति है।

कार्यालय-बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी केहरपुर पं.क्र.35

वार्षिक साधारण आमसभा वर्ष 2026 की सूचना

क्रं/ 2026 दिनांक-10.09.2026

म.प्र सहकारी समिति अधिनियम 49 उपनियम 21 एवं 22 के अंतर्गत बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या.(बी-पैक्स)केहरपुर पं.क्र.35 के सभी अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण आमसभा की बैठक माननीय प्रशासक महोदय जी की अध्यक्षता में दिनांक-30.09.2026 दिन- बुधवार को दोपहर 1:00 बजे निम्न विषयों पर अनुमोदनार्थ समिति वेयरहाउस मानादेई प्रांगण में आमंत्रित की जाती है। कृपया आमसभा में आप सभी सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है। निर्धारित समय 1:00 बजे गणपूर्ति (कोरम) की पूर्ति न होने की दशा में आमसभा को आधा घंटे के लिये स्थगित की जायेगी स्थगित साधारण आम सभा की बैठक आधा घंटे के पश्चात उसी दिन उसी स्थान पर उपस्थिति सदस्यों द्वारा आमसभा की कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नही होगी।

प्रबंधक
बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि साख
सहकारी समिति मर्या.(बी-पैक्स) केहरपुर पं.क्र.35

संपादकीय

जीत से सबक जरूर लें

एशियाई खेलों में अब तक भारत कुल 53 पदक जीत चुका है। क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, बॉक्सिंग आदि खेलों में पदक अभी प्रतीक्षित हैं, लेकिन हम आश्वस्त हैं कि पदक जीतेंगे। कबड्डी की पुरुष और महिला टीमें अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी ईरान की टीमों को परास्त कर 'स्वर्णिम उपलब्धि' हासिल कर चुकी हैं। यह भारत की मिट्टी और ग्रामीण अंचल का खेल है, जिसके हम सनातन चैंपियन हैं। पुरुष टीम ने 9वीं बार और महिला टीम ने चौथी बार कबड्डी में 'स्वर्णिम बादशाहत' साबित की है। मंगलवार को भारत ने 2026 एशियन गेम्स में एथलेटिक्स का अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। देश के बेटे-बेटियों को आसमान-जितनी बधाइयां! क्रिकेट में भारत 'विश्व चैंपियन' रहा है। जापान में भी हमारी छोरियों ने एकतरफा मुकाबले में श्रीलंका की टीम को जमीन सुंघा दी और एशियाई खेलों में 'स्वर्ण पदक' जीतने का आगाज किया। वैश्विक और ओलिंपिक पदकधारी मीराबाई चानू भारोत्तोलन की ऐसी खिलाड़ी हैं, जिनकी झोली में एशियाई खेलों का पदक नहीं था। उन्होंने 49 किग्रा. भार-वर्ग में 'रजत पदक' हासिल किया। यह उपलब्धि 28 लंबे सालों के बाद नसीब हुई है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भी 'रजत पदक' जीता था, लेकिन उसके बाद भारोत्तोलन की जीत हमसे रूठ गई। अंततः चानू ने उस खालीपन को भरा। इसी तरह मैराथन और ऊंची कूद में क्रमशः 44 और 56 लंबे सालों के बाद एशियाई रजत पदक भारत के हिस्से आए। स्कवैश जैसे गैर-परंपरागत खेल में भी हमारे नवयुवा अभय सिंह और अनाहत सिंह ने 'रजत पदक' जीत कर भारत की उपलब्धियों को समृद्ध किया है। पदकवीरा अनाहत ऐसी पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। ऊंची कूद में सर्वेश कुशारे, मैराथन में रिकॉर्डधारी सावन बरवाल और लंबी कूद में ऐन्सी सोजन की 'रजतीय' उपलब्धियों के बाद कह सकते हैं कि ऐसे खिलाड़ी ही हमारे 'राष्ट्रीय नायक' हैं। भारत ने मिश्रित निशानेबाजी में भी 'स्वर्ण पदक' हासिल किया। भारत के पास तेजस्विन शंकर, पारुल चौधरी, अंकुश पंघाल, नरेन्द्र बेरवाल, परवीन हुड्डा सरीखे खिलाड़ी मौजूद हैं, जिनमें पदक जीत भी चुके हैं और पदक पक्का भी कर लिया गया है। बहरहाल एशियाई खेलों में भारत अपनी सफलताओं और उपलब्धियों से खुश है, गौरवान्वित महसूस करता है, लेकिन कुछ सवालों के साथ 'असंतुष्ट' भी है। दरअसल चीन, जापान, दक्षिण कोरिया सरीखे देश अंतरराष्ट्रीय और ओलिंपिक के स्तर पर हमसे बहुत आगे हैं। वे हमेशा हमारी तुलना में 'विजयी' रहे हैं, लेकिन अब उज़्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, थाईलैंड, बहरीन, ईरान और उत्तर कोरिया आदि देशों ने भी भारत से अधिक 'स्वर्ण पदक' जीते हैं और पदक-तालिका में हमसे आगे हैं। ओलिंपिक में तो हम इक्का-दुक्का स्वर्ण पदक को तरस जाते हैं। 1970 में भीम सिंह ने आखिरी बार 2.05 मीटर ऊंची कूद लगा कर कांस्य पदक जीता था। उसके बाद अब 2026 में सर्वेश कुशारे ने 2.25 मीटर ऊंची कूद लगाई है और रजत पदक हासिल किया है। इतना फासला क्यों है? क्या 56 लंबे सालों में इस खेल का कोई सफल, पदकवीर खिलाड़ी नहीं बन पाया? चीन, जापान, कोरिया के किशोर उम्र के खिलाड़ी 'विश्व कीर्तिमान' स्थापित कर रहे हैं। कमोबेश वे 'रोबोट' नहीं हैं। बैडमिंटन में पीवी सिंधु का खेल अब थकने लगा है, लेकिन उनके विकल्प तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा का खेल 'अनिश्चित' है। खेलों के लिए 2026-27 का बजट 4479.88 करोड़ रुपए है, जो अभी तक सबसे अधिक है। 'खेलो इंडिया' की 5 सालों की निरंतरता के मद्देनजर और विभिन्न खेल महासंघों की योजनाओं के लिए कुल 36,441 करोड़ रुपए खर्च करने का ऐतिहासिक फैसला किया गया है। लक्ष्य है कि 2036 के ओलिंपिक खेलों में भारत शीर्ष-10 और 2048 में शीर्ष-5 देशों में शामिल होना चाहिए। बहरहाल एशियाई खेलों की जीत से सबक जरूर सीखना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा 81वें अधिवेशन में

पाकिस्तान के बेतुके सवाल: भारत के सटीक जबाव

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्राथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कोई दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निर्माताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बनने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव की नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो सबसे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी?

सांविधानिक संस्थानों की स्वायत्तता को और मजबूत बनाने की जरूरत

विराग गुप्ता

चुनाव आयुक्तों की साझा मीटिंग और स्पष्टीकरण के बाद सांविधानिक बिंदुओं पर विवाद खत्म होना चाहिए। पुरानी घटनाओं से समझें, तो अदालत और मीडिया में बहस जारी रहेगी। चुनाव आयोग में विरोधाभास और असहमति का लंबा इतिहास रहा है। 1989 में मुख्य चुनाव आयुक्त आरवीएस पेरी शास्त्री ने दो नए आयुक्तों की नियुक्ति का विरोध किया। उसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन ने संसद से पारित कानून को चुनौती देते हुए अन्य दो आयुक्तों को काम करने की इजाजत ही नहीं दी। शेषन के विरोध को दरकिनार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तीनों चुनाव आयुक्तों को बराबरी का सांविधानिक दर्जा देने का फैसला दिया। लेकिन, तीन सदस्यीय आयोग में आंतरिक विरोधाभासों का सिलसिला जारी रहा। 2009 में मुख्य चुनाव आयुक्त गोपालस्वामी ने चुनाव आयुक्त नवीन चावला के खिलाफ राजनीतिक जुड़ाव की शिकायत की थी, लेकिन हटाने के बजाय चावला को अगले मुख्य चुनाव आयुक्त पद पर नियुक्त कर दिया गया।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हेतु स्वतंत्र कॉलेजियम बनाने के लिए 2015 में याचिका दायर हुई थी। उसके आठ साल बाद सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने नया कानून बनाने का आदेश दिया। संसद से बने नए कानून में तीन सदस्यीय चयन समिति में प्रधानमंत्री, नेता विपक्ष और केंद्रीय मंत्री हैं। केंद्रीय मंत्री के बजाय समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज को शामिल करने के लिए एक नई याचिका दायर हुई थी। उस पर तीन साल बाद दो जजों की पीठ का खंडित फैसला आया। चुनाव आयोग के आंतरिक विवादों की मीडिया रिर्पोटिंग के बीच सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सनसनी ज्यादा बढ़ गई। पर, उच्चतम न्यायालय के फैसले की खामियों का स्वतंत्र मूल्यांकन होना चाहिए। पुराने मामले में पांच जजों की संविधान पीठ का फैसला था, तो नई याचिका के लिए दो जजों की बेंच क्यों बनाई गई? दूसरे न्यायाधीश के फैसले के अनुसार, संविधान पीठ में सुनवाई होनी चाहिए, तो याचिका को तीन साल तक लंबित क्यों रखा गया? जज के बेटे चुनाव आयोग के वकील हैं, तो हितों के विरोधाभास के आधार पर उन्होंने सुनवाई में शामिल होने से इन्कार क्यों नहीं किया? मुख्य चुनाव आयुक्त की आईएएस बेटी से जुड़े एक मामले की सुनवाई उन्हीं जज की पीठ के सामने आने के बाद न्यायिक व्यवस्था भी आलोचना के घेरे में आ गई। पुरानी घटनाओं से सबक लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में सुधार और पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की कमियों को चुनाव आयोग से जोड़कर सोशल मीडिया पर अभियान चलाने से सांविधानिक संस्थानों पर लोगों का भरोसा डगमगाता है।

सिर्फ भारत के नागरिकों के नाम ही वोटर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं। इसे सुनिश्चित करने के लिए सिलसिलेवार तरीके से राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया हो रही है। बिहार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को मंजूरी दी थी। तब चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि बिहार के अनुभवों से सबक लेकर एसआईआर की प्रक्रिया सरल और व्यावहारिक बनाने की जरूरत है। चुनाव आयुक्त संधू ने भी पिछले साल लिखित तौर पर ऐसी ही राय व्यक्त की थी। वर्तमान मामले में शालीन तरीके से विवाद का पटाक्षेप होना चुनाव आयोग के साथ लोकतंत्र के लिए शुभ है। पर, 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से बाहर होने के कारण बढ़ रहे विवाद और आक्रोश का समाधान भी जरूरी है। 99 फीसदी से अधिक नोटिस नाम, उम्र और मैपिंग में गड़बड़ी के कारण जारी हुए हैं। इससे साफ है कि जो लोग घुसपैठिये नहीं हैं, उन्हें तकनीकी कारणों से बेवजह परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बंगलूरू में पासपोर्ट धारकों से भी नागरिकता का सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है, जिसके बारे में संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। दिल्ली में हल्ला मचने के बाद वीआईपी लोगों को नोटिस देने के बजाय फील्ड विजिट के आधार पर मतदाता सूची में शामिल करने की पहल हुई है। नए मतदाताओं को शामिल करने वाले फॉर्म-6 के साथ जुड़े नए घोषणापत्र को उच्चतम न्यायालय का अनुमोदन मिल चुका है। लेकिन, बेवजह उत्पीड़न से चुनावी प्रक्रिया को लेकर लोगों का विश्वास कम हो सकता है, जिससे अंततः लोकतंत्र को ही नुकसान होगा। पश्चिम बंगाल में लाखों लोगों के मुकदमों के विवाद के निपटारे में अदालतों को दशकों लग जाएंगे। मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए सभी राज्यों में विवाद और मुकदमेबाजी बढ़ने से भी लोगों का चुनावी प्रक्रिया में भरोसा कमजोर होगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की तर्ज पर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया आसान होनी चाहिए। आयोग को खास प्रयास करके जेन-जी को भटकने से बचाते हुए उन्हें वोट की ताकत और मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना चाहिए। चुनाव आयुक्तों के कैबिनेट सचिव को लिखे पत्र पर दिए गए स्पष्टीकरण के मुताबिक, विवाद अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति से जुड़ा है। कहा जा रहा है कि सांविधानिक पदों पर बैठे लोगों को राष्ट्रपति के पास अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इस विवाद से सबक लेकर चुनाव आयोग जैसे सांविधानिक संस्थान की स्वायत्तता को और मजबूत बनाने की जरूरत है। आयोग के डिजिटल प्लेटफॉर्म के केंदीकृत होने से जुड़े विवाद का पटाक्षेप हो गया है। अब एसआईआर के दौरान इकट्ठा किए जा रहे दस्तावेजों और डाटा की सुरक्षा को और पुख्ता करने का प्रयास होना चाहिए।

जनवरी 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों ने चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उसके आठ साल बाद सुप्रीम कोर्ट में कई मुख्य न्यायाधीशों के आने के बावजूद, मुकदमों की लिस्टिंग, सुनवाई और बेंच आवंटन की कार्यप्रणाली में संस्थागत सुधार नहीं हुए। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में जजों की असहमति सार्वजनिक तौर पर दिखती है। चुनाव आयोग में अगर दो आयुक्त असहमत हों, तो अल्पमत का फैसला लागू नहीं हो सकता। पर, किसी एक आयुक्त की असहमति के बाद बहुमत से फैसला लिया गया हो, तो फाइल में रिकॉर्ड करने के साथ सार्वजनिक आदेश में भी विवरण दिया जा सकता है। ऐसी पारदर्शिता से चुनाव आयोग की साख और बढ़ेगी।

कई राज्यों में लगातार बारिश असामान्य बदलाव के संकेत, समाधान की दिशा में गंभीर कदम उठाने ही होंगे

सितंबर के आखिरी सप्ताह में जब देश सामान्य तौर पर मानसून की विदाई और धीरे-धीरे बढ़ती गर्मी से राहत के बीच शरद ऋतु की ओर बढ़ रहा होता है, तब दिल्ली में रविवार की सुबह 21 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज होना मौसम के असामान्य बदलाव का संकेत है, लेकिन इसी बदलाव का दूसरा और अधिक चिंताजनक चेहरा उत्तर भारत में भारी बारिश, जलभराव और बाढ़ जैसी स्थितियों और जनजीवन में पैदा हुई मुश्किलों के रूप में दिखाई दे रहा है।

दिल्ली का तापमान सामान्य से करीब तीन डिग्री कम पर पहुंच गया और यह सितंबर में 18 वर्षों में सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा। मौसम के इस बदलाव का सकारात्मक पक्ष राजधानी की हवा में भी दिखाई दिया। बारिश और तेज हवाएं वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषक कणों को हटाने में मदद करती हैं। लेकिन, इस राहत को स्थायी समाधान समझना भूल होगी।

बारिश से प्रदूषण के कण कुछ समय के लिए कम हो सकते हैं, लेकिन वाहनों, निर्माण गतिविधियों, औद्योगिक उत्सर्जन और अन्य स्रोतों से लगातार होने वाला प्रदूषण दिल्ली की हवा की गुणवत्ता को फिर प्रभावित कर सकता है। हालांकि, असामान्य मौसम की असली कहानी दिल्ली के बजाय उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में दिखाई दे रही है, जहां लगातार बारिश राहत के बजाय आफत बनकर आई है।

केवल उत्तर प्रदेश में ही बारिश से 90 लोगों की मौतें और हजारों मकानों के क्षतिग्रस्त होने की खबरें हैं। मौसम विज्ञान की दृष्टि से देखें, तो बंगाल की खाड़ी से उठे मौसम तंत्र और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में व्यापक बारिश हुई। इन घटनाओं से एक तो साफ होता है कि भारी बारिश अब केवल जलभराव की नहीं, बल्कि सड़क, बिजली, परिवहन, स्वास्थ्य, कृषि और आवास से जुड़ा एक बहुआयामी संकट बनती जा रही है। ऐसी हर असामान्य मौसमी घटना का संबंध जलवायु परिवर्तन से हो सकता है, लेकिन हर बार सिर्फ यही मानकर रह जाने से काम नहीं चलेगा।

बदलते मौसमी पैटर्न के बीच यह जरूरी हो गया है कि देश के विभिन्न राज्य व शहर अपनी आपदा प्रबंधन क्षमता को सशक्त बनाएं। पर्वतीय राज्यों में तो और अधिक सक्रियता की जरूरत है, जहां अत्यधिक बारिश अक्सर भू-स्खलन और बाढ़ की आशंका को बढ़ा देती है। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की समस्या बन चुकी है। ऐसे में, अब बेहद जरूरी हो गया है कि नीति निर्माता, प्रशासन व समाज मिलकर जलवायु-अनुकूल विकास की दिशा में जल्द से जल्द ठोस कदम उठाएं, ताकि प्रकृति के बदलते मिजाज के बीच भी आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर सके।

जिसे दुनिया मेहमूद कहती थी, हमारे लिए वे अंकल पर्दे के महान हास्य कलाकार, लेकिन हमारे परिवार के लिए एक अपने अंकल

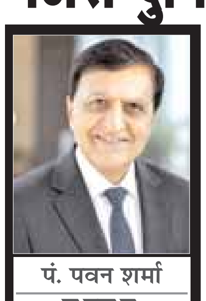

पं. पवन शर्मा
यू.एस.ए.

29 सितंबर आते ही भारतीय सिनेमा एक ऐसे कलाकार को याद करता है, जिसने अपनी अदाकारी, आवाज़, चेहरे के भाव और अद्भुत हास्य से कई पीढ़ियों को हंसाया- मेहमूद अली। लेकिन मेरी यादों में मेहमूद कुछ और हैं।

मेरी यादों में वे मेहमूद अंकल हैं।

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया राज्य के डनमोर शहर में उनके जीवन के अंतिम वर्षों में मेरी उनसे मुलाकात हुई। धीरे-धीरे यह परिचय एक ऐसे रिश्ते में बदल गया, जो सामान्य दोस्ती से कहीं बढ़कर था। वे हमारे परिवार के लिए अंकल जैसे बन गए और मैं उन्हें हमेशा अंकल कहता था।

वे भी मेरे बेटे को बहुत स्नेह करते थे। उसे वे अपने नवासा, यानी नाती जैसा मानते थे।

यही मेरे लिए मेहमूद की सबसे खूबसूरत पहचान है। फिल्मों की चकाचौंध से दूर, स्टूडियो की रोशनी और तालियों से दूर, मैंने उनके व्यक्तित्व का वह रूप देखा जो शायद उनके लाखों प्रशंसक कभी नहीं देख पाए।

एक बेहद स्नेही, सरल और परिवार की चिंता करने वाला इंसान।

उनसे जुड़ी मेरी सबसे प्यारी यादें बहुत साधारण हैं।

उन्हें दाल पंचरंगी बहुत पसंद थी और कभी-कभी वे खुद बनाते थे। मैं उनके लिए टिंडा बनाता था, जो उनकी पसंदीदा सब्जियों में से एक थी। मेरी पत्नी के हाथ के दही बड़े उन्हें बहुत पसंद थे।

ये कोई बड़े आयोजन नहीं थे।

बस खाना, बातचीत और हंसी-मजाक। लेकिन शायद यही छोटी-छोटी बातें आज सबसे बड़ी यादें बन गई हैं।

उन पलों में फिल्मी दुनिया के मशहूर मेहमूद कहीं नहीं होते थे।

वहां सिर्फ हमारे अंकल होते थे।

एक घटना मैं कभी नहीं भूल सकता।

एक बार हमारे अपार्टमेंट में कीटनाशक का छिड़काव हुआ था। उस समय मेरी पत्नी गर्भवती थीं। अंकल को जैसे ही पता चला, उन्होंने हमें अपार्टमेंट में वापस जाने ही नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब तक जगह पूरी तरह सुरक्षित न हो जाए, हम उनके घर पर ही रहें।

यह उनके स्वभाव का हिस्सा था।

जिस व्यक्ति ने पूरी जिंदगी करोड़ों लोगों को हंसाया था, वह हमारे जैसे एक छोटे परिवार की सुरक्षा को लेकर इतना चिंतित था। मेरे बेटे का पहला जन्मदिन भी हमारी यादों में हमेशा के लिए अंकल से जुड़ गया। मेरे बेटे का पहला जन्मदिन उन्होंने अपने घर पर मनाया था।

उनके लिए मेरा बेटा उनका नवासा था और जिस स्नेह के साथ उन्होंने वह दिन मनाया, वह हमारे परिवार के लिए हमेशा विशेष रहेगा।

उन्होंने हमारे परिवार की मदद केवल भावनात्मक रूप से ही नहीं, बल्कि बहुत व्यावहारिक रूप से भी की।

उस समय स्थानीय मॉल में मेरी एक दुकान थी। कई बार जब मुझे अपनी पत्नी के पास रहना होता था, तो अंकल मेरी दुकान संभाल लेते थे, ताकि मैं निश्चिंत होकर अपने परिवार की देखभाल कर सकूं।

जरा इस तस्वीर की कल्पना कीजिए।

जिस व्यक्ति ने भारतीय सिनेमा के बड़े-बड़े सितारों के साथ काम किया था, जिसने पर्दे पर लाखों लोगों का मनोरंजन किया था, वही व्यक्ति अमेरिका के एक स्थानीय मॉल में मेरी छोटी-सी दुकान संभाल रहा था-ताकि मैं अपनी पत्नी के पास रह सकूं।

यही थे हमारे मेहमूद अंकल।

उनके जीवन के अंतिम वर्षों में स्वास्थ्य उनका साथ नहीं दे रहा था। उन्हें सांस लेने में काफी परेशानी रहती थी। लेकिन एक चीज आखिरी समय तक उनके साथ रही-उनका हास्य।

सांस लेने में तकलीफ के बावजूद वे हंसा सकते थे

कभी किसी बात पर, कभी किसी अंदाज पर, कभी केवल अपने चेहरे के भाव से। शायद हास्य उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं था। वह उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था।

फिर डनमोर में उनके अंतिम दिनों का वह समय आया।

मुझे याद है कि उनके लिए स्थानीय मस्जिद में दुआ हुई थी। वहां बहुत ज्यादा लोग नहीं थे और मेरी व्यक्तिगत स्मृति के अनुसार, उनमें से कई लोग पाकिस्तान से थे।

वह छोटा-सा दृश्य मेरे मन में आज भी बसा हुआ है।

बंबई में जन्मा एक कलाकार, जिसने भारत के करोड़ों लोगों को हंसाया, अमेरिका के एक छोटे से शहर में कुछ लोगों की मौजूदगी में एक स्थानीय मस्जिद में याद किया जा रहा था।

उस क्षण न कोई फिल्मी दुनिया थी, न प्रसिद्धि, न सरहदें और न शोहरत।

सिर्फ एक इंसान के लिए दुआ थी।

वह दृश्य आज भी मेरे मन में है।

दुनिया मेहमूद को उनके फिल्मों के किरदारों, उनके हास्य, अभिनय और अद्भुत टाइमिंग से याद करती है।

लेकिन मैं उन्हें उन छोटी-छोटी बातों से याद करता हूं, जो किसी फिल्म की कहानी में कभी दिखाई नहीं देंगी।

दाल पंचरंगी। टिंडा। बेटी के दही बड़े। मेरी गर्भवती पत्नी की चिंता।

मेरे बेटे का पहला जन्मदिन।

मेरी दुकान संभालना ताकि मैं अपने परिवार के साथ रह सकूं।

और बीमारी के बीच भी हंसते-हंसाते रहना।

सबसे बढ़कर-अंकल होना।

फिल्मों में प्रसिद्धि इंसान को लाखों लोगों तक पहुंचा देती है, लेकिन उसके पीछे छिपे इंसान को जानने का अवसर बहुत कम लोगों को मिलता है।

मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने मेहमूद के उस रूप को देखा।

दुनिया के लिए वे महान हास्य कलाकार थे।

हमारे लिए वे परिवार थे।

वे हमारे अंकल थे।

उनकी जयंती पर मैं केवल अभिनेता, हास्य कलाकार, निर्देशक या फिल्मी दुनिया के उस सितारे को याद नहीं करना चाहता जिसने बड़े-बड़े कलाकारों के साथ काम किया।

मैं उस मेहमूद को याद करना चाहता हूं, जिसने हमारे लिए अपना घर खोला, हमारी चिंता की, मेरे बेटे को अपना नवासा माना, उसका पहला जन्मदिन मनाया और अपनी तकलीफों के बीच भी हंसना नहीं छोड़ा।

दुनिया मेहमूद को इसलिए याद करती है कि उन्होंने उसे हंसाया।

हम उन्हें इसलिए याद करते हैं कि उन्होंने हमारे परिवार को अपनापन दिया।

कुछ लोग फिल्में छोड़ जाते हैं।

कुछ लोग शोहरत छोड़ जाते हैं।

लेकिन कुछ लोग उससे भी बड़ी चीज छोड़ जाते हैं ऐसी यादें, जो परिवार की अपनी कहानी का हिस्सा बन जाती हैं।

मेहमूद अंकल हमारे लिए ऐसे ही थे।

जन्मदिन मुबारक, अंकल।

आपने करोड़ों लोगों को हंसाया।

आपने हमारे परिवार को अपनापन दिया। और आज इतने वर्षों बाद भी, जब आपकी याद आती है।

चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।

आतंकवाद पर सहानुभूति नहीं, तो रिश्ते प्रभावित होंगे

अमेरिका-पाकिस्तान की गलबहियां पर पहली बार खुल कर बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका दौरे के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे तनाव पर खुलकर बात की। एशिया सोसायटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने साफ कहा कि व्यापार मतभेद और पाकिस्तान-पोषित आतंकवाद, ये दोनों मुद्दे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने संकेत दिया कि अगर साझेदार देश भारत की प्रमुख संवेदनाओं का ख्याल नहीं रखते, तो उसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। आतंकवाद पर भारतीय विदेश मंत्री ने खास तौर पर जोर दिया और इसे भारत के लिए प्राथमिक संवेदनशील मुद्दा करार दिया। जयशंकर न्यूयार्क में एशिया सोसायटी की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, एक-दूसरे की संवेदनाओं का ख्याल रखना महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत के लिए खास तौर पर आतंकवाद का मुद्दा काफी संवेदनशील है। हमें लगता है कि दुनिया में बहुत कम देश हैं जिन्होंने अपने पड़ोसी देश की तरफ से जान-बूझकर पोषित आतंकवाद को उस तरह से झेला है जैसा हमने झेला है। जो मुद्दा हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण है, अगर कोई हमारा साझेदार हमारी प्रमुख चिंताओं का ख्याल नहीं रखता है तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में आ रहे सुधार पर इतने स्पष्ट शब्दों में शायद पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी असहजता रखी है। पिछले वर्ष राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाने का बार-बार दावा किया। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर का व्हाइट हाउस में स्वागत भी हुआ।

भारत इन घटनाक्रमों को असहजता से देखता रहा है लेकिन कभी कोई प्रतिक्रिया देने से परहेज करता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन से आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा करने की भारत की कूटनीति इस समय कमजोर पड़ती दिख रही है, क्योंकि अमेरिका के बाद कई यूरोपीय देश भी पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते पटरी पर ला रहे हैं। नई दिल्ली की आशंका है कि इस माहौल में पाकिस्तान को आतंकवाद पोषित करने की और गुंजाइश मिल सकती है।

व्यापार पर जयशंकर ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी दो टूक कह दिया कि भारत अपने हितों से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने कहा कि अगर कारोबारी समझौता पूरा होता है तो द्विपक्षीय रिश्ते बेहतर होंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि वार्ता तेजी से आगे बढ़ेगी लेकिन इसमें कुछ परेशानी आ गई हैं। उनके शब्दों में, ध्यान रहे, भारत छोटे उत्पादकों, छोटे कृषि उत्पादकों और छोटी फैक्ट्रियों का समाज है। भारत और अमेरिका के बीच प्रति व्यक्ति आय के अंतर के अलावा उत्पादन का स्वरूप और समाज की प्रकृति बहुत अलग है। व्यापार वार्ता को पूरा करने के लिए धैर्य और बारीकी की जरूरत है, तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद थी लेकिन जमीनी हकीकत की जटिलता सामने आ गई है।

उन्होंने कहा कि अब समझौते पर लगभग समझ बन चुकी है, लेकिन उसे अंतिम रूप देने का समय अमेरिका की धारा 301 प्रक्रिया से भी जुड़ा है। जयशंकर ने स्वीकार किया कि कारोबारी समझौते में देरी से रिश्तों को धक्के भी लगे।

सनद रहे कि वाणिय एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मंगलवार को सात दिवसीय अमेरिका दौरे पर पहुंच रहे हैं। वे मिलवाकी में जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे और अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी पक्ष से बात करेंगे।

23 मौत, 7 लाख लोग प्रभावित... 48 घंटे की लगातार बारिश के बाद थाईलैंड में बाढ़ ने मचाई तबाही

बैंकॉक

थाईलैंड में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। सरकार ने आज मंगलवार को जानकारी दी है कि बाढ़ की वजह से बैंकॉक में चार और लोगों की मौत हो गई है। आपदा रोकथाम और शमन विभागके मुताबिक, इन चार लोगों की मौत से बाढ़ के चलते थाइलैंड में मरने वालों की संख्या 23 पहुंच गई है। बैंकॉक में में बाढ़ से करीब सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बैंकॉक में 48 घंटों तक लगातार इतनी तेज बारिश हुई कि तीन दिन बाद भी कुछ हिस्सों में पानी भरा रहा। अधिकारियों के मुताबिक, शहर में आपदा घोषित किए जाने के साथ ही स्कूल बंद कर दिए। वहीं राजधानी में 230 से यादा शेल्टर होम में लगभग 7,000 लोग रुके हुए थे। डीडीपीएम ने एक बयान में कहा कि बाढ़ ने थाईलैंड के 77 प्रांतों में से 29 को प्रभावित किया है। विभाग ने बताया कि बैंकॉक में चार लोगों की मौत हुई है। बैंकॉक और समुद्र के बीच स्थित समुत प्राकान में आठ लोगों की और पूर्वी प्रांत सा काएओ में छह लोगों की मौत हुई है। बैंकॉक के दक्षिण-पूर्व में स्थित चंथाबुरी और राजधानी के उत्तर में स्थित दो प्रांतों अयुथ्या और साराबुरी में भी कुछ लोगों की दर्ज की गई। बैंकॉक से सामने आई तस्वीरों में गाड़ियां पूरी तरह पानी में डूबी दिखाई दीं। स्वर्ण भूमि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर यात्रियों की लंबी कतारें नजर आईं। बाढ़ के चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह से ठप पड़ गई।

थाईलैंड में सितंबर महीने में सबसे यादा बारिश होती है, लेकिन बैंकॉक के कई निवासियों का कहना है कि इस साल की बाढ़ पिछली बाढ़ों की तुलना में यादा गंभीर लग रही है। यह शहर पहले दलदली जमीन पर बसाया गया था और यहां नहरों का जाल बिछा हुआ है। बारिश के कारण इनमें से कई नहरें बुरी तरह उफान पर हैं। पंपिंग स्टेशन कई दिनों से अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं, लेकिन गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने रविवार को कहा कि पानी को पूरी तरह से निकलने में एक हफ्ते तक का समय लग सकता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ेगी, बारिश के मौसम की घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति भी बढ़ेगी।

ईरान ने मध्यस्थों के साथ पश्चिम एशिया में लड़ाई को सुलझाने के तरीकों पर चर्चा की : अराघची

तेहरान (वार्ता)

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि देश के

अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में लड़ाई को सुलझाने के लिए कतर के मध्यस्थों के साथ चर्चा की है और इन पर जल्द ही अमेरिका से जवाब मिलने की उम्मीद है। सूत्रों ने पहले दोनों देशों के अधिकारियों के हवाले से बताया था कि अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों ने सोमवार को पश्चिम एशिया में लड़ाई को खत्म करने के तरीकों पर मध्यस्थ देशों के साथ अलग-अलग चर्चा की थी। ईरानी ब्रॉडकास्टर प्रेस टीवी ने श्री अराघची के हवाले से कहा, हमने कतर के मध्यस्थों के साथ ईरान की शर्तों को पूरा करने के तरीकों पर चर्चा की। अमेरिका का जवाब कतर के मध्यस्थों के ज़रिए ईरान को बताया जाएगा - उम्मीद है कि कल तक मिल जाएगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान ने क्षेत्रीय संकट को सुलझाने के लिए अगर अमेरिका किसी समझौते में दिलचस्पी रखता है तो एक समाधान का प्रस्ताव दिया है। ईरान ने पहले अमेरिका की तरफ से समुद्री नाकाबंदी और तेल आयात पर लगी रोक हटाने के बदले में होर्मुज जलडमरुमध्य खोलने का सात दिन का प्रस्ताव पेश किया था। हालांकि अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव को मना कर दिया। श्री अराघची ने फिर भी रविवार रात को कहा कि श्री ट्रंप के बयान के बावजूद ईरान मध्यस्थों से आखिरी जवाब का इंतज़ार कर रहा है।

गुजारा करना मुश्किल, तुर्किए में पेंशनर्स का विरोध प्रदर्शन, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मारकर दी जान

अंकारा

तुर्किए में पिछले हफ्ते एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी ने देश की न्यायिक संस्था कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट के बाहर पेंशन को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शन के दौरान खुद को गोली मार ली। रिटायर्ड पुलिसकर्मी को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। तुर्किए मीडिया के मुताबिक, मरने वाले व्यक्ति की पहचान अली सेकेरोग्लू के तौर पर हुई है, जो कि 60 साल के थे। यह घटना 25 सितंबर को अंकारा में एक प्रदर्शन के दौरान हुई, जो देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा था।

खबरों के मुताबिक, उनके दो बेटे बेरोजगार थे, जिससे रहने-सहने का खर्च और बढ़ गया था। इंटेलीन्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने भीड़ को बताया कि वह हाल ही में हुए पोते/पोती के जन्म का जश्न मनाने के लिए सोने का पारंपरिक सिक्का भी नहीं खरीद पाए। तुर्की का झंडा ओढ़े हुए, उस पुलिसकर्मी ने एक पोस्टर पकड़ा हुआ था जिस पर लिखा था, पैसे के लिए नहीं, बल्कि हमारी इजत के लिए। थोड़ी देर बाद, उन्होंने आस-पास खड़े लोगों को अपने पास न आने की चेतावनी दी और अपनी सर्विस गन निकालकर सिर में गोली मार ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेकेरोग्लू को गाजी यूनिवर्सिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अपनी जान देने से कुछ घंटे पहले, सेकेरोग्लू ने अपने फेसबुक पेज पर एक संदेश पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने अपने साथी पेंशनभोगियों से विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने लिखा, एकता में ही शक्ति है। आइए, सम्मान के साथ जीने और गुजारा करने के अपने संवैधानिक अधिकार के लिए आवाज उठाएं। हे ईश्वर, आप हमारे अंदर की पुकार सुनते हैं। जो लोग हमारे देश और हम पर शासन करते हैं, वे भी इसे सुनें।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी अली सेकेरोग्लू को अपनी पेंशन से गुजारा करने में काफी मुश्किल हो रही थी। वे सरकार से लगातार रिटायर्ड पुलिसकर्मियों के लिए भी पेंशन में इजाफा करने की मांग कर रहे थे। तुर्किए में पेंशन पाने वाले लोग बेहतर आर्थिक हालात की मांग कर रहे हैं और उन्होंने 2023 में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में सभी के लिए बढ़ोतरी की भी मांग की थी, जिसे सरकारी रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन में शामिल नहीं किया गया।

इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है, जिसमें दिख रहा है कि जब उनके साथी और यूनियन के प्रतिनिधि एक संयुक्त प्रेस बयान देने की तैयारी कर रहे थे, तब सेकेरोग्लू ने पास खड़े लोगों की ओर मुड़कर गुजारा करने में आ रही मुश्किलों और अपने परिवार की बढ़ती आर्थिक तंगी के बारे में बात की।

अमेरिका में हैकर्स ने पेंटागन के 30 लाख से ज़्यादा कर्मचारियों का निजी डेटा चुराया

वॉशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका में हैकर्स ने पेंटागन के 30 लाख से ज़्यादा मौजूदा और पुराने कर्मचारियों का गोपनीय डेटा चुरा लिया है, जिसमें उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर और नौकरी संबंधी जानकारी शामिल हैं।एबीसी न्यूज़ ने एक अमेरिकी सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। मिलिट्री टाइम्स अखबार ने पिछले हफ़्ते विभाग के निजी डेटा सेंटर में सेंधमारी की रिपोर्ट दी। यह सेंघमारी अक्टूबर 2025 और जुलाई 2026 के बीच हुयी। अधिकारी ने कहा कि इस सेंधमारी से 27 लाख 60 हजार ज़िंदा लोग और 294,000 मृत लोग प्रभावित हुए। ब्रॉडकास्टर ने बताया कि सामने आई जानकारी का पैमाना संवेदनशीलता राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को बढ़ा सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि डेटा में सैन्य और असैन्य कर्मचारियों के पदों के बारे में जानकारी थीं। नेटवर्क के सूत्रों के मुताबिक अपराधी एफबीआई कर्मचारियों की निजी जानकारी जारी करने की धमकी दे रहे हैं। एजेंसी को पता चला कि आधिकारिक नौकरी पोस्टिंग पोर्टल में सुरक्षा के सही तरीके नहीं थे। जानकारी के अनुसार एफबीआई ने उन लोगों को चेतावनी दी है जो डेटा ब्रीच से प्रभावित हो सकते हैं। कर्मचारियों को सलाह दी जाती है कि वे संदिग्ध कॉल का जवाब न दें या मीडिया से बात न करें। प्रकाशन के अनुसार पेंटागन अभी छह करोड़ से ज़्यादा सक्रिय और पुराने कर्मचारियों के निजी रिकॉर्ड रखता है।

अमेरिका ग्रीनलैंड में दुर्लभ खनिजों का कर सकता है खनन : रुबियो

वॉशिंगटन,(स्पूतनिक)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ग्रीनलैंड में हुए समझौते के बाद वह स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर दुर्लभ खनिजों का खनन कर सकता है। बाइस सितंबर को अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने आइलैंड पर अमेरिकी सेना की उपस्थिति बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। फॉक्स न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार में जब श्री रुबियो से पूछा गया कि क्या अमेरिका के पास उन दुर्लभ खनिज के खनन करने का मौका है, जिनसे यह आइलैंड समृद्ध है, तो उन्होंने कहा, ज़रूर, हम उनके साथ साझेदारी में ऐसा करेंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह अमेरिका की प्राथमिकता नहीं थी, लेकिन स्थानीय अधिकारियों के साथ समझौता होने के बाद यह मौका मिला। उन्होंने आखिर में कहा, अब जब यह (समझौता) हमारे पीछे है, तो मुझे लगता है कि हमारे पास वहां अछा निवेश करने का मौका है। ग्रीनलैंड में खनिज का काफी खजाना हैं। डेनमार्क एवं ग्रीनलैंड भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीईयूएस) के अनुसार, यूरोपीय संघ द्वारा अतिमहत्वपूर्ण के तौर पर वृगीकृत किये गये 34 अयस्क में से 24 की पहचान आइलैंड पर हुई है। खोजे गये कई संसाधनों की सही मात्रा अभी पता नहीं चल पायी है। इन खजाने का हालांकि विकास कुदरती हालात और बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से मुश्किल है।

नेपाल में भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन का कहर, 21 लोगों की मौत, 1500 से अधिक विस्थापित

काठमांडू, (वार्ता)

नेपाल के पश्चिमी और दक्षिण-मध्य भागों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आयी भीषण बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी है। इस प्राकृतिक आपदा से 1,500 से अधिक लोग बेघर हो गये हैं और सैकड़ों मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है।

आपदा के कारण हुई मौतें मुख्य रूप से बागलुंग, पाल्पा, म्याग्दी और धनुषा जिलों में दर्ज की गयी हैं। गंडकी प्रांत पुलिस कार्यालय से प्राप्त प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, केवल गंडकी प्रांत में ही बारिश से जुड़ी घटनाओं में 11 लोगों की मौत हुई है, चार लोग घायल हुए हैं और चार अन्य लापता बताये जा रहे हैं। बाढ़, भूस्खलन और जलभराव का सबसे गंभीर असर बागलुंग, पर्वत, मनांग, नवलपरासी पूर्व, चितवन, पाल्पा और धनुषा जिलों में देखा जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, 747 परिवारों के कम से कम 1,500 लोग विस्थापित हुए हैं। कुल 179 मकान पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं, 26 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है और 270 अन्य घर अत्यधिक जोखिम में हैं। गंडकी प्रांत पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी कृष्ण प्रसाद कोइराला ने बताया कि नुकसान का विस्तृत ब्योरा अभी भी जुटाया जा रहा है।

आपदा के कारण 12 मवेशी शेड पूरी तरह तबाह हो गये हैं और 44 मवेशियों की मौत हो चुकी है। बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है, जिसमें छह पुल पूरी तरह नष्ट हो गये हैं और दो को आंशिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा तीन सरकारी कार्यालय पूरी तरह ध्वस्त हो गये हैं, तीन को नुकसान पहुंचा है और नौ अन्य भवन खतरे की जद में हैं। बाढ़ और भूस्खलन के चलते कई इलाकों में सड़क और परिवहन सेवाएं पूरी तरह ठप हो गयी हैं।

%द काठमांडू पोस्ट% की रिपोर्ट के अनुसार, गंडकी प्रांत में सबसे अधिक तबाही बागलुंग जिले में हुई है, जहां 10 लोगों की मौत हुई है और एक व्यक्ति लापता है। जिले में 23 घर पूरी तरह तबाह हो गये हैं, 23 मवेशियों की मौत हुई है और 26 परिवारों के 80 लोग बेघर हो गये हैं। पर्वत जिले में कालीगंडकी नदी के तटवर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर तबाही देखने को मिली है। नदी में आयी बाढ़ ने 106 मकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, जबकि 162 परिवारों के 540 लोग विस्थापित हुए हैं। कालीगंडकी नदी के उफान से मध्य-पहाड़ी राजमार्ग पर पर्वत और बागलुंग को जोड़ने वाला मालढुंगा पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। जलजला ग्रामीण नगरपालिका के फर्से क्षेत्र में बस्तियां जलमग्न होने के बाद लगभग 80 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नवलपरासी पूर्व में निचले इलाकों में पानी भरने से 15 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये हैं और 162 परिवारों के 613 लोग विस्थापित हुए हैं। स्यांगजा जिले में 13 घर नष्ट हुए हैं और गुल्मी और स्यांगजा को जोड़ने वाला बेली ब्रिज बाढ़ के पानी में बह गया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अड़ीवी शेष ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हैदराबाद पुलिस के साथ उठाई आवाज

अभिनेता अड़ीवी शेष ने महिलाओं की सुरक्षा और सुरक्षित कार्यस्थल को लेकर हैदराबाद पुलिस के साथ मिलकर जागरूकता बढ़ाने की पहल की है।अड़ीवी शेष का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा आज भी चिंता का विषय है और इसके लिए लगातार जागरूकता तथा सामूहिक जिम्मेदारी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रभाव और पहचान रखने वाले लोगों को अपने मंच का इस्तेमाल महिलाओं की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए करना चाहिए।उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित और समान माहौल की शुरुआत रोजमर्रा के व्यवहार से होती है। कार्यस्थल पर किसकी बात सुनी जाती है, किसके विचारों को महत्व मिलता है, किसे आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं और किसे महत्वपूर्ण चर्चाओं में शामिल किया जाता है, जैसी छोटी-छोटी बातें कार्यस्थल के माहौल को प्रभावित करती हैं। अड़ीवी ने कहा कि समानता का समर्थन करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि महिलाओं को आगे बढ़ने में मदद करना, उनका मार्गदर्शन करना, उन्हें नेतृत्व के अवसर देना और भेदभावपूर्ण व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाना भी जरूरी है। हैदराबाद पुलिस के साथ जुड़कर अभिनेता महिलाओं की सुरक्षा को लेकर संवाद और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है कि सुरक्षित माहौल बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक जागरूक और सम्मानजनक व्यवहार अपनाने के साथ जरूरत पड़ने पर सही कदम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

हिमेश रेशमिया ने पहली बार रचा गरबा गीत जय अम्बे बोल

राजश्री प्रोडक्शंस की आगामी फिल्म ये प्रेम मोल लिया का नया गरबा गीत जय अम्बे बोल रिलीज हो गया है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजे इस गीत को श्रेया घोषाल ने आवाज दी है, जबकि इसके बोल मयूर पुरी ने लिखे हैं।

आयुष्मान खुराना और शरवरी पर फिल्माया गया यह गीत नवरात्रि के उत्सवी माहौल, गरबा की ऊर्जा और रंग-बिरंगी सजावट से सजा है। शानदार कोरियोग्राफी के साथ गीत में दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री भी देखने को मिलती है।

खास बात यह है कि जय अम्बे बोल हिमेश रेशमिया के लंबे संगीत करियर का पहला गरबा कंपोजिशन है। नवरात्रि के अवसर को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह गीत गरबा की पारंपरिक ऊर्जा और आधुनिक संगीत का मेल प्रस्तुत करता है। इससे पहले फिल्म का टाइटल ट्रैक ये प्रेम मोल लिया रिलीज किया गया था, जिसमें आयुष्मान और शरवरी के किरदारों के बीच प्रेम, रिश्तों और पारिवारिक भावनाओं की झलक देखने को मिली थी। जय अम्बे बोल के साथ फिल्म के संगीत में उत्सव और नवरात्रि का रंग जुड़ गया है। सूरज आर. बड़जात्या निर्देशित ये प्रेम मोल लिया में आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड और महावीर जैन फिल्म्स प्रस्तुत यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विद्या बालन ने आर. बाल्की के साथ शुरू की नई तमिल फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री विद्या बालन ने फिल्मकार आर. बाल्की के साथ अपनी नई तमिल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म %पा% के बाद दोनों पहली बार किसी तमिल फिल्म के लिए साथ काम कर रहे हैं।

विद्या बालन ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा कर इसकी जानकारी दी। तस्वीर में वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। चश्मा लगाए और लंबी चोटी में उनका लुक काफी सादगी भरा है। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, आर. बाल्की के साथ नई तमिल फिल्म, नई शुरुआत।

फिल्म के बारे में अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, आर. बाल्की और विद्या बालन की दोबारा साथ वापसी को लेकर दर्शकों में उत्सुकता है। दोनों ने इससे पहले %पा% में साथ काम किया था, जो 2009 में प्रदर्शित हुई थी। विद्या बालन 15 अक्टूबर को प्रदर्शित होने वाली रजनीकांत अभिनीत %जेलर 2% में नजर आएंगी। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वह कांता की भूमिका निभा रही हैं।इसके अलावा वह अक्षय कुमार के साथ अनीस बज्मी निर्देशित अनाम कॉमेडी फिल्म में भी दिखाई देंगी। फिल्म में राशि खन्ना भी हैं और यह चार दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में पहुंचीं अभियान की प्रदेश संयोजक ज्योति सिंह राजपूत

सिवनी (स्वतंत्र मत)। देशव्यापी सेवा संकल्प अभियान (सेवा पखवाड़ा) के अंतर्गत मध्यप्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित किए जा रहे 'आंगन मिलन सेवा अभियान' के तहत 28 सितंबर को बरघाट विधानसभा क्षेत्र के गंगेरूआ मंडल अंतर्गत ग्राम खर्रापाठ एवं जुम्माटोला के आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अभियान की प्रदेश प्रभारी एवं महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री श्रीमती ज्योति सिंह राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस दौरान अभियान की जिला संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती ठाकुर, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती किरण टेमरे, 'मेरे सपनों का भारत' सेवा चित्र अभियान एवं शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नरेश सिंह राजपूत, मंडल प्रभारी तुमेश बोपचे, परियोजना अधिकारी मनोज बांगरे सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, ग्राम सरपंच, वरिष्ठजन, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

निःस्वार्थ सेवा से समाज में आता है सकारात्मक बदलाव

जिला संयोजक श्रीमती गोमती ठाकुर ने कहा कि निःस्वार्थ सेवा मानव जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। आंगन मिलन जैसे आयोजन समाज के लोगों को एक-दूसरे के सुख-दुख से जोड़ने के साथ सामाजिक संवाद और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। श्रीमती भारती रजक ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती किरण टेमरे ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना और जनसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मंडल प्रभारी तुमेश बोपचे ने कहा कि समाज के बीच निरंतर संवाद एवं सेवा से ही इस प्रकार के कार्यक्रम प्रभावी बनते हैं। परियोजना अधिकारी मनोज बांगरे ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

आंगन मिलन सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम

मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति सिंह राजपूत ने कहा कि आंगन मिलन सेवा अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित न रखते हुए उन्हें जनभागीदारी, सामुदायिक संवाद तथा स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता के केंद्र के रूप में विकसित करना है।उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, खेलकूद एवं आनंदमयी गतिविधियां, मातृ संवाद, गर्भवती महिलाओं एवं माताओं से पोषण और स्वास्थ्य योजनाओं पर चर्चा, पर्यावरण एवं स्वच्छता अभियान तथा मुनगा एवं सुरजना जैसे पौधों का रोपण किया जा रहा है। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मानित किया जा रहा है।

श्रीमती राजपूत ने कहा आंगन मिलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और पारस्परिक भाईचारे को जीवंत रखने का सशक्त माध्यम है। जब समाज मिलकर सेवा के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है, तभी सशक्त समाज का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन कार्यों में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, ताकि जरूरतमंद तक पहुंच सके।

परिवारों को जोड़ने का भी माध्यम है आंगन मिलन

'मेरे सपनों का भारत' अभियान के जिला संयोजक नरेश सिंह राजपूत ने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों में परिवार के सदस्य नियमित रूप से एक साथ बैठते और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते थे। वर्तमान में एकल परिवारों का चलन बढ़ने से पारिवारिक संवाद में कमी आई है। ऐसे में आंगन मिलन जैसे आयोजन सामाजिक एवं पारिवारिक जुड़ाव को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आंगन मिलन के माध्यम से लोगों की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को समझने तथा मिल-जुलकर सकारात्मक कार्य करने का अवसर मिलता है।

कार्यकर्ता बहनों का सम्मान

कार्यक्रम के अंत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा कार्यकर्ता को श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनके द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

केवलारी में दर्दनाक हादसा : ट्रेन की चपेट में आने से होनहार युवक अंशुल यादव की मौत,खेल प्रेमियों शोक की लहर

केवलारी (स्वतंत्र मत)। नगर ने अपने एक होनहार, मिलनसार और बहुमुखी प्रतिभा के धनी युवा को हमेशा के लिए खो दिया है। सुबह की सैर और व्यायाम के लिए निकले युवा अंशुल यादव की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। इस आकस्मिक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दरअसल, केवलारी के पशु चिकित्सालय के पास रहने वाले राजकुमार यादव के सुपुत्र अंशुल यादव हर रोज की तरह सोमवार की सुबह भी लगभग 5 बजे खेल और व्यायाम के अभ्यास के लिए बड़े ग्राउंड की ओर निकले थे। किंतु नियति को कुछ और ही मंजूर था। ग्राउंड जाने के दौरान अचानक वह रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि अंशुल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और रेल पुलिस ने मामले की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनों को सौंप दिया । जिसके बाद बड़ी संख्या में लोगों ने अंतिम बिदाई देते हुए अंशुल का अंतिम संस्कार किया। एक उभरते हुए सितारे के यूं अचानक चले जाने से केवलारी के खेल प्रेमियों, परिजनों और नगरवासियों में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने अंशुल के असामयिक निधन पर गहरा दुख जताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह असहनीय आघात सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

जुआ फड़ों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई से मचा हड़कंप

जुआरियों में बढ़ी चिंता, अपराधियों में पुलिस का खौफ—एसपी कृष्ण लालचंदानी और पुलिस टीम की कार्रवाई की सराहना

सिवनी (स्वतंत्र मत)। जिले में जुआ फड़ियों के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई से जुआरियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस की सक्रियता के चलते अवैध जुआ गतिविधियों पर शिकंजा कसने का प्रयास जारी है। लगातार कार्रवाई से जुआ खेलने और खिलाने वालों में चिंता का माहौल बना हुआ है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित जुआ फड़ियों के खिलाफ पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने पर नागरिकों ने पुलिस टीम की सराहना की है। लोगों का कहना है कि अवैध गतिविधियों पर इसी तरह लगातार कार्रवाई होने से कानून व्यवस्था मजबूत होगी और अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। जुआ फड़ियों पर कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में सिवनी पुलिस टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की जा रही है। नागरिकों ने पुलिस से अवैध जुआ गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रखने की अपेक्षा जताई है। कार्रवाई लगातार जारी रहने से अपराधमुक्ति की दिशा में बढ़ता सिवनी

200 वर्ष पूर्ण करने वाली हिंदी पत्रकारिता ने किया हिंदी भाषा को समृद्ध

सिवनी (स्वतंत्र मत)। भारत में हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होने के संदर्भ में पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस में भारतीय लोकतांत्रिक समाज और हिंदी विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें साहित्यकारों, विद्वान वक्ताओं और प्राध्यापको ने अपने विचार रखे तथा वर्तमान वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य में हिंदी के महत्व को समझाया. भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ और हिंदी विभाग के संयुक्त आयोजन में युवा छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की सामूहिक वंदना-आराधना, पुष्प अर्पण तथा वंदेमातरम के सामूहिक गायन से हुई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में सिवनी जिले के साहित्यकार डॉ रामकुमार चतुर्वेदी ने उपस्थित विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा हिंदी है। कहा कि हिंदी वैज्ञानिक भाषा है, हिंदी में ज्ञान और विज्ञान का अक्षय भंडार समाया है। डॉ चतुर्वेदी ने हिंदी भाषा के महत्व पर आधारित अपनी व्यंग्य रचना का सस्वर पाठ किया, जिसने विद्यार्थियों का मन मोह लिया. उल्लेखनीय है कि डॉ रामकुमार चतुर्वेदी भोपाल के दसवें और मॉरीशस के ग्यारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन में बतौर प्रतिनिधि हिस्सा ले चुके हैं। विशेष वक्ता के रूप में सिवनी जिले के वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश तपिश ने वक्तव्य में कहा कि हिंदी हमारा मान है, सम्मान है. राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक हिंदी की यात्रा गौरवशाली रही है. उन्होंने हिंदी के विकास और इतिहास पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला. उन्होंने युवा विद्यार्थियों से हिंदी को अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के सह संयोजक प्रोफेसर सत्येन्द्र कुमार शेन्डे ने कहा कि आज, 21 वीं सदी के वैश्विक समाज में हिंदी का दबदबा बढ़ता जा रहा है। बताया कि 200 वर्ष पूर्ण करने वाली हिंदी पत्रकारिता ने हिंदी भाषा और साहित्य को समृद्ध किया है. जानकारी देते हुए बताया कि 30 में 1826 को कोलकाता से हिंदी का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड प्रकाशित हुआ था. हिंदी के पहले संपादक युगल किशोर शुक्ल थे. कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई. बताया कि भारतीय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में हिंदी पत्रकारिता राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान कर रही है. प्रोफेसर शेन्डे ने कहा कि माँ, मातृभूमि और मातृभाषा सबसे बढ़कर होती हैं।

शहीद ए आजम भगतसिंह की 119 वीं जयंती पर किया याद - कार्यक्रम के दौरान शहीद ए आजम भगत सिंह की 119 वीं जयंती पर उनका स्मरण किया गया. छात्र प्रसून तिवारी ने देशभक्तिपूर्ण स्वरचित कविता का ओजमय सस्वर पाठ कर सबका मन मोह लिया।

नहलेसरा डेम में बाघ की मौत, विभाग ने छिपाई सच्चाई

एनटीसीए का हवाला देकर मीडिया को भी रखा गया दूर

कटंगी (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश का बालाघाट जिला, जिसे कान्हा और पेंच टाइगर रिजर्व का कॉरिडोर कहा जाता है, एक बार फिर बाघ की मौत को लेकर चर्चा में है। कटंगी तहसील क्षेत्र की मध्यम सिंचाई परियोजना नहलेसरा डेम के वन कक्ष क्रमांक 562 में मंगलवार को संरक्षित वन्य प्राणी बाघ का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। बाघ की उम्र करीब 13 साल बताई जा रही है, जो बाघों के जीवन काल के हिसाब से वृद्धावस्था है। खास बात यह है कि बाघ के शरीर पर प्रथम दृष्ट्या चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर यह बाघ डेम के पानी तक पहुंचा कैसे और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई?

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे स्थानीय ग्रामीणों की नजर डेम के पानी में तैर रहे बाघ के शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने नियंत्रण में लेते हुए शव को पानी से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की। निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत शाम करीब साढ़े 4 बजे बाघ के शव को डेम से बाहर निकाला गया। इसके बाद मौके पर ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। बाघ के हार्ट, स्किन और लंग्स के सैंपल लिए गए हैं, जबकि विसरा जांच के लिए भेजा जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सैंपल की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। डॉग स्क्वायड ने भी घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम साढ़े 06 बजे शव का भस्मीकरण किया गया। उपवन मंडल अधिकारी यशपाल मेहरा के अनुसार, बाघ के दाहिनी ओर का एक दांत टूटा और घिसा हुआ पाया गया है। बाघ नर था और उसकी उम्र करीब 13 वर्ष आंकी गई है। शव करीब दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि शरीर पर किसी तरह की बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्रोफाइल का मिलान पेंच टाइगर रिजर्व और कटंगी सामान्य वन मंडल के रिकॉर्ड से किया जाएगा। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बाघ किस क्षेत्र से आया था।

मौत से ज्यादा रहस्यमय डेम तक पहुंचने की कहानी... बाघ की उम्र अधिक होने और शरीर पर बाहरी चोट नहीं मिलने के बाद उसकी डेम तक पहुंचने को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या बाघ खुद पानी में पहुंचा था? क्या उसकी मौत पानी में डूबने से हुई? या फिर मौत किसी अन्य कारण से हुई और शव बाद में पानी तक पहुंचा? इन सवालों का जवाब फिलहाल जांच के बाद ही सामने आएगा। मौके पर मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, वन मंडल अधिकारी नित्यानंदम एल, उपवन मंडल अधिकारी यशपाल मेहरा, वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चड़ार, पेंच टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ वन्यजीव पशु चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा, तहसीलदार पी.एल. शांडिया सहित पेंच टाइगर रिजर्व की अरी रेंज के अधिकारी-कर्मचारी और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के प्रतिनिधि अधिकारी मौजूद रहे।

मीडिया को घटनास्थल से दूर रखने पर भी सवाल... इस पूरी घटना में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय वन विभाग की गोपनीयता रही। बाघ का शव मिलने के बाद वन विभाग ने घटनास्थल के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी और किसी भी व्यक्ति को घटनास्थल तक जाने की अनुमति नहीं दी गई। एनटीसीए का हवाला देते हुए मीडिया कर्मियों को भी घटनास्थल से काफी दूर रखा गया। जब मीडिया कर्मियों ने कवरेज के लिए अंदर जाने की कोशिश की तो विभागीय अफसरों और मीडियाकर्मियों के बीच बहस भी हुई। विभाग का कहना था कि एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत शव के पास किसी को नहीं जाने दिया जा सकता। हालांकि एनटीसीए प्रोटोकॉल में एरिया को सील करने का नियम जरूर है, लेकिन मीडिया को जानकारी से वंचित रखने का कोई प्रावधान नहीं है। प्रोटोकॉल में साफ है कि पोस्टमार्टम के बाद प्रेस नोट जारी करना और पारदर्शिता बनाए रखना विभाग की जिम्मेदारी है। विभाग की इस गोपनीयता को लेकर मौके पर मौजूद लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

जादू-टोने के आरोप और मारपीट के बाद बुजुर्ग ने खाया कीटनाशक, मौत

वारासिवनी के खंडवा गांव की घटना, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम खंडवा में सोमवार रात एक बुजुर्ग की कीटनाशक सेवन से मौत हो गई। मृतक की पहचान 65 वर्षीय मानिकराम पंचेश्वर के रूप में हुई है। परिजन उन्हें उपचार के लिए हायर सेंटर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मामले में अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम परिजनों को मानिकराम द्वारा कीटनाशक का सेवन किए जाने की जानकारी मिली। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए लेकर रवाना हुए, लेकिन रात करीब 12 बजे उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।मृतक के बेटे सुनील पंचेश्वर ने आरोप लगाया कि उनके पिता पिछले कुछ समय से तनाव में थे। सुनील के अनुसार, 20 सितंबर को पड़ोसी चंदूलाल मरठे, उनकी पत्नी नन्हीबाई, बेटे मनोज और बहू सविता ने उनके पिता पर जादू-टोना करने का आरोप लगाया था। बेटे का आरोप है कि इसी बात को लेकर उनके पिता के साथ मारपीट की गई और उन्हें धमकी भी दी गई। सुनील ने बताया कि घटना के बाद उनके पिता ने वारासिवनी पुलिस से शिकायत भी की थी। बाद में ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि स्वरूप मरठे की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था।बुजुर्ग की मौत के बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

जादू-टोने के आरोप, कथित मारपीट और धमकी के बाद बुजुर्ग द्वारा कीटनाशक सेवन किए जाने के मामले में पुलिस परिजनों के बयान सहित अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारण और घटना से जुड़े आरोप जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे।

भरवेली, एकोड़ी और खुरपुडी में सरपंच पद के लिए शांतिपूर्वक मतदान

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले की तीन ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के निर्वाचन के लिए 29 सितंबर 2026 को निर्धारित मतदान केंद्रो पर प्रातः 07 बजे से दोपहर 03 बजे तक मतदान कराया गया। तीनों पंचायतों में शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हो गया है और कुल 62.48 प्रतिशत मतदान हुआ है। ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच पद के लिए 5, ग्राम पंचायत एकोड़ी में 4 तथा ग्राम पंचायत खुरपुडी में 2 उम्मीदवार चुनावी भाग्य आजमा रहे है। भरवेली में 55.31 प्रतिशत, खुरपुडी में 89.39 प्रतिशत एवं एकोडी में 71.73 प्रतिशत मतदान हुआ है। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थी। मतदान के लिए ग्राम पंचायत भरवेली में 15 मतदान केंद्र, ग्राम पंचायत एकोड़ी में 4 मतदान केंद्र तथा ग्राम पंचायत खुरपुडी में 2 मतदान केंद्र बनाए गए थे। 3 अक्टूबर 2026 को संबंधित विकासखंड मुख्यालय पर की जाएगी।

सरपंच पर 6 लाख रूपए के गबन का आरोप

मोहगांव खुर्द में रेत घाट के दौरान ट्रैक्टर संचालकों से विकास के नाम पर ली राशि, कलेक्टर से शिकायत

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द में रेत घाट के दौरान गांव के विकास के नाम पर ट्रैक्टर संचालकों से राशि वसूलने और करीब 6 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कलेक्टर कुमार सत्यम से शिकायत की है। मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे श्याम पटले, चित्रकांत चौधरी, मनोज मरठे, दिनेश परिहार, नितु पटले, रामप्रसाद शरणागत, लक्की पटले, जतिन बिसेन सहित एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई तथा राशि पंचायत मद में जमा कराने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द चनई नदी के किनारे स्थित है। वर्ष 2022-23 में रेत घाट संचालन के दौरान करीब 24 ट्रैक्टर संचालकों की बैठक बुलाई गई थीं। ग्रामीणों का दावा है कि बैठक में गांव के विकास कार्यों के लिए प्रत्येक ट्रैक्टर संचालक से प्रतिदिन एक पर्ची के माध्यम से 450 से 500 रुपये की राशि लिए जाने की बात तय हुई थी। उनका आरोप है कि यह राशि सरपंच फागुलाल मरठे के पास जमा होती रही।

विकास कार्यों के लिए जमा हुई राशि कहां गई?

ग्रामीणों का दावा है कि करीब एक वर्ष में इस तरह लगभग 6 लाख रुपये एकत्र हुए थे। यह राशि गांव में मंदिर मरम्मत, हाईमास्क लाइट, स्कूल मरम्मत और अन्य जनहित के कार्यों में खर्च की जानी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि राशि ग्राम पंचायत के खाते या पंचायत मद में जमा नहीं कराई गई और निर्धारित कार्य भी नहीं हुए। ग्रामीण लक्की पटले ने आरोप लगाया कि रेत घाट के समय सरपंच ने ट्रैक्टर संचालकों से विकास कार्यों के लिए राशि जमा कराई थी। बाद में जब राशि के उपयोग के संबंध में जानकारी मांगी गई तो स्पष्ट जवाब नहीं मिला। श्याम पटले का कहना है कि ट्रैक्टर संचालकों से पर्ची के माध्यम से राशि ली गई थी। ग्रामीणों का दावा है कि करीब 30 ट्रैक्टरों से प्राप्त राशि 6 लाख रुपये तक पहुंची, लेकिन गांव में विकास कार्य नहीं किया गया हैं। उन्होंने प्रशासन से दस्तावेजों की जांच और राशि के वास्तविक उपयोग का पता लगाने तथा पूरे मामले की जांच कर राशि की वसूली कर पंचायत मद में जमा कराई जाने की मांग की हैं।

पंचायत सचिव बोले- मुझे राशि जमा होने की जानकारी नहीं...

मामले में पंचायत सचिव कोमेंद्र बिसेन ने बताया कि वे वर्तमान में पदस्थ हैं और वर्ष 2022-23 के मामले की उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा पंचायत में राशि जमा होने के संबंध में जानकारी मांगी गई थी, लेकिन पंचायत मद में ऐसी कोई राशि जमा होने का रिकॉर्ड उनके संज्ञान में नहीं है। रेत घाट के दौरान कैसे, किसके द्वारा राशि ली गई, इसकी जानकारी भी उन्हें नहीं है।

सरपंच बोले- आरोप निराधार, पाइपलाइन में खर्च हुई राशि...

वहीं, सरपंच फागुलाल मरठे ने ग्रामीणों के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि रेत घाट के दौरान ट्रैक्टर संचालकों से पर्चियां ली गई थीं, लेकिन कुल राशि करीब 2.5 से 3 लाख रुपये ही थी। उनके अनुसार यह राशि जनभागीदारी के तहत छतरपुर टोली में नल-जल व्यवस्था बहाल करने के लिए पाइपलाइन कार्य में खर्च की गई। उन्होंने दावा किया कि वहां नल-जल व्यवस्था बंद थी, जिसे पाइपलाइन के कार्य के बाद दोबारा शुरू कराया गया।

चार माह से भुगतान नहीं मिलने पर मध्यान्ह भोजन रसोइयों की हड़ताल

धनौरा (स्वतंत्र मत)। मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइयों को बीते चार माह से मानदेय का भुगतान नहीं मिलने के चलते सिवनी जिले में रसोइयों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। भुगतान की मांग को लेकर मध्यान्ह भोजन रसोइया संघ द्वारा हड़ताल शुरू कर दी गई है।

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कटनी

लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स गुनरतन माइनिंग वेंचर, देवरी हटाई डोलोमाईट माईन, खसरा नं. 1230/1/1/2, 1230/1/2, 1230/2 एंड 1231, ग्राम देवरी हटाई, तहसील एवं जिला कटनी, लीज क्षेत्रफल 4.05 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता 136388 टन प्रतिवर्ष (डोलामाईट 98612, माईन वेस्ट 31896, लेटेराईट सॉयल ओ.बी. के साथ 5880 टन प्रतिवर्ष) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अग्रेंजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर, कटनी (2) कार्यालय जिला पंचायत, कटनी, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उघोग केन्द, कटनी (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम देवरी हटाई, तहसील एवं जिला कटनी, (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड कमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय, नवीन भवन पता - एन. एच. 30, जबलपुर - रीवा बायपास रोड, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा शो रूम के पास गुलवारा तहसील - मुडवारा, जिला कटनी (म.प्र.) मे कार्यालयीन समय मे किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कटनी (म.प्र.) के कार्यालय मे मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 30.10.2026 दिन शुक्रवार को प्रातः 10:00 बजे मेसर्स गुनरतन माइनिंग वेंचर, देवरी हटाई डोलोमाईट माईन, ग्राम देवरी हटाई, तहसील एवं जिला - कटनी, (म.प्र.) के परियोजना स्थल के परिसर के समीप आयोजित की जायेगी जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका / टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

गांजा के बड़े रैकेट का पर्दाफाश, उड़ीसा तक जुड़े तार

दो पिकअप से साढ़े 4 करोड़ का सवा 9 क्विंटल गांजा बरामद, कपड़ों के गट्ठरों के बीच छिपाकर तस्करी कर रहे 6 आरोपी गिरतार, आरोपियों में दो महिलाएं कटनी की

कटनी (स्वतंत्रमत)।

उड़ीसा से कटनी आ रही गांजे की एक बड़ी खेप को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो पिकअप से करीब 9 क्विंटल 19 किलो गांजा बरामद किया है। बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ 59 लाख रुपए आंकी गई है। तस्करों ने गांजे को कपड़ों के गट्ठरों के बीच छिपाकर रखा था। पुलिस ने मामले में दो महिलाओं समेत 6 आरोपियों को गिरतार किया है। इनमे से दो महिलाएं कटनी की रहने वाली हैं, जबकि चार आरोपी ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के बताए गए हैं। यह पूरी कार्रवाई छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिले में नागपुर चौकी पुलिस ने की है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गांजा ओडिशा से कटनी ले जाया जा रहा था। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक विगत दिवस नागपुर चौकी के सामने वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान ओडिशा नंबर की दो पिकअप को पुलिस ने रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहनों में रखे कपड़ों के गट्ठरों के नीचे प्लास्टिक के पैकेट और बोरियां मिलीं। जांच करने पर इनमें गांजा भरा हुआ मिला। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। दोनों पिकअप से 200 से ज्यादा पैकेट गांजा बरामद किए गए। इनका कुल वजन करीब 9.20 क्विंटल और कीमत 4 करोड़ 59 लाख रुपए है। इतनी बड़ी मात्रा में गांजा बरामद होने के बाद पुलिस ने आरोपियों से तस्करी के नेटवर्क को लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

बॉर्डर से कुछ किलोमीटर पहले कार्रवाई

बताया जाता है कि दोनों पिकअप ओडिशा से गांजा लेकर जशपुर के रास्ते छत्तीसगढ़ में दाखिल हुई थीं। इसके बाद आरोपी एनएच 43 के रास्ते आगे बढ़े। बताया गया कि वाहनों ने सरगुजा के 5 थाना क्षेत्रों, सूरजपुर के 3 और कोरिया जिले के 3 थाना क्षेत्रों को पार किया। इसके बाद दोनों वाहन नागपुर पहुंचे। मध्यप्रदेश की सीमा से कुछ किलोमीटर पहले ही पुलिस चेकिंग में तस्करी की यह बड़ी खेप पकड़ी गई। ओडिशा से गांजा तस्करी के लिए सरगुजा और सूरजपुर के रास्ते का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आती रही है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस अब इस पूरे रूट और तस्करी नेटवर्क की कड़ियों को खंगाल रही है।

फोटो : विकास गुप्ता

मुख्य तस्करों तक पहुंचने की कोशिश

पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच का फोकस गांजा कहां से लोड हुआ, इसे किसके लिए ले जाया जा रहा था और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इन बिंदुओं पर है। पुलिस को उमीद है कि आरोपियों से पूछताछ में गांजा सप्लाई करने वाले और रिसीव करने वाले मुख्य लोगों के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है।

नागरिकों की अपेक्षाओं और शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रही महापौर जनसुनवाई

महापौर श्रीमती सूरी ने जनसामान्य से किया सीधा संवाद नगर विकास में जनभागीदारी को बताया महत्वपूर्ण

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के नागरिकों की समस्याओं अपेक्षाओं और स्थानीय आवश्यकताओं को जानने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में महापौर जनसुनवाई आयोजित की गई। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी की उपस्थिति में आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने नगर निगम से संबंधित अपने प्रकरण प्रस्तुत किए और शहर की नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के माध्यम से वार्डों में मौजूद विभिन्न समस्याओं और नागरिकों की आवश्यकताओं से जुड़े कई विषय सामने आए। नागरिकों ने आवास, अतिक्रमण, सड़क, नाली, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य प्रकरण प्रस्तुत किए। महापौर ने नागरिकों के साथ सीधे संवाद करते हुए उनके प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित विभागों को त्वरित आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। महापौर सूरी ने कहा कि नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप शहर में सुविधाओं का विस्तार और व्यवस्थाओं में सुधार करना नगर निगम की प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधि और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थानीय आवश्यकताओं को समझने तथा विकास कार्यों को जनअपेक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ाने में सहायक होता है। महापौर सूरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रकरणों की समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की प्रगति पर नजर रखते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरणों के निराकरण की जानकारी भी समय पर उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी शाखाओं के प्रभारियों की मौजूदगी रही। **फोटो : विकास गुप्ता**

गोलबाजार रामलीला की नई कार्यकारिणी गठित

अशोक विश्वकर्मा बने अध्यक्ष, 4 अक्टूबर से शुरू होगा मंचन

रामनगर की धर्मराज पाठक मंडली देगी प्रस्तुति

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर में वर्ष 1884 से निरंतर चली आ रही ऐतिहासिक गोलबाजार रामलीला की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। आगामी आयोजन को लेकर भूमि पूजन समिति के उपाध्यक्ष रवि खरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष 2026 के नवीन सत्र के लिए कार्यकारिणी का सर्वसमति से गठन किया गया। सर्वसमति से अशोक विश्वकर्मा को अध्यक्ष तथा भरत अग्रवाल को सचिव चुना गया। उपाध्यक्ष पद की जिमेदारी रवि खरे, रणवीर कर्ण, राजेन्द्र सोंधिया, टिल्लू सिंघानिया, मृदुल द्विवेदी, अशोक कनकने और रामजी यादव को सौंपी गई है। गोलबाजार में 4 अक्टूबर से रामलीला का मंचन प्रारंभ होगा, जिसमें रामनगर की प्रसिद्ध धर्मराज पाठक मंडली द्वारा प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों की प्रस्तुति दी जाएगी।

इन्हें मिली प्रमुख जिमेदारियां-कार्यकारिणी में कैलाश मिश्रा (एडवोकेट) व मनीष कुमार शुला को कोषाध्यक्ष, अर्पित अग्रवाल व भगत सिंह को आय-व्यय निरीक्षक तथा कैलाश गुप्ता, शरद अग्रवाल व सैयद सादिक को कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। सहसचिव पद पर गिरधारी लाल शर्मा, मनीष शुला, आदित्य प्रकाश अग्रवाल सहित 12 सदस्यों को दायित्व मिला है। मैदान के संरक्षण व संवर्धन के लिए संजय अग्रवाल (बबलू भैया) को प्रभारी नियुत किया गया है, जो मैदान को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए आवश्यक कानूनी व प्रशासनिक कार्यवाही देखेंगे। मंच व्यवस्था महेन्द्र शर्मा व सत्यदर्शन मिश्रा, पंडाल व्यवस्था ललित गुप्ता व शिबू साहू, प्रचारप्रसार गोपाल सिंघानिया व बाल्मीक पाण्डेय तथा दशहरा जुलूस व चल समारोह समन्वय की कमान गोपाल सिंघानिया, आशीष तिवारी व नीरज चौदहा को सौंपी गई है।

स्पा सेंटर में किसकी पार्टनरशिप...पता लगा रही पुलिस

पूछताछ में स्पा सेंटर संचालक ने उगले कई राज

पुलिस ने पन्ना से किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर में संचालित दो स्पा सेंटरों में महिला पुलिस द्वारा विगत दिनों की कार्रवाई के बाद अब मामले में फरार चल रहे आवा स्पा सेंटर संचालक रामदयाल विश्वकर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्पा सेंटर मैं खुद को झाड़ू पोछा का काम करने की बात कही है। उसका कहना है कि सेंटर में होने वाली अन्य गतिविधियों के बारे में उसे जानकारी नहीं थी, हालांकि पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को कई लोगों के नाम बताए हैं। अब पुलिस इन सभी नामों और उनकी स्पा सेंटर से जुड़ी भूमिका की जांच कर रही है। महिला पुलिस के अनुसार आवा स्पा सेंटर का रजिस्ट्रेशन रामदयाल विश्वकर्मा के नाम पर था। कार्रवाई के बाद से पुलिस संचालक की तलाश कर रही थी। उसके पन्ना में होने की जानकारी मिलने के बाद टीम ने उसे गिरफ्तार किया और पूछताछ के लिए कटनी लाया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने स्पा सेंटर में अपनी भूमिका सीमित बताते हुए कहा कि वह वहां केवल साफ सफाई का काम करता था। सेंटर में आने वाले लोगों और वहां होने वाली गतिविधियों के संबंध में उसे जानकारी नहीं होने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा कुछ लोगों के नाम बताए गए हैं। अब इन लोगों के सेंटर से संबंध, उनकी भूमिका और गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

एसपी के निर्देशन पर दबिश

एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन पर महिला पुलिस और अधिकारियों की संयुक्त टीम ने शहर के दो स्पा सेंटर्स नेचुरल थाई स्पा सेंटर और आवा स्पा सेंटर पर दबिश दी थी। इस कार्रवाई में 10 युवतियों और 7 युवकों को आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ा गया था। पुलिस ने जब पूछताछ की तो पता चला कि इस गंदे खेल का जाल अंतरराज्यीय स्तर पर फैला था। मौके से उार पूर्वी राज्यों, भूटान, हरियाणा, बंगाल, आगरा और मुंबई की महिलाएं व कुछ नाबालिग बालिकाएं भी बरामद की गईं।

इन पर हुई थी कार्रवाई

मामले में अब तक नेचुरल थाई स्पा सेंटर से पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर स्पा मालिक कविता सिंह 28 वर्ष और सह मालिक मैनेजर सबा शेख 23 वर्ष को जेल भेज दिया गया है। वहीं आवा स्पा सेंटर के कथित संचालक वहां झाड़ू पोछा लगाने वाले रामदयाल विश्वकर्मा समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और अन्य सफेदपोशों की तलाश जारी है।

इनका कहना है

महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर ने बताया कि आवा स्पा सेंटर के संचालक रामदयाल विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया है। सेंटर का रजिस्ट्रेशन भी उसी के नाम पर था। पूछताछ में सामने आए नामों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मामले में फिलहाल पूछताछ और दस्तावेजों की जांच जारी है। सामने आए नामों की भूमिका स्पष्ट होने के बाद ही उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अन्य संदिग्धों की जानकारी भी जुटा रही है।

समय-सीमा की बैठक

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के समय-सीमा प्रकरणों जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति सीएम हेल्पलाइन सहित शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं अभियानों की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई बैठक में सीएम हेल्पलाइन में जिले की छठवीं रैंक होने की जानकारी दी गई कलेक्टर ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण करते हुए निर्धारित समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कौशल की राह पर बढ़ते कदम, कटनी की सभी शासकीय आईटीआई की सभी सीटें फुल

कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन की सराहना

कटनी (स्वतंत्रमत)। किसी युवा के हाथ में हुनर हो तो उसके सपनों को मंजिल तक पहुंचने का रास्ता आसान हो जाता है। इसी सोच को साकार करते हुए कटनी जिले ने कौशल विकास के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रवेश सत्र 2026 में जिले की सभी सात शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं की सभी 788 सीटों पर शत-प्रतिशत प्रवेश हुआ है। यानी जितनी सीटें थीं, उतने ही विद्यार्थियों ने दाखिला लिया और प्रवेश का आंकड़ा सीधे सौ-प्रतिशत पर पहुंच गया। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ जिले की शासकीय आईटीआई में उपलब्ध सभी सीटें भर गईं। 788 प्रवेशों में 544 पुरुष और 244 महिला विद्यार्थी शामिल हैं। कुल प्रवेश में बेटियों की भागीदारी 30.96 प्रतिशत रही, जो तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में युवतियों की बढ़ती रुचि को भी रेखांकित करती है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य कौशल

विकास एवं रोजगार सृजन बोर्ड, भोपाल अदिति गर्ग, ने कलेक्टर कटनी आशीष तिवारी को प्रशस्ति पत्र प्रेषित कर बधाई दी है। प्रशस्ति पत्र में जिले की सभी शासकीय आईटीआई में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर तिवारी के सहयोग एवं मार्गदर्शन की विशेष रूप से सराहना की गई है। शासकीय आईटीआई केवल प्रशिक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को कौशल और आत्मविश्वास देने का माध्यम हैं। यहां विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में व्यावहारिक और रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी प्रशिक्षण पूरा करने के बाद रोजगार, स्वरोजगार और उद्योगों में रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार होते हैं। शासकीय आईटीआई के प्राचार्य देवेश मिश्रा और जिला रोजगार कार्यालय के अनिल तिवारी ने कलेक्टर तिवारी से भेंट कर उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया। **फोटो : विकास गुप्ता**

कलेक्टर जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर तिवारी अब तक 67 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा,एसडीएम कटनी जितेन्द्र पटेल, लोकसेवा जिला प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

दीपावली पर पटाखा विक्रय के लिए ऑनलाइन जारी होंगे अस्थाई लाइसेंस

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर आतिशबाजी के फुटकर विक्रय के लिए अस्थाई अनुज्ञप्ति जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इच्छुक आवेदकों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्राप्त कर उनकी विधिवत जांच एवं संबंधित अधिकारियों के अभिमत के आधार पर अस्थाई लाइसेंस ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। अस्थाई अनुज्ञप्ति की अवधि धनतेरस से ग्यारस तक 15 दिवस निर्धारित की गई है। इस संबंध में अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा ने आयुक्त, नगर निगम सहित सभी एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्र लिखा है।

एमपी सर्विसेज पोर्टल से होंगे आवेदन

अस्थाई आतिशबाजी विक्रय अनुज्ञप्ति के लिए इच्छुक आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रारूप एई-5 में 500 रुपये के बैंक चालान (मद 0070-60103) के साथ आवेदन करना होगा। संबंधित अनुविभागीय अधिकारी आवेदनों की जांच कर प्रतिवेदन एवं अभिमत प्राप्त करने के बाद ऑनलाइन अनुज्ञप्ति जारी करने की कार्यवाही करेंगे। आवेदन प्रक्रिया के लिए एमपी सर्विसेज पोर्टल के माध्यम से अनुभागवार यूजर आईडी उपलब्ध कराई गई हैं। जारी अनुज्ञप्तियों की प्रतियां जिला कार्यालय को भी भेजी जाएंगी।

एलएसडीए मॉड्यूल से ऑनलाइन जारी होंगे अनुज्ञापत्र

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के निर्देशों के अनुसार विस्फोटक नियमों के तहत जारी होने वाली एनओसी एवं विस्फोटक परिसरों से संबंधित अनुज्ञप्तियां ऑनलाइन माध्यम से एलएसडी, मॉड्यूल के जरिए जारी की जाएंगी। इनमें दीपावली पर्व पर अस्थाई पटाखा विक्रय के अनुज्ञापत्र भी शामिल हैं।

आबादी से दूर सुरक्षित स्थानों पर लगेंगे पटाखा बाजार

सुरक्षा एवं जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए आतिशबाजी के फुटकर विक्रय के लिए आबादी क्षेत्र से दूर सुरक्षित स्थलों का संयुक्त रूप से चयन करने के निर्देश दिए गए हैं। चयनित स्थलों पर शर्तों के साथ पटाखा विक्रय बाजार लगाने की अनुमति दी जाएगी। इन स्थलों का लेआउट निर्धारित सुरक्षा मापदंडों के अनुरूप तैयार कराया जाएगा। निर्देशों के तहत जारी अस्थाई अनुज्ञप्तियों तथा तैयार किए गए लेआउट की एक-एक प्रति उपसंचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग तथा जिला कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने लापरवाह अधिकारियों के प्रति जताई नाराजगी

समय-सीमा बैठक में की विभागीय योजनाओं

सीएम हेल्पलाइन और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में कहा कि सभी अधिकारी बैठक में तैयारी और अद्यतन जानकारी के साथ आयें और शिकायतों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत कम पंजीयन पर नाराजगी जाहिर करते हुये महिला एवं बाल विकासखंड परियोजना विजयराघवगढ़ के परियोजना अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बैठक में समय-सीमा के लंबित पत्रों की जानकारी के बिना आने पर मार्कफेड के अधिकारी के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुये उन्होंने इस संबंध में मार्कफेड के प्रबंध संचालक (एमडी) को पत्र लिखकर अवगत कराने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने पटवारियों के लंबित विभागीय जांच प्रकरणों की जानकारी एसएलआर को प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर एवं अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क मरम्मत के कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश-कलेक्टर ने नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम अब समाप्त हो गया है, इसलिये सभी विभाग सड़क मरम्मत से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं, ताकि आवागमन में नागरिकों को परेशानी न हो।

ठेकेदारों और हितग्राहियों का करें शीघ्र भुगतान-कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठेकेदारों के भुगतान सहित चाय-नाश्ताए फोटोकॉपी सहित विभिन्न मदों के भुगतान तथा हितग्राहियों के देयकों का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण हेतु मिली सराहना-कलेक्टर तिवारी ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में कटनी जिले को प्रदेश में द्वितीय स्थान मिलने पर सराहना करते हुये सभी विभागों को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 2 अक्टूबर को पहाड़ी में आयोजित होने वाले आगामी शिविर हेतु चयनित सीएम हेल्पलाइन एवं लोकसेवा गारंटी अधिनियम की शिकायतों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं में लायें अपेक्षित प्रगति-कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान अनमोल पोर्टल पर गर्भवती माताओं की एएनसी जांच एवं एनीमिया के मामलों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा-कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा करते हुए परियोजना ढीमरखेड़ा एवं कटनी शहरी में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजनाए जन्म प्रमाण पत्र, चिन्हांकित सैम एवं मैम बच्चों की स्थिति की भी समीक्षा की।

न्यायालयों व आयोगों से जुड़े मामलों में दें प्रतिवेदन-कलेक्टर ने नगर निगम, जिला पंचायत, एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित जिला अधिकारियों को अपने विभागों से जुड़े अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग और मानवाधिकार आयोग तथा बाल संरक्षण आयोग, लोकायुक्त एवं सीएम मॉनिट और उच्च न्यायालय से संबंधित प्रकरणों के मामलों में समय पर प्रतिवेदन और जवाब दावा करने के निर्देश दिए।

पीएम किसान ई-केवाईसी का कार्य एक सप्ताह में पूरा करें-राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना, डिजिटाइजेशन एवं पीएम किसान ई-केवाईसी की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने 30 सितंबर तक खरीफ गिरदावरी का कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के लंबित एवं स्वीकृत प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी कराने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से नगर निगम को पीएम स्वनिधि योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में समस्त एसडीएम, उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पाण्डेय, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विमल चौरसिया, सहायक संचालक मत्स्योद्योग आशीष नायक, पंकज कोरी उपस्थित थे।

भारत ने महिला 4×400 मीटर रिले में जीता स्वर्ण

चार कांस्य पदक भी मिले

आइची नागोया (वार्ता)।

भारत की किरण पहल, मचेत्तिरा राजू पूवम्मा, प्राची चौधरी और विथ्या रामराज ने महिलाओं की 4×400 मीटर रिले में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फ़ाइनल में 3:29.69 का समय लिया। यह आइची-नागोया 2026 में एथलेटिक्स में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। बहरीन ने 3:30.21 के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि चीन ने 3:31.02 के समय के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।।

गुलवीर सिंह ने 5000मी में जीता कांस्य

गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000मी रेस में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता, उन्होंने 13:32.75 का समय निकालकर आइची-नागोया 2026 में अपना तीसरा मेडल जीता। गुलवीर बहरीन के बिरहानू बालेव (13:30.79) और जापान के टोमोनोरी यामागुची (13:31.43) से पीछे रहे, और 1500मी और 10000मी में अपने सिल्वर मेडल के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल भी जोड़ा। अब वह इन एशियन गेम्स में सबसे ज़्यादा इंडिविजुअल मेडल जीतने वाले भारतीय एथलीट हैं। इस इवेंट में हिस्सा लेने वाले दूसरे भारतीय अविनाश साबले ने शुरुआत नहीं की।

पुरुष 4×400 मीटर रिले टीम ने जीता कांस्य पदक

धरमवीर चौधरी, मनु टीएस, जय कुमार और विशाल टीके ने पुरुष 4×400 मीटर रिले में 3:01.61 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। जापान ने 3:00.75 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कतर ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 3:00.93 के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। भारत ने अंतिम चरण में थाईलैंड को पीछे छोड़ते हुए विशाल टीके के शानदार प्रदर्शन की बदौलत कांस्य पदक पक्का किया।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ मिश्रित 4×100 मीटर रिले टीम ने जीता कांस्य

गुरिंदरवीर सिंह, स्नेहा एसएस, अनिमेष कुजूर और हरिता भद्रा की भारतीय चौकड़ी ने 41.06 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ मिश्रित 4×100 मीटर रिले में कांस्य पदक जीता। चीन ने 40.78 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि थाईलैंड ने 40.87 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। गुरिंदरवीर ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, जबकि स्नेहा ने दूसरे लेग में इस लय को बरकरार रखा। इसके बाद हरिता ने एंकर लेग में मजबूत प्रदर्शन करते हुए भारत को कांस्य पदक दिलाया। भारतीय टीम का 41.06 सेकंड का समय पिछले 41.35 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर रहा।

महिला हैमर थ्रो में तान्या चौधरी चौथे स्थान पर रहीं

तान्या चौधरी महिलाओं की हैमर थ्रो में 65.35 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि हमवतन अनुष्का यादव 64.56 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। देव मीणा पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 5.50 मीटर की ऊंचाई पार करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया; उन्होंने यह ऊंचाई अपनी दूसरी कोशिश में हासिल की। कुलदीप कुमार ने 5.35 मीटर की ऊंचाई पार की और 10वें स्थान पर रहे। देव मीणा ने अपनी दूसरी कोशिश में 5.50 मीटर की ऊंचाई पार करके अपना ही नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। 5.50 मीटर की ऊंचाई पार करने के साथ ही उन्होंने 5.46 मीटर के उस रिकॉर्ड को बेहतर किया, जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। कुलदीप कुमार तीनों कोशिशों में 5.50 मीटर की ऊंचाई पार नहीं कर पाए। उन्होंने 5.35 मीटर की ऊंचाई पार की और 10वें स्थान पर रहे।

800 मीटर फ़ाइनल में मोहम्मद अफ़सल आठवें स्थान पर रहे

मोहम्मद अफ़सल पुरुषों के 800 मीटर फ़ाइनल में आठवें स्थान पर रहे। उन्होंने 1:48.27 का समय लिया और इस इवेंट में लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में पोडियम पर जगह बनाने से चूक गए। अफ़सल ने हांगझोउ में हुए पिछले एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल जीता था।

पूजा ओल्ला महिलाओं की 800 मीटर फ़ाइनल में सातवें स्थान पर रहीं। उन्होंने मुश्किल हालात के बीच 2:06.72 का समय लिया।

नीरू ढांडा बनीं भारत की पहली महिला ट्रैप चैंपियन

टीम ने जीता सिल्वर मेडल

आइची नागोया (वार्ता) एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को महिला ट्रैप इवेंट में एशियन रिकॉर्ड के साथ नीरू ढांडा ने गोल्ड मेडल जीता। इससे कुछ घंटे पहले ही उन्होंने टीम शूटिंग इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में मदद की थी। 26 साल की भारतीय शूटर ने आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में हुए फाइनल में 30 में से 28 टारगेट पर निशाना साधा। वे सिर्फ दो बार चूकीं और चीन की सुन युनोंग से दो अंक आगे रहीं। कुवैत की हजर अब्दुलमलिक ने 21 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। नीरू के 28 अंक ने 24 के पिछले एशियन रिकॉर्ड को बेहतर किया और वे किसी भी शॉटगन इवेंट में एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वे एशियन गेम्स में वूमेंस ट्रैप इवेंट में भारत की पहली इंडिविजुअल मेडलिस्ट भी बन गईं। यह इवेंट पहली बार 1990 के बीजिंग गेम्स में खेला गया था।

सुरुची सिंह और कमलजीत के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम का खिताब जीतने के बाद एशियन गेम्स 2026 में शूटिंग में भारत के लिए यह दूसरी गोल्ड मेडल जीत थी। नीरू ने फाइनल की शुरुआत लगातार पांच सटीक निशानों के साथ की, लेकिन दूसरी सीरीज में एक टारगेट में चूक गईं। इसके बाद उन्होंने लगातार दो सटीक सीरीज के साथ वापसी की और 20 टारगेट में से 19 पर निशाना साधा, जिससे वे अपनी करीबी प्रतिद्वंद्वियों से दो अंक आगे हो गईं।

पांचवीं सीरीज में नीरू सिर्फ एक बार चूकीं और फिर आखिरी पांच निशानों में भी सटीक निशाना लगाकर 28 अंक के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया। उन्होंने तीन दिन तक चले क्वालिफिकेशन राउंड में भी 125 में से 118 अंकों के साथ टॉप किया था। नीरू कतर की रे बासिल के बराबर अंकों पर रहीं और फिर पहले स्थान के लिए हुए शूट-ऑफ में जीत हासिल की।

इससे पहले दिन में, नीरू ढांडा ने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ मिलकर वूमेंस ट्रैप टीम इवेंट में 328 के कंबाइंड स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता था। नीरू ने अपने 118 अंकों के साथ भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

पूजा सिंह ने महिलाओं की हाई जंप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता

आइची नागोया, (वार्ता) भारत की पूजा सिंह ने महिलाओं की हाई जंप में 1.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीन बार नाकाम रहने के बाद, उन्हें काउंटबैक नियम के आधार पर यह मेडल मिला। नेशनल रिकॉर्ड होल्डर, 19 साल की पूजा ने 1.70 मीटर, 1.75 मीटर, 1.80 मीटर और 1.84 मीटर की ऊंचाइयों को अपने पहले ही प्रयास में पार किया और पोडियम पर आखिरी जगह पक्की की।

युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश पुरुष युगल के क्वाफा में

आइची नागोया (वार्ता) भारत के युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश ने कजाकिस्तान के बेइबित झुकायेव और डेनिस येवसेयेव को 6-1, 7-5 से हराकर टेनिस के पुरुष युगल के क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई। दक्षिणेश्वर सुरेश ने आज इससे पहले अपना मेन्स सिंगल्स का दूसरे दौर का मैच भी जीता। भारत के अनिरुद्ध चंद्रशेखर और एन. श्रीराम बालाजी भी पुरुष युगल के क्वार्टर फ़ाइनल में पहुँच गए हैं।

भारत की 2027 वर्ल्ड कप तैयारियों को पुख्ता करने के साथ सीरीज़ जीत पर नज़र

गुवाहाटी (वार्ता)। तिरुवनंतपुरम में विराट जीत के बाद भारतीय टीम अब गुवाहाटी पहुंच गई है। मैदान और माहौल में बड़ा बदलाव ज़रूर है, लेकिन दोनों टीमों के लक्ष्य बहुत ज़्यादा नहीं बदले हैं। सबसे पहले तो दोनों ही टीमें जीतना चाहेंगी। भारत की नज़र सीरीज़ अपने नाम करने पर होगी, जबकि वेस्टइंडीज़ सीरीज़ में बने रहना चाहेगा। भारत की अगली प्राथमिकता 2027 वर्ल्ड कप के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ 15 सदस्यीय टीम तय करने की दिशा में एक और क़दम आगे बढ़ाने पर है।

इस सीरीज़ की शुरुआत भारत ने तीन ऑलराउंडरों और सिर्फ़ तीन विशेषज्ञ गेंदबाज़ों के दिलचस्प संयोजन के साथ की थी और गुवाहाटी में भी इसी संयोजन को जारी रखने की उम्मीद है। क्या नीतीश कुमार रेड्डी नई गेंद से गेंदबाज़ी करते रहेंगे? लगातार दूसरे वनडे में नमन धीर की ऑफ़ब्रेक गेंदबाज़ी देखने को मिलेगी? और एशियन गेम्स में अक्षर पटेल की ग़ैरमौजूदगी के बीच क्या रवींद्र जडेजा वर्ल्ड कप की टीम में अपनी जगह के लिए मज़बूत दावा पेश कर पाएंगे? तो वहीं वेस्टइंडीज़ के सामने फ़रवरी-मार्च में होने वाला वर्ल्ड कप क्वालिफ़ायर की चुनौती है, जिसके लिए उन्हें अपनी तैयारी करनी है। ऐसे में टीम तिरुवनंतपुरम में दिखी अच्छी चीज़ों को आगे बढ़ाना चाहेगी और सीरीज़ के बाक़ी मैचों में हर विभाग में बेहतर और संतुलित प्रदर्शन करना चाहेगी। पहले वनडे में उसकी बल्लेबाज़ी ने काफ़ी उम्मीद जगाई थी, जिसे एक बार फिर वे दोहराना चाहेंगे। गेंदबाज़ी में विकेट लेने की क्षमता बढ़ाना भी उनकी बड़ी ज़रूरत होगी। इसके लिए टीम अपनी बल्लेबाज़ी की गहराई से थोड़ा समझौता करके शमार जोसेफ़ या लेफ़्ट-आर्म रिस्ट स्पिनर विटेल लेविस में से किसी एक को टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है।

भारत के लिए पांचवें गेंदबाज़ की चिंता

नीतीश कुमार रेड्डी ने पहले वनडे की शुरुआत 17 रन के ओवर से की थी। उन्होंने कई बार गेंद ज़रूरत से ज़्यादा आगे डाली और जस्टिन ग्रीव्स ने उनके ओवर में चार चौके जड़ दिए। यह मैच का दूसरा ओवर था और भारत ने पावरप्ले में इसके बाद उन्हें दोबारा गेंद नहीं दी। हालांकि, बाद में उन्होंने वापसी की और अपने आख़िरी चार ओवरों में काफ़ी अच्छी गेंदबाज़ी की। पारी के आख़िरी ओवर में उन्होंने सिर्फ़ सात रन दिए और एक विकेट भी हासिल किया। हार्दिक पंड्या की फ़िटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं, ऐसे में 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान रेड्डी भारत के लिए अहम खिलाड़ी बन जाते हैं। हाल के महीनों में उन्होंने अपनी रफ़्तार में भी इज़ाफ़ा किया है और भारत चाहेगा कि उनकी गेंदबाज़ी लगातार बेहतर होती जाए, ताकि उन्हें सभी फ़ॉर्मेट में वर्ल्ड-क्लास सीम गेंदबाज़ी ऑलराउंडर के तौर पर तैयार किया जा सके। पहले वनडे में पांचवें गेंदबाज़ का भार नीतीश रेड्डी और नमन धीर के कंधों पर था। इन दोनों के 10 ओवर मिला दिए जाए तो 78 रन आए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम के सामने दक्षिण कोरिया की चुनौती

काकामिघारा (वार्ता)। भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के 44 साल के इंतजार को खत्म करने की दिशा में एक और कदम उठाना चाहेगी जब उसका सामना दक्षिण कोरिया से होगा। सेमीफाइनल कावासाकी जुको स्टेडियम में बुधवार को खेला जाएगा। पांच मैचों में पांच जीत के साथ पूल बी चरण में आगे बढ़ने के बाद, भारतीय टीम आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में उतरेगी, लेकिन दक्षिण कोरियाई पक्ष द्वारा पेश की गई चुनौती के प्रति सचेत रहेगी, जिसने एक मजबूत अभियान का भी आनंद लिया है। भारत पूल बी में शानदार रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर रहा और इस दौरान उसने शानदार गोल स्कोरिंग भी की। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत उज्बेकिस्तान पर 19-0 से जीत के साथ की, इसके बाद इंडोनेशिया के खिलाफ 17-1 से जीत दर्ज की और फिर थाईलैंड पर 20-1 से जीत दर्ज की। मेजबान जापान पर 3-1 की कठिन जीत ने सुनिश्चित किया कि भारत ने अपनी जीत की गति जारी रखी, इससे पहले कि उन्होंने पूल चरण का समापन किया सिंगापुर पर 7-0 से शानदार जीत के साथ ।

चीनी, चावल, गेहूं और तेलों के भाव टूटे, दालों में तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चीनी की औसत कीमत गिर गयी। चीनी के साथ चावल, गेहूं और खाद्य तेल भी सस्ते हुए जबकि दालों की कीमतों में तेजी रही। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 11 रुपये टूटकर 5,155 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। वहीं, गुड़ की कीमत 20 रुपये बढ़कर 5,918 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 10 पैसे घटकर 56.07 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये घटकर 4,185 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं नौ रुपये सस्ता हुआ और 2,880 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव 13 रुपये टूट गया। दाल-दलहनों में तेजी रही। चना दाल की औसत कीमत 20 रुपये और तुअर दाल की 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल चार रुपये और मसूर दाल तीन रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल की कीमत पिछले कारोबारी दिवस पर ही पड़ी रही।

मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का दिसंबर वायदा 38 रिंगिट टूटकर 4,629 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.20 प्रतिशत की बढ़त में 68.47 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजार में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 54 रुपये और सरसों तेल की 43 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। पाम ऑयल 20 रुपये फिसल गया। मूंगफली तेल, वनस्पति और सोया तेल 12-12 रुपये प्रति क्विंटल सस्ते हुए। दाल चना 8,139.90 रुपये, मसूर काली 8219.16 रुपये, मूंग दाल 10238.82 रुपये, उड़द दाल 11373.20 रुपये, तुअर दाल 11653.55 रुपये प्रति क्विंटल रही।अनाज गेहूं दड़ा 2879.81 रुपये और चावल 4184.94 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3342.01 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

मोरक्को में एसपीजीसीएल की खनिज प्रसंस्करण इकाई में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू

नयी दिल्ली (वार्ता) श्री प्रियंका जियो कॉमेक्स लिमिटेड (एसपीजीसीएल) ने मोरक्को में अपनी खनिज प्रसंस्करण इकाई में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। यह इकाई ग्रैविटी आधारित पृथक्करण प्रक्रिया के जरिये बैराइट की गुणवत्ता और ग्रेड में सुधार के लिए स्थापित की गई है। पूरी क्षमता पर यह इकाई सालाना करीब 72,000 टन कच्चे बैराइट का प्रसंस्करण कर सकेगी। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि यह इकाई शुरू होने से मोरक्को में उसके खनिज परिचालन में खनन और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति के बीच एक महत्वपूर्ण प्रसंस्करण चरण जुड़ गया है।

ग्रैविटी आधारित पृथक्करण के जरिये आपूर्ति श्रृंखला में आगे भेजे जाने से पहले बैराइट की गुणवत्ता और ग्रेड में सुधार किया जाएगा। इससे कंपनी को केवल कच्चे माल के निष्कासन और आपूर्ति पर निर्भर रहने की बजाय खनिज मूल्य श्रृंखला में प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन की भूमिका को मजबूत करने में मदद मिलेगी।एसपीजीसीएल के पूर्णकालिक निदेशक वीर विक्रम नुथलापति ने कहा कि मोरक्को में खनिज प्रसंस्करण इकाई में वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत कंपनी के एकीकृत खनिज परिचालन के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लावा ने पेश किया शार्क 2 प्रो 5जी स्मार्टफोन

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू स्मार्टफोन ब्रांड लावा इंटरनेशनल ने मंगलवार को अपने शार्क सीरीज के तहत नया स्मार्टफोन शार्क 2 प्रो 5जी पेश किया, जिसकी कीमत 16,699 रुपये रखी गयी है। कंपनी के अनुसार, फोन में 6.75 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले, 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 6000 एमएएच की बैटरी दी गयी है। यह फोन ऑक्टा-कोर यूनिसॉक टी8200 प्रोसेसर से लैस है। इसमें छह जीबी रैम के साथ अतिरिक्त छह जीबी वर्चुअल रैम और 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज दी गयी है। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड के जरिये एक टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। शार्क 2 प्रो 5जी में 50 मेगापिक्सल का एआई रियर कैमरा और आठ मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है। रियर कैमरे में नाइट मोड, एचडीआर, पोर्ट्रेट, फिल्म, प्रो मोड और मोशन फोटो जैसे फीचर दिये गये हैं। फोन में डुअल-व्यू वीडियो और 2के वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा भी है।

कंपनी ने बताया कि शार्क 2 प्रो 5जी की कीमत 16,699 रुपये है। यह वित्तीय योजनाओं के साथ देशभर के ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के माध्यम से उपलब्ध है। कंपनी फोन के साथ एक साल की हैंडसेट रिप्लेसमेंट वारंटी और एक्सेसरीज पर छह महीने की वारंटी दे रही है।फोन में 6000 एमएएच की बैटरी के साथ 18 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है। यह डुअल 5जी सिम, ब्लूटूथ 5.4 और हाइब्रिड सिम स्लॉट को सपोर्ट करता है। सुरक्षा के लिए इसमें साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर और फेस अनलॉक की सुविधा है। यह फोन एंड्रॉयड 16 ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है।

कच्चे तेल में नरमी से रुपया दो पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से मंगलवार को रुपया दो पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.95 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 22 पैसे टूटकर 95.97 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत छह पैसे की गिरावट में 96.03 रुपये प्रति डॉलर पर हुई। सुबह के कारोबार में ही यह 96.15 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और प्रमुख सूचकांक छह महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लाल निशान में खुला और शुरुआती कारोबार में ही करीब 708 अंक लुढ़क गया। अंत में यह 242.65 अंक (0.33 प्रतिशत) नीचे 72,529.07 अंक पर बंद हुआ जो 30 मार्च के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी लगभग सेंसेक्स जैसा ही रहा। यह 64.05 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,716.20 अंक पर बंद हुआ। यह इसका भी 02 अप्रैल के बाद का निचला स्तर है। इससे पहले सोमवार को दोनों प्रमुख सूचकांक डेढ़ फीसदी से ज्यादा टूटे थे। वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.04 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.81 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेक्टर आधारित समूहों में रसायन समूह का सूचकांक 2.31 फीसदी टूट गया। ऑटो, आईटी, एफएमसीजी और रियल्टी समूहों में एक से दो प्रतिशत तक की गिरावट रही। बैंकिंग, वित्त और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे। धातु, फार्मा, मीडिया और स्वास्थ्य समूहों में तेजी देखी गयी। एनएसई में जिन 3,679 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,038 के शेयरों में गिरावट और 1,529 में तेजी रही। अन्य 112 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में 18 के शेयर लाल निशान में रहे। टाइटन का शेयर 2.72 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 2.29 प्रतिशत गिर गया।

टीसीएस में 1.72 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.57, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.53, टेक महिंद्रा में 1.48, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.45, इटरनल में 1.22, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.21, बजाज फाइनेंस में 1.17 और मारुति सुजुकी में 1.17 प्रतिशत की गिरावट रही।

मध्यप्रदेश की हर विधानसभा में विकसित होंगे सर्वसुविधायुक्त सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : सारंग

खेल सुविधाओं के साथ फिटनेस सेंटर, चेंजिंग रूम, उपकरण कक्ष और दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष सुविधाएं होंगी

भोपाल (स्वतंत्र मत)

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय स्थित समिति कक्ष में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश में निर्माणाधीन सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकसित किए जा रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण, उपलब्ध कराई जाने वाली खेल सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचना को लेकर तैयारी का जायजा लिया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में खेल अधोसंरचना को व्यापक स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की अवधारणा का उद्देश्य प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को उनके अपने क्षेत्र में आधुनिक एवं बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए स्थानीय स्तर पर

सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

एक ही परिसर में अनेक खेलों की सुविधा

सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विभिन्न खेलों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। परिसर में बैडमिंटन, एथलेटिक्स ट्रैक, मार्शल आर्ट, टेबल टेनिस, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और फुटबॉल जैसे खेलों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सुविधाओं के माध्यम से बच्चों, युवाओं और स्थानीय खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास एवं प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

फिटनेस सेंटर से लेकर उपकरण कक्ष तक

सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में केवल खेल मैदान ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सहायक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। परिसर में फिटनेस सेंटर, एडमिन ब्लॉक, उपकरण कक्ष, चेंजिंग रूम, इलेक्ट्रिकल रूम और फायर सेफ्टी सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इन सुविधाओं का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के दौरान आवश्यक सभी मूलभूत सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराना है।

स्थानीय प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर

मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में गुणवत्ता, उपयोगिता और खिलाड़ियों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इन परिसरों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए।

खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि उन्हें बेहतर मैदान, प्रशिक्षण, उपकरण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। विधानसभा स्तर पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित होने से स्थानीय प्रतिभाओं को शुरुआती स्तर से ही बेहतर वातावरण मिलेगा और उन्हें जिला, संभाग, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

हर विधानसभा में बनेगा हेलीपैड

सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेल सुविधाओं के साथ आपातकालीन सेवाओं को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड का भी प्रावधान किया जा रहा है। प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकसित किए जा रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हेलीपैड की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन एवं त्वरित राहत सेवाओं के संचालन के लिए किया जा सकेगा। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण एवं आगामी कार्ययोजना से संबंधित प्रगति की जानकारी मंत्री श्री सारंग को दी।

जलस्तर घटा तो सामने आया विसर्जन का मलबा

हटा (स्वतंत्र मत)

सुनार नदी की सीढ़ियों पर बिखरे गणेश प्रतिमाओं के अवशेष

अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद अब सुनार नदी का जलस्तर घटने लगा है। पानी कम होते ही नदी के घाटों की सीढ़ियों पर विसर्जित गणेश प्रतिमाओं के अवशेष, कचरा और सिल्ट दिखाई देने लगी है। कई स्थानों पर पीओपी से बनी प्रतिमाएं पूरी तरह विसर्जित नहीं हो सकीं और साबुत अवस्था में ही सीढ़ियों के किनारे पड़ी नजर आ रही हैं। अनंत चतुर्दशी के दिन सुनार नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ था। नगर के विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया। उस समय बढ़े हुए जलस्तर के कारण विसर्जन सामग्री पानी में चली गई थी लेकिन अब जलस्तर कम होने के बाद घाटों की वास्तविक स्थिति सामने आने लगी है। सीढ़ियों और घाटों के किनारों पर प्रतिमाओं के अवशेष के साथ बड़ी मात्रा में सिल्ट और कचरा जमा दिखाई दे रहा है। घाटों की इस स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से तत्काल सफाई कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद घाटों की सफाई का मुद्दा शांति समिति की बैठकों में भी उठाया जा चुका है। विसर्जन समाप्त होते ही घाटों की सफाई शुरू कराने की आवश्यकता बताई गई थी ताकि धार्मिक आस्था से जुड़े इन घाटों पर स्वच्छता बनी रहे। लोगों ने मांग की है कि सुनार नदी के सभी प्रमुख घाटों पर सफाई अभियान चलाकर प्रतिमाओं के अवशेष कचरा और सिल्ट हटाई जाए तथा घाटों की सीढ़ियों को साफ कर व्यवस्थित किया जाए। सीएमओ राजेंद्र खरे ने बताया कि हजारी घाट की सफाई करा जा चुकी है। नावघाट की सफाई भी जल्द कराई जाएगी।

मेहनत, पूर्ण संवेदनशीलता एवं समर्पण भाव से कार्य करें : कलेक्टर

स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक में दिए दिशा निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार दर्ज किया जा रहा है। ऐसे ही मेहनत से पूर्ण संवेदनशीलता एवं समर्पण भाव से काम करें। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति को निरंतर बेहतर बनाने के लिए जहां उपलब्धि है उसे बनाए रखने और जहां कमी है वहां कारण जानकर कार्ययोजना के साथ सुधार सुनिश्चित किया जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने स्वास्थ्य एवं पोषण की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में सीएमएचओ सहित जिले के सभी स्वास्थ्य अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी और संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा दौरान मातृ स्वास्थ्य सूचकांकों में गर्भवती पंजीयन में प्रगति के साथ मातृ एवं शिशु मृत्यु अनुपात में भी सुधार परिलक्षित हुआ है। जिले का मातृ मृत्यु अनुपात एमएमआर 97.4 है जो राज्य के 122 की तुलना में बेहतर स्थिति दर्शाता है। इसी अवधि में शिशु मृत्यु दर सीडीआर 25.2 प्रति एक हजार जीवित जन्म दर्ज की गई जो राज्य औसत 27 से बेहतर स्थिति दर्शाता है। स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं में हुई प्रगति के साथ जिन क्षेत्रों में अभी और सुधार की आवश्यकता है, उन्हें चिन्हित कर आज जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक में विशेष रूप से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने गैर संचारी रोगों की समय से पहचान एवं उपचार हेतु 30 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों की नियमित रूप से रक्तचाप एवं रक्त शर्करा की जांचए नियमित फॉलोअप तथा उपचार में समयबद्ध कार्य सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 1 अप्रेल से 22 सितम्बर तक संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों यथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण, गैर-संचारी रोग एवं कृमि मुक्ति दिवस तैयारियों की समीक्षा की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उपलब्धियों का आंकलन कर उन संकेतकों की भी पहचान की गई जिनमें और सुधार की आवश्यकता है ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

बैठक में बताया गया कि जिले में एएनसी पंजीयन पिछले माह की तुलना में 0.74 प्रतिशत प्रगति के साथ 82 प्रतिशत तक पहुंच चुका है जो राज्य औसत के लगभग बराबर है। यह गर्भवती महिलाओं की समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ने का सकारात्मक संकेत है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में अभी भी पंजीयन अपेक्षाकृत कम है, वहां आशाए एएनएम एवं मैदानी स्वास्थ्य अमला घर-घर संपर्क कर प्रत्येक गर्भवती का समय पर पंजीयन सुनिश्चित करे। समीक्षा में मध्यम एवं उच्च जोखिम गर्भवतियों की पहचान तथा गर्भावस्था जनित उच्च रक्तचाप के प्रबंधन में प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया।

बैठक में बताया गया कि 1 अप्रेल से माह अगस्त 2026 तक जिले में 10270 जीवित जन्म दर्ज हुए तथा मातृ मृत्यु अनुपात एमएमआर 97.4 परिलक्षित हुईए जो राज्य औसत 122 से बेहतर स्थिति दर्शाता है। इसी अवधि में शिशु मृत्यु दर सीडीआर 25.2 दर्ज की गईए जो राज्य औसत 27 से बेहतर स्थिति दर्शाता है।

30 सितम्बर को अनिवार्य रूप से जमा करें वृत्तिकर

दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश वृत्तिकर संशोधन अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिये वृत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर निर्धारित की गई है। संबंधित व्यवसायियों, संस्थानों एवं कार्यालयों से निर्धारित समय-सीमा में वृत्तिकर जमा करने की अपील की गई है। वृत्तिकर के दायरे में आने वाले जीएसटी में पंजीकृत एवं अपंजीकृत व्यवसायी, निजी विद्यालय एवं महाविद्यालय, कम्प्यूटर सेंटर, चिकित्सक एवं चिकित्सा व्यवसायी, सीए, वकील, बीमा अभिकर्ता, मदिरा दुकान संचालक, चिटफंड संस्थाएं एवं व्यक्ति, सहकारी सोसायटी, ट्रांसपोर्टर, कोचिंग संस्थान, चिकित्सालय, जिम सेंटर, धर्मकांटा, होटल, लॉज, मैरिज गार्डन, टेंट शामियाना, केबल ऑपरेटर, वीडियो पार्लर, ब्यूटी पार्लर, फायनेंस कंपनी, क्लीनिक, लैब पैथोलॉजी, नर्सिंग होम, क्योस्क सेंटर, फैशन डिजाइनर, बुटीक, किराना एवं प्रोविजन स्टोर, पेट्रोल पंपए टोल प्लाजा, कम्प्यूटर कॉलेज, नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर सहित अन्य संबंधित संस्थान शामिल हैं।

फहद ने टीबी को हराकर फिर थामा हॉकी का मैदान

दमोह। दमोह निवासी फहद को हॉकी खेलना बेहद पसंद था। टीबी होने के बाद कमजोरी के कारण उन्हें हॉकी छोड़नी पड़ी लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी, नियमित दवाएं लीं और अपना पूरा इलाज कराया। आज फहद पूरी तरह स्वस्थ हैं और फिर से पूरे जोश के साथ हॉकी के मैदान में उतरकर खेल का आनंद ले रहे हैं। वे कहते हैं, टीबी के कारण जो खेल मुझसे छूट गया था आज उसे फिर खेल पा रहा हूं। मेरी जिंदगी फिर सामान्य हो गई है। टीबी मरीजों को उनका संदेश है.टीबी से घबराएं नहीं दवा नियमित लें और इलाज बीच में न छोड़ें। किसी परेशानी पर डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी से जरूर बात करें। समय पर जांच और पूरा उपचार लेकर टीबी से ठीक हुआ जा सकता है। फहद कहते हैं प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत के संकल्प में हम सभी अपनी भूमिका निभाएं, खुद जागरूक हों और दूसरों को भी टीबी के प्रति जागरूक करें।

(वसीयत)

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं./916/अ-6/2026-27

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक-कमल सिंह ठाकुर पिता गंगाराम निवासी 2363 लालमाटी मेढ गोविंददास वार्ड ने मौजा सिविल स्टेशन नजूल ब्लाक नं./ डाय. शीट नं. 05 प्लाट नं. 10/1, 14/2 रकबा 307.25 व.फु. खसरा नं. ... रकबा ... व.फु./हे. पर वसीयतनामा दिनांक 17/05/1996 के आधार पर क्रेता/खातेदार की मृत्यु दिनांक 03/06/98 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल सिविल स्टेशन ब्लाक नं. 05 प्लाट नं. 10/1, 14/2 रकबा 27607 व.फु./हे. ग्राम ... प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकबा ... व.फु./हे. पर एस. सी. वर्मा, आर. सी. वर्मा वल्द ए.सी. वर्मा, श्रीमती उमा, श्रीमती मायाचंद, कु. जयश्री, कु. रीता वर्मा, पुत्री ए.सी. वर्मा सा. 736 नेपियर टाउन व अन्य का नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 29/09/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 21/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 21/08/2026
पेशी दिनांक - 29/09/2026

तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)

(फौती)

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं./842/अ-6/2026-27

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जितेंद्र कुमार जाट पिता स्व. भजन लाल निवासी- पूर्वी बेलबाग कंजर मोहल्ला जबलपुर ने मौजा बेलबाग नजूल ब्लाक नं./डाय. शीट नं. 111 प्लाट नं. 61/2 रकबा 465 व.फु. खसरा नं. ... रकबा ... व.फु./हे. पर वारसान हक दिनांक ... के आधार पर क्रेता/खातेदार की मृत्यु दिनांक 29/02/76 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल बेलबाग ब्लाक नं. 111 प्लाट नं. 61/2 रकबा 465 व.फु./हे. ग्राम ... प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकबा ... व.फु./हे. पर शिव प्रसाद शिवलाल वल्द रामनारायण मु. सुन्दर बाई बेवा भिखारी लाल, मुन्नालाल, वीर सिंह, मंगल सिंह, इन्द्रपाल, बुद्धू सिंह, घनश्याम वल्द भिखारी लाल, प्रीतपाल वल्द इन्द्रपाल का नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 05/10/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 13/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 13/08/2026
पेशी दिनांक 05/10/2026

तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)

आम सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आरा मशीन का लाइसेंस क्रमांक /JBP/2024/92 सरल क्रमांक 42 क्षमता 10 H.P जिसमें एक बैंड सा मशीन है। वर्तमान में रमेश कुमार पटेल निवासी 336/1, नरसिंग वार्ड जबलपुर (MP) के नाम पर पंजीकृत है, उक्त आरा मशीन का लाइसेंस का नाम परिवर्तन स्वामित्व हस्तांतरण कर इसे पार्टनर श्रीमती प्रभा चक्रवर्ती एंव सुनील कुमार चक्रवर्ती, लाइसेंस ASP TIMBER आमखेड़ा कोतवाली कॉलोनी वार्ड NO. 74 जबलपुर (MP) के नाम पर दर्ज कराया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाश दिनांक से 07 दिवस के भीतर अपने प्रमाण सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी, एवं नाम परिवर्तन हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण कर दी जाएगी।

(1) श्रीमति प्रभा चक्रवर्ती
पता - अमखेरा कुदवारी कॉलोनी वार्ड नं 74
मो. नं 8319074832
(2) श्री सुनील चकवर्ती
पता - अमखेरा कुदवारी कॉलोनी वार्ड नं 74
मो. नं 9755538624
हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत के संकल्प से सक्रिय खोज और समय पर उपचार तक

दमोह (स्वतंत्र मत)

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए टीबी के खिलाफ लड़ाई में अब केवल मरीज के स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने का इंतजार नहीं बल्कि संभावित मरीज तक पहुंचकर बीमारी की सक्रिय पहचान पर जोर दिया जा रहा है। नई सोच के साथ आधुनिक तकनीक को अभियान से जोड़ते हुए टीबी की जांच और पहचान की व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। विशेष अभियानों और 100

दिवसीय सघन अभियान के माध्यम से संवेदनशील एवं जोखिम वाले लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है। हैंडहेल्ड एक्स रे आधुनिक जांच और जोखिम आधारित स्क्रीनिंग से ऐसे मामलों की भी पहचान संभव हुई है जो सामान्य लक्षणों के अभाव में सामने नहीं आ पाते थे। बदलाव केवल टीबी की जांच तक सीमित नहीं रहा बल्कि सक्रिय खोज, आधुनिक जांच समय पर पहचान उपचार, निरंतर निगरानी की पूरी व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यू आनन्द नगर जबलपुर में भवन क्रमांक EWS- 167 श्रीमति मुश्तरी बेगम पति श्री माबूद अली के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 19.05.2006 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति मुश्तरी बेगम पति श्री माबूद अली ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.10.2024 के माध्यम से श्रीमति फरीदा बेगम पति श्री सलाउद्दीन मंसूरी को विक्रय किया है। अतः श्रीमति फरीदा बेगम पति श्री सलाउद्दीन मंसूरी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन /भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक -346 श्री तुलसीराम जैन पिता स्व. श्री पुत्तीलाल जैन के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 26.12.2000 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री तुलसीराम जैन पित्ता स्व. श्री पुत्तीलाल जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 24.07.2003 के माध्यम से श्री सुभाष चंद जैन पिता स्व. श्री अमीर चंद जैन को विक्रय किया था, जिनका स्वर्गवास दिनांक 04.04.2014 को हो गया है। अतः उनके पश्चात् उनके नामिनी पुत्र श्री पंकज जैन, श्री पवन कुमार जैन पिता स्व. श्री सुभाष चंद जैन द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कमलेश नेमा पिता श्री विजय कुमार नेमा के द्वारा पुरवा कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक LIG-707 के हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। वर्तमान में उक्त भवन श्री रमेश कुमार तिवारी पिता श्री रामचरण तिवारी के नाम पर आवंटित है। श्री कमलेश नेमा पिता श्री विजय कुमार नेमा से प्राप्त आवेदन एवं निधारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री कमलेश नेमा पिता श्री विजय कुमार नेमा के नाम हस्तांतरण कि कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन हस्तांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर पुरवा कॉलोनी जबलपुर में स्थित भवन कमांक LIG-707 श्री कमलेश नेमा पिता श्री विजय कुमार नेमा के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/ दावा गान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.
Room no. 10 II Telephone-07612624351 II
E-mail: admjabalpur@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक/0063/ अ-20(1)/2025-26
जबलपुर दिनांक 28/09/2026

आम इश्तहार

आवेदक श्री मुकेश कुमार अग्रवाल पिता स्व.श्री मुरारीलाल खजांची निवासी-ए-9 समदडिया रेसीडेंसी ब्यौहारबाग, नार्थ सिविल लाईन जबलपुर द्वारा सि.स्टे.ब्लाक नं. 12 प्लाट नं. 4/3ख कुल रकवा 577.72 व.पुं. जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 13.10.26 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर जबलपुर के कक्ष क्रमांक 34 पर समय 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नही कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण

ब्लॉक नं. 12 प्लाट नं. 4/3ख कुल रकवा (व.फु.) 577.72 उपपट्टेदार श्री मुकेश कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्री मुरारीलाल खजांची निवासी-ए-9 समदड़िया रेसीडेंसी ब्यौहारबाग, नार्थ सिविल लाईन जबलपुर भू भाटक 2620.00/- रुपए प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 28/09/2026
पेशी दिनांक 13/10/2026

अपर कलेक्टर जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
लोककर्म विभाग निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदार/ मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_538627_1 PRO 619 29/09/2026	लाल लाजपत राय वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर नाली, सड़क एवं पेवर ब्लाक व पुलिया निर्माण कार्य । (पार्षद अनुशंसा)	02 माह / 5.85 लाख	रु. 2000/- / 8580/-	13/10/2026
2.	2026_UAD_538627_2 PRO 619 29/09/2026	लाल लाजपत राय वार्ड अंतर्गत मानेगांव तालाब में घाट निमार्ण कार्य । (पार्षद अनुशंसा)	02 माह / 4.28 लाख	रु. 2000/- / 4280/-	13/10/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश
जिला कार्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
क्रमांक JBPLP07022615506/दिनांक/28/SEP/2026
क्र./2129 दिनांक: 28/SEP/2026

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29(3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपातंरण की दशा में आपत्तियाँ आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स योगेंद्र कुमार खेमचंद्र पिता/पति पूरनलाल, संजय कुमार सुकेश कुमार सुजीत कुमार पिता/पति स्व. जानकी प्रसाद, Owners- SANJAY KUMAR, SUKESH KUMAR, SUJEET KUMAR, YOGENDRA KUMAR, KHEMCHAND, DEVELOPER- M/S PRAGYEY DEVELOPERS PRIVATE LIMITED THROUGH VIKAS TIWARI द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है :-

(क) परियोजना का नाम- PRAGYEY NAGAR
(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक)- पूर्व स्वीकृत ग्राम लक्ष्मीपुर प.ह.नं. 4 तहसील आधारताल व जिला जबलपुर की भूमि सर्वे क्रमांक/ खसरा क्रमांक 37/2, 55/1, 56/1, 56/3 कुल रकबा 1.842 हेक्टेयर भूमि पर RESIDENTIAL, RESIDENTIAL PLOTTED HOUSING विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।
(ग) विकास का प्रयोजन- RESIDENTIAL, RESIDENTIAL PLOTTED HOUSING
(घ) स्वीकृति क्रमांक JBPLP12092404653 दिनांक 2025-02-24

पूर्व स्वीकृति अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता है, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा https://alpass.mp.gov.in /Web/objection.aspx?RefApp=kYyE3SGg7u2129 पर प्रस्तुत कर सकेगा । पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरण अभिन्यास का निरीक्षण हितबतद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त इस कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://alpass.mp.gov.in/Web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश
जिला कार्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
क्रमांक JBPLP31082646638/दिनांक/28/SEP/2026
क्र./2130 दिनांक: 28/SEP/2026

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29(3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपातंरण की दशा में आपत्तियाँ आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स शाइनिंग स्टार प्रापरटीज प्राइ.लिमि. 24 पत्रकार कालोनी रानीताल चौक जबलपुर द्वारा डायरेक्टर शिरीष शाह वल्द हिम्मद शाह पिता/पति राइट टाऊन जबलपुर द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है :-

(क) परियोजना का नाम- SHINING STAR
(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक)- पूर्व स्वीकृत ग्राम लक्ष्मीपुर प.ह.नं. 4 तहसील आधारताल व जिला जबलपुर की भूमि सर्वे क्रमांक/ खसरा क्रमांक 61, 62 कुल रकबा 0.425 हेक्टेयर भूमि पर RESIDENTIAL, RESIDENTIAL PLOTTED HOUSING विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।
(ग) विकास का प्रयोजन- RESIDENTIAL, RESIDENTIAL PLOTTED HOUSING
(घ) स्वीकृति क्रमांक JBPLP16082447454 दिनांक 2024-12-13

पूर्व स्वीकृति अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता है, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा https://alpass.mp.gov.in /Web/ objection.aspx?RefApp= 1o5UliWwCQ2130 पर प्रस्तुत कर सकेगा । पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरण अभिन्यास का निरीक्षण हितबतद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त इस कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://alpass.mp.gov.in/Web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला जबलपुर (म.प्र.)

जबलपुर रेल मंडल की तत्परता से यात्री की बची जान

चलती ट्रेन में यात्री की अटकी सांसें, रेलवे ने पहुंचाई ऑक्सीजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रयागराज से मुंबई जा रही गाड़ी संख्या 12294 में यात्रा कर रहे एक वृद्ध यात्री को आवश्यकता पड़ने पर जबलपुर स्टेशन पर समय पर ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराया गया। गाड़ी में यात्रा कर रहे यात्री के लिए 139 के माध्यम से डॉक्टर कॉल प्राप्त हुआ, जिसमें यात्री को ऑक्सीजन की आवश्यकता होने की सूचना दी गई। इसके बाद तत्काल ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था कराई गई। गाड़ी के जबलपुर स्टेशन पहुंचने पर डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट निखिल शुक्ला एवं अनन्या क्लिनिक के स्टाफ अतुल राव द्वारा यात्री को अटेंड किया गया। यात्री के कोच,-2 की बर्थ संख्या 43 तक ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई।

आमजनों की समस्याएं सुन कलेक्टर ने दिए निराकरण के निर्देश

कलेक्टर की जनसुनवाई में आए 135 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों से कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई में आए आवेदनों में आयुष्मान कार्ड, कब्जा हटाने, मारपीट, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, अवैध कब्जा, अतिक्रमण, राजस्व प्रकरण, नामांतरण, सीमांकन, आपसी विवाद तथा भूमि डायवर्सन से संबंधित रहे। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर नीता राठौर, रविशंकर राय, शैलेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह तथा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपभोक्ताओं को चुकानी होगी अतिरिक्त राशि, बिजली कंपनी ने चुपके से बढ़ाए दाम

ईंधन समायोजन शुल्क बढ़ाया, एफपीपीएएस में हुआ बदलाव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र में बिजली उपभोक्ताओं को एक बार फिर अतिरिक्त शुल्क की मार झेल पड़ेगी। दरअसल उपभोक्ताओं को सितंबर के अंतिम हफ्ते से एक महीने तक बिजली बिल में अतिरिक्त राशि चुकानी होगी। जानकारी के अनुसार विद्युत वितरण कंपनियों ने फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) की दर में बदलाव किया है। इसको हटा दो जिसके तहत 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक एफपीपीएएस 4.59 प्रतिशत से बढ़कर 5.063 प्रतिशत रहेगा। यह शुल्क बिजली की मूल दर के बजाय केवल ऊर्जा शुल्क पर लगाया जाएगा। इस बदलाव का असर प्रदेश के लगभग एक करोड़ बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

फोटो-एआई

बिजली खरीदी की लागत में बदलाव के कारण की वृद्धि

बताया जा रहा है कि इनमें लगभग 80 लाख उपभोक्ता अटल ज्योति योजना का लाभ लेते हैं। बिजली कंपनियों के मुताबिक, ईंधन और बिजली खरीदी की लागत में बदलाव के कारण एफपीपीएएस में वृद्धि की गई है। यह बिजली की मूल टैरिफ दर में स्थायी बढ़ोतरी नहीं है। इसकी दर की अगले महीने फिर समीक्षा की जाएगी। बिजली विभाग के जानकारों ने मुताबिक मप्र पावर मैनेजमेंट के परिपत्र के अनुसार 24 सितंबर 2026 से जारी होने वाले बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार के साथ 5.06 प्रतिशत एफपीपीएएस लगेगा। उन्होंने बताया कि यह शुल्क ईंधन और बिजली खरीदी की लागत में घटने-बढ़ने के आधार पर तय होता है। अग्रवाल के अनुसार मार्च में एफपीपीएएस की दर 0.63 प्रतिशत थी, जो बढ़ते-बढ़ते अब 5.06 प्रतिशत हो गई है। यह बदलाव 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा।

क्या होता है एफपीपीएएस

एफपीपीएएस यानी फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज होता है। बिजली कंपनियों को बिजली खरीद और ईंधन की लागत में होने वाले बदलाव की भरपाई के लिए यह शुल्क लगाया जाता है। इसकी दर समय-समय पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत बदल सकती है। वर्तमान बदलाव 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक लागू रहेगा।

पूरे बिल पर नहीं लगेगा सरचार्ज

एफपीपीएएस पूरे बिजली बिल की रकम पर नहीं लगाया जाएगा। यह केवल ऊर्जा शुल्क पर लगेगा। बिल में ऊर्जा शुल्क और एफपीपीएएस अलग-अलग दिखाई देंगे। इसके अलावा फिक्स्ड चार्ज, मीटर शुल्क, लागू सब्सिडी और अन्य समायोजन भी बिल में शामिल होते हैं। इसलिए अंतिम बिल की राशि उपभोक्ता की श्रेणी और कुल खपत के अनुसार अलग हो सकती है। जिसका मतलग 300 यूनिट पर ऊर्जा शुल्क 1,576.50 रूपए बनता है। इस पर 5.063 प्रतिशत के हिसाब से एफपीपीएएस लगभग 79.82 रूपए होगा। इसी तरह 500 यूनिट पर ऊर्जा शुल्क 3,024.50 रूपए होने पर लगभग 153.23 रूपए एफपीपीएएस जुड़ेगा।

विश्व अल्जाइमर दिवस पर जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जागरूकता अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस (जिनसार) में विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर तिलवारा में 29 सितंबर को प्रात: 11 बजे से जन-जागरूकता हेतु स्वास्थ्य वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अल्जाइमर रोग एवं डिमेंशिया के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर पहचान, उचित देखभाल और उपचार के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम का आयोजन बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का समन्वय प्रियंका गायकवाड़ एवं सुश्री ऋषिका कोठारी द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य शिक्षा सत्र हुआ आयोजित

इस अवसर पर बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा अल्जाइमर से जुड़े विषय पर स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने अल्जाइमर रोग एवं डिमेंशिया के प्रारंभिक लक्षणों, सही निदान, डिमेंशिया के विभिन्न चरणों तथा प्रभावित व्यक्तियों को आवश्यक देखभाल एवं सहयोग प्रदान करने के तरीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, डिमेंशिया का निदान एवं उसके विभिन्न चरण, देखभालकर्ताओं के लिए आवश्यक सहयोग एवं रणनीतियां, प्रभावी संवाद तकनीक तथा स्मृति-वर्धक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यार्थियों ने उपस्थित लोगों को डिमेंशिया से प्रभावित व्यक्तियों की आवश्यकताओं को समझने तथा उनके प्रति संवेदनशील, सम्मानजनक एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

व्हीएफजे में वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में मंगलवार को वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन केआर मीणा, महाप्रबंधक एवं अस्थाई प्रभारी अधिकारी के मुख्य आतिथ्य में हर्षोल्लास के साथ किया गया। वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह में के. आर. मीणा ने निर्माणी के कार्मिकों को पुरस्कार प्रदान किए। हर्ष भटनागर, उप महाप्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी ने गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया। समारोह में भारत सरकार की प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत हिंदी में सर्वाधिक डिक्टेशन देने के लिए हिंदी भाषी श्रेणी में हर्ष भटनागर, उप महाप्रबंधक एवं गैर हिंदी भाषी श्रेणी में लेफ्टिनेंट कर्नल इमैनुअल फ्रांसस, सुरक्षाधिकारी को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार मूल रूप से हिंदी में टिप्पण आलेखन के लिए शरद कुमार, पराते ज्ञानेश्वर दिवालू, रवीश कुमार आर्या, योगेंद्र शेखावत, तारकेश्वर कुशवाहा, परिमाला राघवन, अजय कुमार अवस्थी, सचेंद्र साहू, दिनेश कुमार ठाकुर एवं सुशांत कुमार दुबे को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बढ़ती आपराधिक घटनाओं के खिलाफ युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और कानून-व्यवस्था के मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस ने मंगलवार को एसपी ऑफिस का घेराव किया। प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के नेतृत्व में घमापुर चौक से सैकड़ों कार्यकर्ता रैली के रूप में एसपी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान यहां पहले से तैनात पुलिस बल ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस से उनकी झड़प हो गई। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। करीब एक घंटे चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारी शहर में हत्या, लूट, चाकूबाजी और नशे के बढ़ते कारोबार को लेकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। युवा कांग्रेस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी,

संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की। प्रदर्शन को देखते हुए एसपी ऑफिस के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने आरोप लगाया कि जबलपुर में हत्या और लूट जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जबकि पुलिस अपराधों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा पा रही है। उन्होंने कहा कि शहर में अवैध शराब, जुआ-सट्टा और नशीले पदार्थों का कारोबार बढ़ रहा है। आम लोग शिकायत लेकर थाने पहुंचते हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं होती और आवेदन लेकर उन्हें भटकाया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो युवा कांग्रेस आगे और बड़ा आंदोलन करेगी।

विश्व हृदय दिवस पर सीएचसी शाहपुरा में बच्चों के हृदय हुई जांच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शाहपुरा में स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी (सीबीएमओ) डॉ. सीके अतरौलिया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामों से आए बच्चों के हृदय स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उन्हें हृदय रोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। बच्चों और उनके परिजनों को हृदय रोग के संभावित लक्षणों, समय रहते जांच कराने की आवश्यकता तथा बीमारी की स्थिति में उचित उपचार के बारे में समझाया गया। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि बच्चों में हृदय संबंधी समस्या के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतते हुए चिकित्सकीय परामर्श लेना आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों को हृदय

रोग के उपचार के लिए उपलब्ध शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं की भी जानकारी दी गई, ताकि जरूरतमंद परिवार इन योजनाओं का लाभ लेकर समय पर उपचार करा सकें। कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गुंजन भार्गव शर्मा, डॉ. अमित जैन, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. पम्मी भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

विश्व हृदय दिवस पर अपोलो हॉस्पिटल में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अपोलो हॉस्पिटल द्वारा दिनांक 29 सितम्बर को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह, विशिष्ट अतिथि नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, अपोलो हॉस्पिटल के डायरेक्टर शोभित बडेरिया की उपस्थिति में कार्यक्रम

की शुरआत हुई। इस मौके पर विशषज्ञ डॉक्टर्स कोर्डियोलॉजीस्ट गुंजन खुशाल घोडेश्वर, क़यूम, अंकुश कोतवाल, मनीष केडिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आम जनता को दिल की बीमारियों से बचाव व स्वस्थ जीवन शैली से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर्स की तारीफ करते हुए कहा की यहां के डॉक्टर्स मरीज़ो का जिस गंभीरता से इलाज करके उन्हें स्वस्थ्य कर देते हैं, उससे मरीज़ो का डॉक्टर्स के प्रति भरोसा बढ़ता है। इस अवसर पर हॉस्पिटल परिसर मे कैंडेल लाइट मार्च भी किया गया।

विष्णु मिश्रा होंगे सेवानिवृत्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाधिवक्ता कार्यालय लगभग 37 वर्षों की दीर्घ एवं समर्पित शासकीय सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेक्शन ऑफिसर विष्णु मिश्रा 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगे। विष्णु मिश्रा ने अपने लंबे सेवाकाल के दौरान कार्यालयीन कार्यप्रणाली, प्रशासनिक दायित्वों एवं विभागीय जिम्मेदारियों को पूरी गंभीरता के साथ निभाया। उनके कार्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और सहयोगी भावना के कारण सहकर्मियों के बीच उनकी विशिष्ट पहचान बनी। उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर महाधिवक्ता कार्यालय जबलपुर के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उनके सम्मान में भाव पूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया।

धान की फसल पर भूरे माहू का अटैक, किसानों की बढ़ी चिंता

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा विकासखंड के अंतर्गत गोसलपुर के समीप ग्राम सिलुवा रानीताल टिकरिया झांसी में धान की फसल पर खतरनाक भूरे माहू कीट का प्रकोप शुरू हो गया है। फसलें पीली पड़कर सूखने लगी हैं जिससे किसानों में चिंता का माहौल है। किसानों की सूचना पर कृषि विभाग की कृषि विस्तार अधिकारी अदिती सिंह राजपूत तुरंत एक्शन में आईं और सिलुवा गांव के प्रगतिशील कृषक मेवालाल पटेल एवं गोविंद काछी के खेतों का सघन निरीक्षण किया। कृषि अधिकारी ने बताया की भूरा माहू धान का सबसे खतरनाक कीट है यह कीट धान के पौधे की जड़ के पास तने पर हजारों की संख्या में चिपक कर उसका रस चूस लेता है रस चूसने के कारण पौधा ऊपर से पीला होकर झुलस जाता है और पूरा खेत जला हुआ जैसा दिखता है जिसे वैज्ञानिक भाषा में हॉपर बर्न कहते हैं यह कीट 2-3 दिन में ही पूरे खेत को चौपट कर सकता है। अधिकारियों ने इससे बचने किसानों को उपाय बताए।

मप्र सरकार के उठाए कदमों की होगी समीक्षा आवारा कुत्तों के आतंक पर हाईकोर्ट सख्त

स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र में आवारा कुत्तों की समस्या और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर मप्र हाईकोर्ट अब राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की समीक्षा करेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दर्ज स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने तीन नवंबर को दोपहर 2.30 बजे अगली सुनवाई निर्धारित की। समीक्षा के बाद हाईकोर्ट की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी। शीर्ष अदालत में मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को प्रस्तावित है। सुनवाई के दौरान बेंच ने कोर्ट मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रायन डिसिल्वा और अधिवक्ता सरबवीर सिंह ओबेराय से सरकार के जवाब पर सुझाव मांगे। वरिष्ठ अधिवक्ता डिसिल्वा ने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को संतोष जनक बताया। बेंच ने कहा कि 3 नवंबर को रिपोर्ट पर विस्तृत सुनवाई कर आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे।

6 माह में हुई 15 हजार से अधिक नसबंदी

सुनवाई के दौरान राज्य के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल की ओर से प्रस्तुत जवाब में बताया गया कि पिछले 6 माह में प्रदेश में 15 हजार से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया गया है। सरकार ने सार्वजनिक परिसरों को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने और निगरानी के लिए किए गए उपायों की जानकारी भी दी है। सरकार ने बताया कि खाद्य सामग्री विक्रेताओं को खाद्य अपशिष्ट का उचित निपटान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्हें कचरा बंद डस्टबिन में रखने तथा खान-पान के स्टॉल के आसपास आवारा कुत्तों को भोजन नहीं कराने की सलाह दी जा रही है। बता दें कि आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त और सात नवंबर, 2025 को निर्देश जारी किए थे। इसके बाद 19 मई, 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को इस विषय पर स्वत: संज्ञान लेकर जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दिया था। मप्र हाईकोर्ट ने मामला दर्ज कर राज्य सरकार से आवारा कुत्तों की रोकथाम, नसबंदी, टीकाकरण और सार्वजनिक परिसरों की सुरक्षा के संबंध में उठाए गए कदमों का विवरण मांगा था। अब तीन नवंबर को सरकार के जवाब और उपायों की प्रभावशीलता की समीक्षा होगी।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

THE VVAAN - FORCE OF THE FORREST (HINDI)	10:30 AM, 1:30 PM, 4:30 PM, 7:30 PM, & 10:20 PM; RUBY 9:30 PM
THE PARADISE (HINDI) (A-18+)	9:30 AM, 12:20 PM & 10:40 PM; RUBY 6:30 PM
AVENGERS ENDGAME: ENCORE	HINDI (3D) - 8:50 AM & 3:30 PM
HEART OF THE BEAST (ENG)	RUBY 7:30 PM
MIRZAPUR (HINDI) (A-18+)	RUBY 11:30 AM, 3:00 PM & 9:45 PM | 7:00 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	12:50 PM, 3:50 PM, 6:50 PM & 9:50 PM; RUBY 2:00 PM & 4:45 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**